फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 317 प्रभात जयपुर, शनिवार 20 जून, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Decolonising the Ranks
Bandi Jackets For Men...

No bracelet in uniform, except for a single sacred thread on the wrist on the day of a pooja.
No religious markings or symbols are allowed, with exceptions for Sikh soldiers

Ashadha's First Day

When the King of Fruits Arrives

राहुल अब मुस्कुराकर स्वीकार कर रहे हैं कि वे प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार हैं

उनके आत्मविश्वास का प्रतीक है कि अब वो अपना जन्म दिन कांग्रेसियों के साथ मनाने में अटपटा महसूस नहीं करते हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- पूर्व में राहुल गांधी प्रायः अपने जन्म दिन पर विदेश चले जाते थे, जिसे लेकर राजनीति के प्रति उनकी गंभीरता पर सवालिया निशान लगते थे।
- लेकिन, इस बार राहुल गांधी ने अपने जन्म दिन पर दो घंटे कांग्रेस कार्यालय में बिताए, कार्यकर्ताओं और नेताओं की भारी भीड़ उमड़ी, उत्सव जैसा माहौल देखा गया।
- विपक्ष में भी राहुल के नेतृत्व के प्रति स्वीकार्यता बढ़ रही है। शरद पवार, अब उतने ताकतवर नहीं रहे, वे तो अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय तक करना चाहते हैं।
- राहुल के नेतृत्व के लिए हमेशा चुनौती बनी रहीं, ममता बनर्जी भी चुनाव हारने के बाद अपनी पार्टी को बिखरने से बचाने में जुटी हैं।
- सपा और आरजेडी का नया नेतृत्व, अखिलेश एवं तेजस्वी यादव, राहुल के साथ बेहद सहज नज़र आते हैं।

नई दिल्ली, 19 जून। राहुल गांधी के 56 वर्ष पूरे होने के साथ ही, बीता एक वर्ष राजनीतिक परिदृश्य में कई बड़े बदलाव लेकर आया है। उनकी राजनीतिक यात्रा में मौजूद कई बाधाएं, चाहे कांग्रेस के भीतर हों या विपक्षी खेमे में, अब काफी हद तक दूर होती दिखाई दे रही हैं। वे अब इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए सबसे अधिक स्वीकार्य चेहरे के रूप में उभर रहे हैं।

राहुल गांधी अक्सर अपने जन्मदिन के अवसर पर विदेश यात्रा पर रहते थे और सार्वजनिक रूप से कम ही दिखाई देते थे। लेकिन इस वर्ष उन्होंने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) कार्यालय में लगभग दो घंटे बिताए, जहां उन्होंने नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच जन्मदिन का केक काटा।

अकबर रोड के आसपास का पूरा इलाका गाड़ियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से खचाखच भरा हुआ था, जिससे सामान्यतः शांत रहने वाले पार्टी कार्यालय में उत्सव जैसा माहौल बन गया था।

विपक्षी राजनीति में भी अब राहुल गांधी के लिए रास्ता काफी हद तक साफ हो गया है और वे ऐसे नेता के रूप में उभर रहे हैं जो पूरे विपक्षी मोर्चे का नेतृत्व कर सकते हैं।

मजबूत मराठा नेता शरद पवार अब राजनीतिक रूप से कमजोर स्थिति में दिखाई दे रहे हैं। यहां तक कि उन्होंने अपनी पार्टी के कांग्रेस में विलय के संकेत भी दिए हैं।

ममता बनर्जी, जो पहले राहुल गांधी को स्वीकार नहीं कर पाती थीं, चुनाव हार चुकी हैं और अपनी पार्टी को टूटने और समाप्त होने से बचाने में लगी हुई हैं। हाल के दिनों में उन्हें सोनिया गांधी के साथ भावुक होते हुए भी देखा गया है। एम. के. स्टालिन, जिन्होंने पहले राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बताया था, चुनाव हार चुके हैं। वे कांग्रेस द्वारा विजय की पार्टी को समर्थन देने को धोखा बता रहे हैं और इससे नाराज़ भी हैं, लेकिन कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन से संबंध तोड़ने को तैयार नहीं हैं।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

फुटपाथ पर सुरक्षित चलना पैदल यात्रियों का मौलिक अधिकार -सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 19 जून। उच्चतम न्यायालय ने एक अहम फैसले में कहा है कि फुटपाथ पर सुरक्षित चलना मौलिक अधिकार है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि नगर निगम, नगरपालिका और विकास प्राधिकरणों की जिम्मेदारी है कि वे सुरक्षित और स्पष्ट रुप से चिन्हित फुटपाथ उपलब्ध कराएं। अगर ऐसा नहीं किया जाता है, तो नागरिक संवैधानिक और कानूनी उपायों के जरिये मुआवजा मांग सकते हैं।

कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वो पैदल यात्रियों के अधिकारों की रक्षा के लिए अलग कानूनी ढ ांचा तैयार करने पर विचार करे। कोर्ट ने कहा कि सड़कों पर मोटर वाहनों की आवाजारी से पहले पैदल चलने वालों के अधिकारों को महत्व दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने मोटर वाहन दुर्घटना से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान ये दिशा-निर्देश दिए। मामले में एक पिता ने अपने पांच साल के बेटे को खो दिया था। उच्चतम न्यायालय ने मुआवजे की रकम बढ़ ाकर 11,44,628 रुपये करने का आदेश दिया।

- यदि सुरक्षित व चिन्हित फुटपाथ उपलब्ध नहीं कराये जाते तो नागरिक मुआवजा मांग सकते हैं।

स्टालिन ने भी राहुल गांधी को जन्म दिन की बधाई दी

यह इस बात का प्रतीक है कि विपक्षी राजनीति में राहुल का स्टेटस बढ़ रहा है और स्टालिन का रुतबा घट गया है

-सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अभिनेता विजय की पार्टी के जीतने के बाद, कांग्रेस ने जिस तरह से विजय को समर्थन दिया और सरकार में शामिल हुई, उस पर स्टालिन काफी नाराज़ थे।
- स्टालिन ने लोकसभा में अपनी पार्टी सांसदों को अलग बिठाने की मांग तक कर डाली और वे इंडिया ब्लॉक की बैठक में भी नहीं आए थे।
- पर, स्टालिन द्वारा राहुल गांधी को जन्म दिन की बधाई देने से लगता है कि वे भले ही नाराज़ हों, पर, विपक्षी गठबंधन में बने रहना चाहते हैं।

नई दिल्ली, 18 जून। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एम. के. स्टालिन द्वारा इस वर्ष कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दी गई जन्मदिन की शुभकामनाओं में, पिछले वर्ष की तुलना में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक कहानी छिपी है।

इस वर्ष स्टालिन ने राहुल गांधी को "विपक्ष के नेता" कहकर संबोधित किया, जबकि 2025 में उन्होंने तत्कालीन तमिलनाडु मुख्यमंत्री रहते हुए "विचारधारा से मेरे भाई" (ब्रदर्स इन आइडियल्स) शब्द का प्रयोग किया था।

राजनीति में एक वर्ष वास्तव में बहुत लंबा समय होता है, और इसे सबसे बेहतर वही लोग जानते हैं, जो इन दोनों नेताओं की तरह, इसके गवाह रहे हैं। इस दौरान काफी कुछ बदल गया है, हालांकि एक हल्की उम्मीद अब भी बनी हुई है क्योंकि स्टालिन धर्मनिरपेक्षता, संघवाद और संवैधानिक मूल्यों की राह पर दृढ़ बने हुए हैं। पिछले वर्ष और इस वर्ष के बीच सबसे बड़ा अंतर हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में डीएमके की हार है।

जब स्टालिन ने पिछले वर्ष राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दी थीं, तब उन्होंने राहुल को सम्बोधित करते हुए लिखा था, विचारधारा से मेरे भाई, जो खून से नहीं, बल्कि विचार, दृष्टि और उद्देश्य से जुड़े हैं।" उन्होंने आगे लिखा था- "आप इसी तरह दृढ़ रहें और साहस के साथ नेतृत्व करते रहें। एक उज्ज्वल भारत की ओर हमारी इस यात्रा में जीत हमारी होगी। स्टालिन की उस पोस्ट में गर्मजोशी और निकटता झलकती थी।

इसके विपरीत, आज स्टालिन की जन्मदिन शुभकामना में वह गर्मजोशी और निकटता गायब थी। उन्होंने लिखा: माननीय विपक्ष के नेता थिरु. राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ। आपके लिये अच्छे स्वास्थ्य और खुशी की कामना।

दोनों पोस्टों में शब्दों के चयन से कांग्रेस-डीएमके संबंधों की कहानी स्पष्ट होती है। जो पहले व्यक्तिगत और मित्रतापूर्ण था, वह अब औपचारिक और प्रोफेशनल हो गया है, हालांकि दोनों के बीच संचार चैनल को बनाए रखने की इच्छा अभी भी दिखाई देती है।

राहुल गांधी ने अपने उत्तर में डीएमके के प्रति सुलह का संकेत देते हुए मेल-मिलाप का संदेश दिया। स्टालिन का धन्यवाद करते हुए उन्होंने

(शेष पृष्ठ 6 पर)

'राम मंदिर के चढ़ावे की ''हैंडलिंग'' में भारी गड़बड़ियां हैं'

प्र.मंत्री मोदी के प्रधान सचिव नृपेन्द्र मिश्रा ने कहा, चढ़ावे की ''हैंडलिंग'' में ना ईमानदारी रखी गई है, ना सतर्कता बरती गई है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- इसी बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंततः इस विवाद पर चुप्पी तोड़ी और कहा कि सच सामने लाने के लिए एसआईटी को 15 दिन का समय दिया जाए।
- इस विवाद को लेकर भाजपा में भारी अफरा तफरी मची है। कांग्रेस और सपा ही नहीं खुद भाजपा के नेताओं ने राम मंदिर के चढ़ावे के प्रबंधन में भारी गड़बड़ी का आरोप लगाया है। सांसद बृज भूषण शरण सिंह ने कहा, उन्हें चढ़ावे मेंक चोरी की जानकारी है, एक अन्य नेता राजेश सिह ने इस बारे में प्र.मंत्री को पत्र लिखा।
- हालांकि, राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि फंड चोरी का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

नई दिल्ली, 19 जून। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को आखिरकार राम मंदिर के दान में कथित गबन के आरोपों पर अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने लाने के लिए विशेष जांच दल (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम-एसआईटी) को 15 दिन का समय दिया जाए। लेकिन, राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्रा, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पूर्व प्रधान सचिव रह चुके हैं, ने मंदिर प्रबंधन व्यवस्था में पूरी तरह सुधार की मांग की है। उनका कहना है कि दान राशि के कथित दुरुपयोग के विवाद ने निगरानी और जवाबदेही की गंभीर कमियों को उजागर कर दिया है।

राज्य विधानसभा चुनाव अब केवल कुछ ही महीने दूर हैं और अयोध्या मंदिर से जुड़ा यह विवाद

(शेष पृष्ठ 6 पर)

शासन सचिव अंबरीश कुमार पर दुबारा जमानती वारंट जारी

जयपुर, 19 जून। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग के शासन सचिव अंबरीश कुमार को दूसरी बार जमानती वारंट से तलब किया है।

- गत 8 जून को पहला जमानती वारंट जारी हुआ था, पर कार्यालय बंद होने से कारण तामील नहीं हो पाई।

अधिकरण की न्यायिक सदस्य पूनम दरगन और सदस्य प्रकाश चंद्र शर्मा की बेंच ने यह जमानती वारंट सरोज मीणा की ओर से दायर प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए जारी किया गया।

अदालत ने सम्मन के बावजूद पेश नहीं होने पर अंबरीश कुमार को 8 जून

(शेष पृष्ठ 6 पर)

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता फेल हुई

स्विट्ज़रलैण्ड में शांति पैक्ट पर साईन होने वाले थे, लेकिन ईरान के पीछे हटने से अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस ने जिनेवा दौरा रद्द किया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- हिज़्बुल्लाह ने गुरुवार को एक हमले में चार इज़रायली सैनिकों को मार दिया, उसके बाद इज़रायल में भारी गुस्सा है और जवाबी कार्यवाही में लेबनान के 18 नागरिक मारे गए।
- इन हमलों को ईरान ने शांति पैक्ट का उल्लंघन बताया और लेबनान पर हमला रोकने को वार्ता की पहली शर्त करार देते हुए जिनेवा वार्ता से खुद को दूर कर लिया।
- क्षेत्रीय राजनैतिक विश्लेषकों का कहना है कि इज़रायल और हिज़्बुल्लाह दोनों को लगता है कि शांति वार्ता से उन्हें जानबूझकर अलग रखा गया है। इज़रायल चाहता था कि उसे वार्ता मे शामिल किया जाए, वहीं हिज़्बुल्लाह को भी लगता है कि शांति वार्ता में ईरान ने उसके हितों की अनदेखी की है।
- शांति वार्ता फेल होने से एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता का माहौल बन गया।
- बताया जाता है कि 14 सूत्रीय शांति समझौते में ईरान द्वारा न्यूक्लियर कार्यक्रम आगे नहीं बढ़ाने, ईरानी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, अमेरिका द्वारा सभी प्रतिबंध हटाने जैसे बिंदू शामिल हैं।

नई दिल्ली, 19 जून। एक छोटे से आतंकी समूह, हिज़्बुल्लाह, के कारण फारस की खाड़ी में युद्ध समाप्त करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था को सामान्य स्थिति में लाने के लिए अमेरिका-ईरान समझौते को अंतिम रूप देने की जो प्रक्रिया चल रही है, उसमें अवरोध आ गया है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे. डी. वेंस स्विट्ज़रलैंड जाकर तकनीकी वार्ताओं को अंतिम रूप देने वाले थे, ताकि अमेरिका-ईरान समझौता पूरा किया जा सके। लेकिन लेबनान में हिज़्बुल्लाह द्वारा की गई हिंसा ने इस समझौता प्रक्रिया को बाधित कर दिया।

हिज़्बुल्लाह कई देशों में फैला एक मिलिशिया ग्रुप है, जिसने वर्षों से लेबनानी सरकार को चुनौती दे रखी है और इसे मध्य पूर्व क्षेत्र में ईरान के गुप्त और कभी-कभी खुले अभियानों का विस्तार माना जाता है। ईरान हिज़्बुल्लाह को धन, संसाधन और हथियारों से सहायता देता रहा है।

हिज़्बुल्लाह ने गुरुवार को हमला किया, जबकि वार्ताएँ निर्धारित की जा रही थीं, हमले में लेबनान में चार इज़रायली सैनिकों की मौत हो गई। जवाब में, इज़राइल ने सैन्य कार्रवाई की,

(शेष पृष्ठ 6 पर)

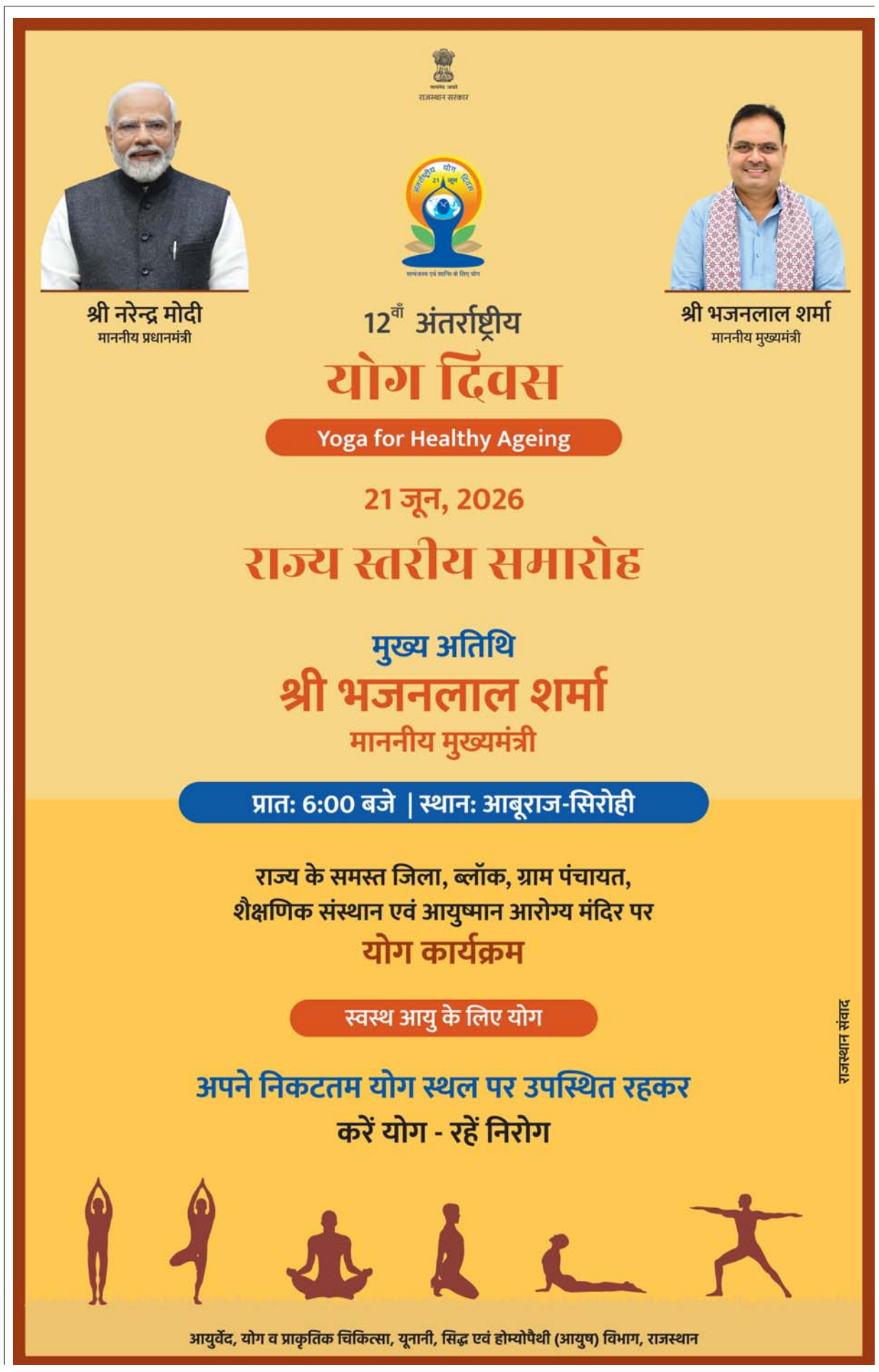

विचार बिन्दु

जो मनुष्य एक पाठशाला खोलता है वह एक जेलखाना बंद करता है। –अज्ञात

बदलता राजस्थान: शिक्षा का नया मॉडल

राजस्थान, अपनी सांस्कृतिक विरासत, रेगिस्तानी परंपराओं और विविध भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद, लगातार बदलते सामाजिक और आर्थिक परिदृश्यों के बीच अब शिक्षा के नए मॉडल की ओर अग्रसर है। परंपरागत रूप से यहाँ की शिक्षा ने लोकजीवन, हस्तशिल्प और पारंपरिक ज्ञान को संरक्षण दिया है, परन्तु आज की आवश्यकता है कि वही विरासत आधुनिक शिक्षा के साथ मेल खाए ताकि युवा प्रतिभा वैश्विक प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ स्थानीय संवेदना और पहचान को भी बनाए रखे। राजस्थान में शिक्षा का नया मॉडल इसी संतुलन का परिणाम है: एक ऐसा मॉडल जो कौशल-प्रधान, क्षेत्रीय-संवेदनशील और तकनीक-सक्षम शिक्षा को प्राथमिकता देता है, साथ ही सामाजिक समावेशन और स्थायी विकास के लक्ष्यों को केन्द्र में रखता है।

नया मॉडल स्थानीयता और ग्लोबलाइज़ेशन के बीच पुल का काम करता है। इसके मूलभूत तत्वों में पाठ्यक्रम का संदर्भीकरण, व्यावहारिक कौशलों का समावेश, बहुभाषिक शिक्षा, तथा सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) का समुचित उपयोग शामिल है। राजस्थान की ग्रामीण तथा शहरी इकाइयों में भिन्न-भिन्न आवश्यकताएँ हैं; इसलिए मॉडल में अनुकूलन की गुंजाइश दी गई है ताकि प्रत्येक जिला, ब्लॉक और गाँव अपनी भौगोलिक, आर्थिक व सांस्कृतिक आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण तैयार कर सकें। उदाहरण के लिए, ठेठ ग्रामीण क्षेत्र में जल-संवर्धन, वैकल्पिक कृषि तकनीकें व स्थानीय हस्तशिल्प को पाठ्यचर्या में शामिल किया जा सकता है, जबकि शहरी केंद्रों में आईटी, डिज़ाइन और स्टार्टअप उद्यमिता पर जोर होगा। इस तरह शिक्षा युवाओं को न केवल नौकरी की तैयारी कराती है बल्कि उन्हें स्थानीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक योगदान देने योग्य भी बनाती है।

नए मॉडल का एक प्रमुख स्तंभ कौशल आधारित शिक्षा है। पारंपरिक शैक्षणिक परिणाम जैसे अंक और डिग्रियाँ आवश्यक तो हैं परन्तु आज रोजगार बाजार में सफलता का आधार तकनीकी, संचार एवं समाधान-उन्मुख कौशल हैं। राजस्थान सरकार और निजी संस्थाएँ मिलकर वोकैशनल ट्रेनिंग, इंटर्नशिप और उद्योग-विद्यालय साझेदारियों को बढ़ावा दे रही हैं। स्कूलों में प्रारंभिक वर्ष से ही प्रोजेक्ट-आधारित लर्निंग तथा समकालीन कौशलों (डिजिटल साक्षरता, समस्या-समाधान, उद्यमशीलता) का समावेश किया गया है ताकि विद्यार्थी शीघ्रता से प्रयोगात्मक शिक्षा के माध्यम से कार्यक्षमता विकसित कर सकें। इससे नयी पीढ़ी को स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार और सूक्ष्म उद्यम शुरू करने की प्रेरणा और प्रशिक्षण दोनों मिलते हैं।

शिक्षक-शक्ति का पुनरुद्धार नए मॉडल का अगला महत्वपूर्ण पक्ष है। राजस्थान में शिक्षकों को सिर्फ विषय-ज्ञान नहीं बल्कि मार्गदर्शन, व्यक्तित्व-निर्माण और क्षेत्रीय आवश्यकताओं को दर्शाने वाले प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। शिक्षकों को सामुदायिक नेताओं के रूप में देखा जा रहा है वे बच्चों के साथ-साथ अभिवावकों को भी शिक्षा के महत्त्व और नवीन पद्धतियों के प्रति समेकित करते हैं। यह बदलाव शिक्षण को केवल कक्षाकक्षीय गतिविधि से निकालकर एक समुदाय-समावेशी अभियान बनाता है, जहाँ शिक्षक स्थानीय सांस्कृतिक विधाओं, पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक कौशलों के मध्य संपर्क स्थापित करें।

तकनीकी शिक्षा संस्थान जब कला, साहित्य व संगीत जैसे क्षेत्रों पर काम करते हैं तो यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि हमारी पुरातन परंपराओं का आदर करने वाली एक नई पीढ़ी सशक्त हो रही है। आधुनिक तकनीकी ज्ञान और शिल्पीय कौशल के साथ सांस्कृतिक एवं कलात्मक संवेदनशीलता जोड़ने की यह दिशा नई शिक्षा नीति के मूल सिद्धांतों से मेल खाती है, जो बहुआयामी शिक्षा, क्रॉसडिसिप्लिनरी लर्निंग और स्थानीय ज्ञान के संरक्षण पर जोर देती है। महेश स्वामी जैसे विचारक और मार्गदर्शक, जिनकी सोच में परंपरा और नवाचार का संयोजन है, उन युवा मनों में जिजीविषा जगाते हैं जो तकनीक को सिर्फ उपकरण के रूप में नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में देखते हैं। जब संस्थान तकनीकी पाठ्यक्रमों में संगीत, लोककथाएँ, लोकहस्तकला और साहित्य को शामिल करते हैं, तो विद्यार्थी तकनीकी समस्याओं के समाधान में मानवीय और संवेदनशील दृष्टिकोण लाते हैं, स्थानीय समृद्ध संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान को नई विधियों से पुनर्जीवित करते हैं, और रोजगार व उद्यमशीलता के नये रास्ते खोलते हैं। नई शिक्षा नीति की भाषा में यह समावेशिता आत्मसात करना न केवल रचनात्मकता व आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करता है, बल्कि सांस्कृतिक आत्मसत्ता को भी मज़बूत बनाता है यानी तकनीकी प्रगति और सांस्कृतिक जड़ों के बीच एक जीवंत सेतु निर्मित होता है। ऐसे प्रयास न केवल विद्यार्थियों को बहुआयामी कौशल देते हैं, बल्कि समाज को भी एक ऐसी दिशा प्रदान करते हैं जहां आधुनिकता और परंपरा सहअस्तित्व में, नवोन्मेष को मानवीय अर्थ और स्थानीय प्रासंगिकता प्रदान करें।

राजस्थान का नया शिक्षा मॉडल एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है जो वैश्विक मानकों के साथ स्थानीय संवेदनशीलता का संयोजन करता है। यह मॉडल कौशल आधारित, बहुभाषिक, तकनीक समर्थित और सांस्कृतिक रूप से समावेशी है। यदि इसे सजीव रूप में लागू किया जाए अर्थात् नीतिगत समर्थन, समुदायिक भागीदारी और सतत निवेश के साथ तो यह न केवल शैक्षिक सुधार लाएगा बल्कि सामाजिक और आर्थिक पुनरुत्थान का भी मार्ग प्रशस्त करेगा।

शिक्षा और स्थानीय अर्थव्यवस्था के बीच संबंध को मजबूती देने के लिए कैरियर मार्गदर्शन और स्थानीय-रोजगार मानचित्र बनाये गए हैं। युवा अब शहरों की ओर केवल नौकरियों की तलाश में नहीं भाग रहे; उन्हें स्थानीय पारंपरिक उद्योग, पर्यटन, और हरित अर्थव्यवस्था (जैसे जल प्रबंधन, अक्षय ऊर्जा) में अवसर दिखाये जा रहे हैं। स्कूलों और स्थानीय उद्योगों के बीच समन्वय से इंटर्नशिप और छोटे व्यवसाय आरम्भ करने वाले प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराये जाते हैं। इससे ग्रामीण पलायन पर नियंत्रण रहता है और स्थानीय समुदायों की आर्थिक स्वायत्तता बढ़ती है।

पाठ्यक्रम में सांस्कृतिक संरक्षण का समावेश भी इस मॉडल की विशिष्टता है। राजस्थान की लोककथाएँ, लोकसंगीत, हस्तशिल्प और पर्यावरणीय जीवन-ज्ञान को सीखने के माध्यम बनाया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों को अपनी जड़ें जानने का अवसर मिलता है और सांस्कृतिक पर्यटन तथा हस्तशिल्प कारोबार में रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। शिक्षा अब केवल आधुनिक विज्ञान तक सीमित नहीं है; यह एक ऐसा माध्यम है जो स्थानीय पहचान को सम्मान देते हुए नवाचार को प्रोत्साहित करता है।

नवोन्मेष और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए स्कूलों तथा कॉलेजों में सक्रिय प्रयोगशालाओं और इनोवेशन हब का निर्माण हो रहा है। छोटे स्तर पर स्टूडेंट-प्रोजेक्ट फंडिंग, मेकाथॉन और स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा रही हैं। इससे छात्रों में समस्या-समाधान की प्रवृत्ति, टीम-वर्क और वास्तविक दुनिया की नौकरी योग्य क्षमताएँ विकसित होती हैं। इसके साथ ही, उच्च शिक्षा संस्थानों में रिसर्च को स्थानीय मुद्दों जैसे जल संकट, सूखा-प्रबंधन और पारंपरिक जल संरचनाओं की आधुनिक व्याख्या पर केंद्रित किया जा रहा है।

वित्तीय और नीतिगत समर्थन का भी विशेष प्रावधान इस मॉडल में है। शिक्षा के नवाचारों के लिए अनुदान, निजी-सरकारी भागीदारी और सीएसआर फंड का उपयोग कर विशेष परियोजनाएँ चालू की जा रही हैं। यह मॉडल केवल उपरोक्त नीतियों तक सीमित नहीं है बल्कि एक लचीला फ्रेमवर्क देता है जिसे समय-समय पर स्थानीय आवश्यकताओं और तकनीकी प्रगति के अनुसार अनुकूलित किया जा सकता है। सफलता का आकलन अब केवल परीक्षाफल से नहीं बल्कि व्यावसायिक सफलता, सामुदायिक परिवर्तन तथा पर्यावरणीय संकेतकों के आधार पर भी किया जाता है।

हालांकि चुनौतियाँ अभी भी कम नहीं हैं। शिक्षकों की कमी, दूरदराज़ इलाकों में बुनियादी ढांचे की कमी, तथा सामाजिक मान्यताएँ जो कुछ समुदायों में लड़कियों की पढ़ाई पर प्रभाव डालती हैं- ये बाधाएँ बनी हुई हैं। इन चुनौतियों का सामना केवल शिक्षा नीति से नहीं बल्कि समग्र सामाजिक परिवर्तन, सामुदायिक जागरूकता और दीर्घकालिक निवेश से किया जा सकता है। इसी कारण शिक्षा के नए मॉडल में सरकार, स्थानीय समुदाय, गैर-सरकारी संस्थाएँ और निजी क्षेत्र-सभी भागीदारों की सक्रिय सहभागिता अनिवार्य मानी गई है।

राजस्थान का नया शिक्षा मॉडल एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है जो वैश्विक मानकों के साथ स्थानीय संवेदनशीलता का संयोजन करता है। यह मॉडल कौशल आधारित, बहुभाषिक, तकनीक समर्थित और सांस्कृतिक रूप से समावेशी है। यदि इसे सजीव रूप में लागू किया जाए अर्थात् नीतिगत समर्थन, समुदायिक भागीदारी और सतत निवेश के साथ तो यह न केवल शैक्षिक सुधार लाएगा बल्कि सामाजिक और आर्थिक पुनरुत्थान का भी मार्ग प्रशस्त करेगा। राजस्थान की युवा पीढ़ी, जो अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी और वैश्विक क्षितिजों के लिए तैयार होगी, निश्चय ही राज्य को एक नया, सशक्त और आत्मनिर्भर भविष्य दे सकती है।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

यह परीक्षा है या युद्ध ?

राजेन्द्र भाणावत

मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए 3 मई, 2026 को आयोजित नीट परीक्षा, पेपर लीक होने के कारण निरस्त कर दी गई थी। अब यह पुनः 21 जून 2026 को आयोजित होने जा रही है। इस परीक्षा की तैयारी के समाचार, जिस प्रकार से मीडिया में आ रहे हैं, उससे तो ऐसा लगता है कि यह परीक्षा नहीं अपितु युद्ध की तैयारी हो रही है।

यह कहा गया है कि प्रधानमंत्री कार्यालय 21 जून को होने वाले नीट की मॉनिटरिंग अपने स्तर पर कर रहा है, जबकि इसे आयोजित करने की पूरी जिम्मेदारी एन टी ए की है। एन टी ए का तो गठन ही इस प्रकार की परीक्षाओं के आयोजन के लिए 2019 में किया गया था। क्या एक परीक्षा की मॉनिटरिंग के अलावा प्रधानमंत्री कार्यालय के पास और कोई महत्वपूर्ण कार्य नहीं है? पूरे देश में संचार के प्रमुख साधन 'टेलीग्राम' पर 22 जून तक प्रतिबंध लगा दिया गया है। नीट के प्रश्न पत्रों को विभिन्न केंद्रों तक पहुंचाने के लिए वायु सेना के वायुयानों और हेलीकॉप्टरों द्वारा 200 से अधिक उड़ानें भरी गई हैं। इन पर कितना खर्चा हुआ होगा, इसकी कोई जानकारी नहीं है। इस तरह की तैयारी तो स्वतंत्रता के बाद, शायद किसी भी परीक्षा के लिए नहीं की गई।

प्रश्न पत्रों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए वायु सेना के विमान और हेलीकॉप्टरों का प्रयोग हास्यास्पद है। क्या जाँच में कहीं पर यह सिद्ध हुआ है कि पेपर, परिवहन के दौरान लीक हुए थे? पेपर लीक की घटना को रोकने के बारे में आवश्यक प्रभावी कार्यवाही तभी संभव है जब यह पता किया जा सके कि पेपर लीक किसके स्तर पर हुआ? मजे की बात तो यह है कि एन टी ए तो पेपर लीक होना ही नहीं मान रहा है। फिर क्यों पहली परीक्षा निरस्त करके दोबारा कराई जा रही है? क्या यह 22 लाख छात्रों के साथ मजाक नहीं है? नीट के पेपर, 2024 में भी लीक हुए थे और कई व्यक्तियों की गिरफ्तारी हुई थी। आज वे सभी जमानत पर हैं और शायद पुनः उसी काम में लग गए होंगे। इसी प्रकार 2025 के नीट पेपर भी लीक हुए थे लेकिन उसके ज्यादा समाचार नहीं आए। बाद में पता लगा कि कुछ व्यक्तियों को पेपर मिले थे और उसके आधार पर, अयोग्य होते हुए भी उनका चयन हो गया था। आज वे सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई कर रहे हैं।

पेपर लीक की घटनाएं बार-बार होने का प्रमुख कारण ही यह है कि इसके कारणों का सही पता नहीं लगाया जाता। इसी कारण, इसे रोकने के लिए कोई कार्रवाई भी नहीं हो पाती है। पेपर लीक गंभीर अपराध है और उसके साथ विद्यार्थियों का भविष्य जुड़ा है फिर भी इसमें लिप्त लोगों पर कठोर कार्यवाही न होना सरकारी संवेदनहीनता का ही द्योतक है। एक व्यक्ति की हत्या के लिए हत्यारे को आजीवन कारावास या फांसी की सजा होती है। नीट के पेपर लीक के कारण हुई लगभग 20 विद्यार्थियों की आत्महत्या की जिम्मेदारी एन टी ए के अधिकारियों की क्यों नहीं मानी जानी चाहिए? सरकार द्वारा ऐसा कुछ करना तो दूर, उसके शिक्षा मंत्री तक को अब तक पद से नहीं हटाया गया है,जबकि इस बारे में आंदोलन लगातार चल रहा है।

केंद्र सरकार, परीक्षा आयोजन को भी एक इवेंट बना रही है। 'टेलीग्राम' बंद करना,वायु सेना के माध्यम से पेपर पहुँचाना और प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा मॉनिटरिंग तथा इसे मीडिया में प्रमुखता से प्रचारित, प्रसारित करना इवेंट आयोजन जैसा ही तो है। समाचार पत्रों के मुखपृष्ठ पर वायुसेना के विमानों द्वारा प्रश्न पत्र ले जाने के फोटो प्रकाशित करना भी इसी का हिस्सा है।

नीट जैसी परीक्षा के पेपर कई व्यक्ति मिलकर तैयार करते हैं किंतु अंतिम प्रश्न पत्र में कौन से प्रश्न होंगे, इसकी जानकारी एन टी ए के ही कुछ अधिकारियों को होती है। एनटीए के अध्यक्ष अभी तक वही बने हुए हैं और पूर्व महानिदेशक को प्रमोशन देकर कहीं और लगा दिया गया है। इसे जवाबदेही का पूर्णतया अभाव ही कहा जाएगा।

वायुसेना के माध्यम से पेपर भेजने का निर्णय कुछ कुछ वैसा ही है, जैसे पानी की पाइपलाइन में लीकेज हो किंतु बिना यह पता लगाए कि लीकेज कहां पर है, उसे ठीक करने का प्रयास किया जाय। गाड़ी के पहिए का पंक्चर होने पर, पहले ठीक करने वाला पानी डालकर यह देखता है कि कहां से पानी के बुलबुले निकल रहे हैं ताकि वह पता लगा सके कि पंचर कहां हुआ है? और फिर, वह उसे मरम्मत करने का कार्य करता है। इतनी साधारण सी बात भी सरकार, नीट की परीक्षा के संबंध में नहीं समझ पा रही है। ऐसा लगता है वह केवल अंधेरे में तीर चला रही है और इसे भी अपने प्रचार का माध्यम बना रही है।

देश में प्रतिवर्ष विभिन्न हजारों परीक्षाओं के लाखों प्रश्न पत्र होते हैं जिनमें करोड़ों विद्यार्थी बैठते हैं। इस प्रकार से वायु सेना का उपयोग यदि प्रश्न पत्र ले जाने के लिए किया गया तो कितनी परीक्षाओं में ऐसा किया जा सकेगा? छात्र के लिए प्रत्येक परीक्षा महत्वपूर्ण होती है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि उपयुक्त विश्वसनीय व्यक्तियों को परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं में लगाया जाए। उनकी ईमानदारी पर किसी प्रकार का संदेह न हो। विमानों द्वारा प्रश्न पत्र ले जाना किसी पेड़ के पत्तों को तोड़ने जैसा है जिसका कोई लाभ नहीं है। समस्या हल करने के लिए समस्या की जड़ पर प्रहार करना आवश्यक है।

सार्वजनिक रूप से सरकार को यह बताना चाहिए कि 2024 में प्रश्न पत्र लीक करने के लिए जिम्मेदार कौन थे और उन्हें अब तक सजा क्यों नहीं हुई? इसी प्रकार नीट 2026 के लिए यह बताना आवश्यक है कि किस स्तर पर पेपर लीक हुए? एन टी ए अध्यक्ष और शिक्षा मंत्री के अपने पद पर बने रहते हुए इसकी कोई निष्पक्ष जांच हो पाएगी, यह संभव नहीं है। टेलीग्राम जैसे प्रमुख संचार माध्यम को प्रतिबंधित करना युद्ध के समय उठाए गए कदम जैसा है। इस कारण लाखों लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। सरकार जब भी इंटरनेट की सेवा प्रतिबंधित करती है तो पूरे क्षेत्र में किस प्रकार सामान्य गतिविधियां ठप्प हो जाती हैं, इसका अंदाजा नागरिकों को है। केवल परीक्षा आयोजन के लिए टेलीग्राम जैसे महत्वपूर्ण साधन को प्रतिबंधित कर देना नितांत अनुचित है। सरकार को शायद इस बात का भी पता है कि आज के युवा पेपर लीक के कई वैकल्पिक तरीके अपना सकते हैं। तो फिर, इस प्रतिबंध का कोई अर्थ भी नहीं रह जाता। जैसे मोबाइल इंटरनेट को बंद करने पर, वाई-फाई तो चालू रहता ही है। मोबाइल इंटरनेट को बंद करने से परेशानी होती है किंतु इसका कोई विशेष लाभ प्रतिबंध लगाने वालों को नहीं होता है। टेलीग्राम कंपनी, प्रतिबंध के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में गई अवश्य है किंतु अब तक उसे कोई राहत नहीं मिली है। टेलीग्राम को पूरे देश में बंद करना लगभग वैसा ही है जैसे यदि सड़क पर एक एक्सीडेंट हो, तो सड़कों का उपयोग ही बंद कर दिया जाए अथवा किसी के बालों में जूं पड़ जाए तो पूरा सिर ही काट दिया जाए।

यदि प्रधानमंत्री कार्यालय एक परीक्षा की निगरानी जैसे रूटीन के काम में लग जाएगा तो देश का संचालन कौन करेगा? जो काम बिल्कुल साधारण प्रकृति का है उसे इतना बढ़ा-चढ़ा कर बता दिया गया है जैसे परीक्षा कराना असंभव सा कार्य हो गया है। हमारे पड़ोसी देश चीन में लगभग 1-2 करोड़ विद्यार्थी प्रतिवर्ष परीक्षा में बैठते हैं और वहां गत 20 सालों में कोई पेपर कभी लीक नहीं हुआ। कारण स्पष्ट है, वहां डर इतना है कि एक बार इस प्रकार की घटना होने पर संबंधित व्यक्तियों को फांसी तक हो सकती है।

नीट की परीक्षा दुबारा कराने के लिए सरकार ने जो कदम उठाए हैं, उन्हें मीडिया में तो बहुत स्थान मिल सकता है, किंतु यह नीट की परीक्षा कराने का कोई सही तरीका नहीं कहा जा सकता। यह परिपाटी उचित भी नहीं है। जिसका जो काम है, वह उसे सही तरह करे, यह आवश्यक है। एन टी ए और शिक्षा मंत्रालय का काम यदि प्रधानमंत्री कार्यालय करेगा तो फिर शिक्षा मंत्रालय की आवश्यकता ही क्या है?

नीट के पेपर आउट होने पर कई विद्यार्थियों ने आत्महत्या की है और अनेक छात्र मानसिक अवसाद में चले गए हैं। उसे देखते हुए, पूरी शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था पर ही पुनर्विचार की आवश्यकता है। क्यों किसी विद्यार्थी के भविष्य का निर्धारण केवल 3 घंटे की परीक्षा से कर दिया जाता है? क्या उन्हें विभिन्न प्रकार के अन्य वैकल्पिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर सरकार विचार नहीं कर सकती ताकि वह जीवन के अमूल्य तीन-चार वर्ष केवल एक परीक्षा पर न लगा दें, और उसमें असफल होने पर अपने जीवन का अंत ही कर लें? जीवन अमूल्य है और इसकी रक्षा करना सर्वोपरि प्राथमिकता है, परिवार के लिए भी और सरकार के लिए भी।

आशा है सरकार परीक्षाओं के आयोजन के साथ ही शिक्षा और रोजगार की पूरी व्यवस्था पर गंभीरता से पुनरावलोकन करेगी और आवश्यक कदम उठाएगी ताकि जिस प्रकार की स्थिति नीट परीक्षा के पेपर आउट होने से हुई है वैसी स्थिति देश में उत्पन्न न हो और युवाओं के जीवन के साथ खिलवाड़ होने से बच सके।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

क्या भारत भविष्य के 'वाटर इमरजेंसी' की ओर बढ़ रहा है?

राम शर्मा

जल जीवन का आधार है। मानव सभ्यता का विकास नदियों के किनारे हुआ और आज भी किसी देश की समृद्धि का एक महत्वपूर्ण आधार उसके जल संसाधन हैं। लेकिन 21वीं सदी में दुनिया जिस सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है, उनमें जल संकट प्रमुख है। भारत भी इस चुनौती से अछूता नहीं है। देश की बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, जलवायु परिवर्तन और भूजल के अंधाधुंध दोहन ने जल संकट को गंभीर बना दिया है। आज यह प्रश्न प्रासंगिक हो गया है कि क्या भारत भविष्य में किसी 'वाटर इमरजेंसी' की ओर बढ़ रहा है?

भारत विश्व की लगभग 18 प्रतिशत आबादी का घर है, जबकि उसके पास विश्व के केवल 4 प्रतिशत मीठे जल संसाधन हैं। यह असंतुलन अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या वृद्धि और औद्योगीकरण के कारण जल की मांग लगातार बढ़ी है, लेकिन जल संसाधनों का विस्तार उसी अनुपात में नहीं हो पाया। परिणामस्वरूप कई क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता तेजी से घट रही है।

देश के अनेक शहर पहले ही जल संकट की गंभीर स्थिति का सामना कर चुके हैं। कुछ वर्ष पहले दक्षिण भारत के प्रमुख महानगरों में से एक, बंगलुरू को भीषण जल संकट का सामना करना पड़ा था। कई इलाकों में टैंकरों के सहारे पानी की आपूर्ति करनी पड़ी। इसी प्रकार चेन्नई, दिल्ली और अन्य महानगरों में भी समय-समय पर जल संकट की स्थिति उत्पन्न होती रही है। यह संकेत है कि समस्या अब केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं रही, बल्कि शहरी भारत भी इसकी चपेट में आ रहा है। जल संकट के पीछे सबसे बड़ा कारण भूजल का अत्यधिक दोहन है। भारत दुनिया में भूजल का सबसे बड़ा उपभोक्ता माना जाता है। कृषि, घरेलू उपयोग और उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए लाखों ट्यूबवेल और बोरवेल लगातार जमीन से पानी निकाल रहे हैं। कई राज्यों में भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा चुका है। राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, गुजरात और उत्तर प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में भूजल का स्तर वर्ष दर वर्ष गिरता जा रहा है। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में पेयजल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बन सकती है।

जलवायु परिवर्तन ने इस संकट को और जटिल बना दिया है। पहले जहां मानसून अपेक्षाकृत नियमित रहता था, वहीं अब वर्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा हो रही है तो कहीं लंबे समय तक सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है। कई क्षेत्रों में कुछ दिनों की भारी बारिश पूरे वर्ष की औसत वर्षा को पूरा कर देती है, लेकिन उसका अधिकांश जल बहकर समुद्र में चला जाता है। इससे भूजल पुनर्भरण की प्रक्रिया प्रभावित होती है और जल संकट गहराता है।

भारत में जल प्रबंधन की कमजोर व्यवस्था भी चिंता का विषय है। आज भी वर्षा जल का बड़ा हिस्सा संरक्षित नहीं किया जाता। जल संरक्षण की योजनाएं कई बार कागजों तक सीमित रह जाती हैं। शहरों में तालाब, झीलें और पारंपरिक जल स्त्रोत लगातार समाप्त होते जा रहे हैं। जिन जलाशयों ने सदियों तक समाज की जल आवश्यकताओं को पूरा किया, वे अतिक्रमण और उपेक्षा का शिकार हो गए हैं। कृषि क्षेत्र में भी जल का उपयोग अत्यधिक और कई बार अनियोजित तरीके से होता है। भारत में उपलब्ध मीठे जल का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा कृषि में उपयोग किया जाता है। अनेक क्षेत्रों में ऐसी फसलें उगाई जाती हैं जिन्हें अत्यधिक पानी की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, कम वर्षा वाले क्षेत्रों में धान और गन्ने जैसी फसलों की खेती भूजल पर भारी दबाव डालती है। यदि कृषि पद्धतियों में सुधार नहीं किया गया तो भविष्य में जल संकट और गंभीर हो सकता है।

शहरीकरण भी जल संकट को बढ़ा रहा है। तेजी से फैलते शहरों में कंक्रीट का विस्तार हो रहा है, जिससे वर्षा जल जमीन में समाहित नहीं हो पाता। इसके अलावा पाइपलाइन लीकेज और खराब वितरण प्रणाली के कारण बड़ी मात्रा में पानी बर्बाद हो जाता है। कई शहरों में प्रतिदिन लाखों लीटर पानी रिसाव के कारण नष्ट हो जाता है। यह स्थिति तब और चिंताजनक हो जाती है जब लाखों लोगों को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध नहीं हो पाता। जल संकट का सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। कृषि उत्पादन में कमी, उद्योगों की उत्पादन क्षमता पर असर और ऊर्जा क्षेत्र में चुनौतियां आर्थिक विकास को प्रभावित कर सकती हैं। जल की कमी से खाद्य सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती है, जिससे महंगाई बढ़ने की संभावना रहती है। इसके अतिरिक्त पानी को लेकर सामाजिक तनाव और क्षेत्रीय विवाद भी बढ़ सकते हैं।

हाल के वर्षों में वैश्विक स्तर पर बढ़ते तापमान और चरम मौसमीय घटनाओं ने जल संकट को और गंभीर बना दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दशकों में जल की उपलब्धता भारत के विकास के लिए सबसे बड़ी बाधाओं में से एक बन सकती है। यह स्थिति केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट का रूप भी ले सकती है। हालांकि स्थिति पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। भारत के पास इस चुनौती से निपटने के पर्याप्त अवसर भी हैं। सबसे पहले जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देना होगा। वर्षा जल संचयन को प्रत्येक घर, विद्यालय, उद्योग और सरकारी भवन में अनिवार्य बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास आवश्यक हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तालाबों, बावड़ियों और पारंपरिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

कृषि क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों जैसे ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा देना होगा। इससे पानी की बचत होगी और कृषि उत्पादकता भी बढ़ेगी। किसानों को कम पानी वाली फसलों की ओर प्रोत्साहित करना भी समय की आवश्यकता है। साथ ही जल के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ानी होगी। शहरी क्षेत्रों में जल पुनर्चक्रण और अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग को बढ़ावा देना होगा। विकसित देशों की तरह उपचारित जल का उपयोग उद्योगों, उद्यानों और अन्य गैर-पेय कार्यों में किया जा सकता है। इससे मीठे जल पर दबाव कम होगा। साथ ही नगर निकायों को जल वितरण प्रणाली में सुधार कर रिसाव को न्यूनतम करना होगा।

अंततः यह स्पष्ट है कि भारत जल संकट की चुनौती का सामना कर रहा है और यदि वर्तमान प्रवृत्तियां जारी रहीं तो भविष्य में 'वाटर इमरजेंसी' जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। लेकिन यह संकट अपरिहार्य नहीं है। दूरदर्शी नीतियों, प्रभावी जल प्रबंधन, तकनीकी नवाचार और जनभागीदारी के माध्यम से इस चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है। जल संरक्षण को केवल सरकारी जिम्मेदारी मानने के बजाय प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य बनाना होगा। यदि आज हम पानी की प्रत्येक बूंद का महत्व समझ लें, तो आने वाली पीढ़ियों को जल संकट की भयावह स्थिति का सामना नहीं करना पड़ेगा। जल है तो कल है, और भारत का भविष्य भी जल सुरक्षा पर ही निर्भर करता है।

–राम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

ग्रामीण सेवा शिविर बना जनकल्याण का केंद्र

मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना से कोयली देवी व बर्फी देवी को मिली राहत

पावटा, (निसं)। पावटा तहसील के ग्राम प्रेमनगर एवं ब्लॉक विराटनगर की ग्राम पंचायत छीतोली में शुक्रवार को आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। शिविर का आयोजन विधायक कुलदीप धनकड़ के मुख्य आतिथ्य एवं विराटनगर उपखंड अधिकारी कपिल कुमार व पावटा उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा के निर्देशन में हुआ।

शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान किया तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। शिविर के दौरान ग्राम पंचायत छीतोली में कई प्रकरणों का निस्तारण किया गया। वहीं शिविर में सफलता की कहानी लिखते हुए ग्राम जादू का बास निवासी कोयली देवी पत्नी महेश गुर्जर को ग्रामीण सेवा शिविर में मुख्यमंत्री मंगल पशु बीमा योजना के तहत निःशुल्क बीमा पॉलिसी प्रदान की गई। कोयली देवी ने बताया कि पहले पशुओं का बीमा कराने के लिए भारी प्रीमियम राशि जमा करवानी पड़ती थी, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ जाता था। लेकिन अब राज्य सरकार की इस योजना से उन्हें बिना किसी शुल्क के बीमा सुविधा मिली है। उन्होंने सरकार एवं पशुपालन विभाग का आभार जताते हुए अन्य पशुपालकों से भी योजना का लाभ लेने की अपील की।

वहीं पावटा तहसील के ग्राम प्रेमनगर निवासी बर्फी देवी की कहानी भी सरकारी योजनाओं की सफलता को दर्शाती है। बर्फी देवी के लिए पशुपालन आजीविका का प्रमुख साधन है, लेकिन पहले पशुओं के बीमार होने और उपचार पर होने वाले खर्च से उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। मुख्यमंत्री मंगल पशु बीमा योजना के अंतर्गत पशुओं का बीमा होने से उन्हें आर्थिक सुरक्षा का भरोसा मिला। इन शिविरों में पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। कोयली देवी और बर्फी देवी जैसी सफलता की कहानियां इस बात का प्रमाण हैं कि सरकारी योजनाओं का सही लाभ मिलने पर ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 20 जून, 2026

द्वितीय ज्येष्ठ मास (शुद्ध), शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, मघा नक्षत्र प्रातः 9:26 तक, वज्र योग दिन 12:48 तक, तैतिल करण दिन 3:47 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-कर्क, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग दिन 9:26 तक है। आज अरण्य षष्ठि व्रत, विन्ध्यवासिनी पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:20 से 9:03 तक, चर 12:28 से 2:11 तक, लाभ अमृत 2:11 से 5:36 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:19

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी और व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

सिंह
मानसिक तनाव दूर होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। आजल घर-परिवार में अनावश्यक धन खर्च होगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

तुला
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मीन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

12 माल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का
हार्दिक आभार

राजस्थान को एक और बड़ी सौगात

राजस्थान को यमुना जल मिलने का मार्ग प्रशस्त

30 वर्षों से प्रतीक्षारत पेयजल और
सिंचाई की जरूरत होगी पूरी

₹34,106 करोड़
की महत्वाकांक्षी परियोजना

वर्ष पर्यन्त जल उपलब्धता की दिशा में

राजस्थान के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि

यमुना जल का प्रमुख घटक

किशाऊ बहुउद्देश्यीय
बाँध परियोजना

75 लाख आबादी को मिलेगा लाभ

यमुना जल समझौते से शेखावाटी क्षेत्र के सीकर, झुंझुनूं और
चूरू जिलों एवं अन्य क्षेत्रों को मिलेगा भरपूर पानी

"राजस्थान के लिए जल से जुड़ी इस महत्वपूर्ण परियोजना को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में समय पर पूरा करने की प्रतिबद्धता के लिए गृह मंत्री श्री अमित शाह जी एवं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल जी का हार्दिक अभिनंदन।"

— भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में एक माह से भर्ती एक प्रसूता की मौत

सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूता की किडनी फेल हो गई थी

- हालत गंभीर होने पर पिछले 20 दिन से वेंटिलेटर पर थी महिला, किडनी फेल होने के साथ लिवर भी डैमेज हो गया था
- अस्पताल अधीक्षक के अनुसार प्रथमदृष्टया मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर महिला की मौत का कारण माना जा रहा है

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम हॉस्पिटल में शुक्रवार को एक प्रसूता की मौत हो गई। हॉस्पिटल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद 6 महिलाओं की किडनी फेल हो गई थी। इनमें एक महीने से हॉस्पिटल में भर्ती सूरतगढ़ की रहने वाली प्रीति (20) पत्नी कमल नायक की हालत गंभीर थी।

जानकारी के अनुसार, डिलीवरी के बाद प्रीति की तबीयत लगातार बिगड़ती गई। उसकी किडनी फेल हो गई थी। बाद में लिवर भी डैमेज हो गया। पिछले कुछ दिनों से उसके दिमाग तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच रही थी। हालत गंभीर होने पर वह पिछले 20 दिन से वेंटिलेटर पर थी। अस्पताल अधीक्षक डॉ. बी.सी. घीया के अनुसार, प्रथमदृष्टया मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर महिला की मौत का कारण माना जा रहा है। किडनी के बाद अन्य अंगों ने भी काम करना बंद कर दिया। इसके कारण इलाज के दौरान शुक्रवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे उसकी मौत हो गई।

गौरतलब है कि पीबीएम हॉस्पिटल में प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ने और किडनी फेल होने के मामले को लेकर पिछले दिनों काफी विवाद भी हुआ था। फिलहाल हॉस्पिटल में तीन प्रसूताओं का इलाज चल रहा है। पीबीएम हॉस्पिटल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद एक-एक कर 6 महिलाओं की किडनी फेल हो गई थी। हालात इतने बिगड़े कि प्रसूताओं की कई बार डायलिसिस की गई। सभी को आईसीयू में शिफ्ट किया गया। इनमें तारा देवी (27) और राहिला (19) को छुट्टी दे दी गई। शारदा (26) वेंटिलेटर पर और इमरती (20) पोस्ट कोविड आईसीयू में भर्ती है। कमला का मेडिसिन आईसीयू में इलाज जारी है। प्रीति की शुक्रवार दोपहर मौत हो गई।

हॉस्पिटल सुपरिटेंडेंट के अनुसार, सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूताओं को बाजार से मंगवाए ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन लगाए थे। इसके बाद ही महिलाओं की तबीयत बिगड़ती गई। मामले में राज्य सरकार के स्तर पर 2 जांच कमेटी भी बनाई गई है, जिसमें जोधपुर मेडिकल कॉलेज की टीम पीबीएम हॉस्पिटल में 24 घंटे में जांच पूरी कर उसी दिन लौट गई। वहीं ड्रग कंट्रोलर की कमेटी कई बिंदुओं पर जांच कर रही है।

मामले में पीबीएम हॉस्पिटल के सुपरिटेंडेंट का दावा है कि डॉक्टर्स व स्टाफ की तरफ से मामले में लापरवाही नहीं बरती गई। प्रसूताओं को प्रॉपर इलाज दिया गया। हालांकि दोनों जांच टीमों की फाइनल रिपोर्ट के बाद ही सरकार के स्तर पर अंतिम फैसला आने की संभावना है।

जोधपुर में तीन बाल श्रमिक मुक्त कराये

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट पुलिस की तरफ से चलाए जा रहे उमंग-7 के तहत तीन बाल श्रमिकों को बालश्रम से मुक्त करवाया गया। गौरतलब है कि जोधपुर में बाल श्रमिकों को मुक्त कराने की कार्रवाई जारी है। कमिश्नरेट के माता का थान और बोरानाडा क्षेत्र से तीन बालश्रमिकों को बालश्रम से मुक्त करवाया गया। बालक वैल्डिंग और हैण्डीक्राफ्ट के कार्य से जुड़े हुए थे। इनके संचालकों के खिलाफ जेजे एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है।

माता का थान पुलिस थाने के एसआई हरखाराम ने नृसिंह प्याउ के पास में युवराज स्टेनलेस स्टील एवं शिवराज वैल्डिंग वर्क्स पर रेड दी। यहां पर एक बालक से श्रम करवाया जा रहा था। बाद में बाल को चाइल्ड हैल्प लाइन के समक्ष पेश किया गया। इसके संचालक खेडीवाला बेरा निवासी प्रवीण के खिलाफ जेजे एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया। इसी तरह बोरानाडा पुलिस ने बुझावड़ रोड बालाजी नगर में गणपति आर्ट पर काम कर रहे बालकों को मुक्त करवाया।

राहुल गांधी और कांग्रेस को कोसने वाले भाजपा नेता के घर पहुंचे अशोक गहलोत

- गहलोत के इस कदम से कांग्रेस का समर्पित कार्यकर्ता काफी आहत हुआ है
- जब पंकज मेहता ने कांग्रेस छोड़ी तो अशोक गहलोत के व्यवहार को लेकर नाराजगी दिखाई थी

कोटा, (निसं)। राहुल गांधी कोटा में छात्रों से संवाद करने के लिए आए थे। इस दौरान प्रदेशभर के नेताओं का जमावड़ा कोटा में था। अशोक गहलोत भी कोटा में रहकर राहुल गांधी के सम्मुख अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में लगे हुए थे। इस बीच वे कोटा का चंबल रिवर फ्रंट भी देखने रात के समय पहुंच गए। चंबल रिवर फ्रंट का भ्रमण करने के बाद वापस पैदल लौट रहे थे तो रास्ते में ही भाजपा के उन नेता जो कभी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष, विधानसभा में कांग्रेस के प्रत्याशी, कांग्रेस सरकार में खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के उपाध्यक्ष, कांग्रेस में विभिन्न पदों पर रह चुके थे और सबसे बड़ी बात जिन्हें कोटा में अशोक गहलोत का सबसे करीबी नेता माना जाता था उनकी गली में देर रात पहुंच गए।

गली में पहुंचते ही उन्हें बताया गया कि यह पंकज मेहता का मकान है, तो गहलोत ने फोन करके पंकज मेहता को नीचे बुला लिया। मेहता भी अचंभित रह गए और नाइट ड्रेस में ही अशोक गहलोत से मिलने अपने घर के नीचे गली में आ गए। बाद में गहलोत और मेहता की मुलाकात की यह तस्वीर वायरल हो गई जो राजनीतिक चर्चा का केंद्र बन गई। मजेदार बात यह है कि राहुल गांधी के दौरे को लेकर पंकज मेहता काफी आक्रामक थे और कांग्रेस का समर्पित कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर लगातार काउंटर अटैक कर रहा था। अब जब यह तस्वीर सामने आई तो कांग्रेस का समर्पित कार्यकर्ता हतोत्साहित नजर आ रहा है।

गहलोत का राजनीतिक कद राजस्थान में काफी बड़ा है, इस कारण से कोई नेता या कार्यकर्ता खुलकर उनके इस कदम की निंदा तो नहीं कर रहा परंतु दबी जुबान से यह कहने पर भी नहीं चूक रहा कि गहलोत ने ऐसा करके समर्पित कार्यकर्ता के सम्मान को ठेस पहुंचाई है। ज्ञात रहे कि पंकज मेहता कोटा के वह नेता है, जिन्होंने वर्षों तक कांग्रेस में रहकर कांग्रेस को मजबूत करने का काम किया था। लेकिन गत विधानसभा चुनाव में अशोक गहलोत से नाराजगी के चलते उन्होंने कांग्रेस का हाथ छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया था। जब पंकज मेहता ने कांग्रेस छोड़ी तब उन्होंने स्पष्ट रूप से अशोक गहलोत के व्यवहार को लेकर खासा नाराजगी जाहिर की थी। अब भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता हैं और अपने कार्य को बखूबी अंजाम दे रहे हैं।

मासूम बच्ची की हत्या की दोषी मां और प्रेमी को आजीवन कारावास

- कोर्ट ने कहा कि जब बच्चा अपनी मां के पास सुरक्षित नहीं तो कहां सुरक्षित रहेंगे, इस तरह की महिलाएं मां के नाम पर कलंक है, इन्हें समाज में स्वतंत्र रहने का अधिकार नहीं है

कोटा, (निसं)। मासूम बच्ची की हत्या व साक्ष्य छिपाने के करीब पांच साल से अधिक पुराने मामले में न्यायालय अपर सेशन न्यायाधीश क्रम-2 ने सुनवाई करते हुए हत्या के आरोप में पकड़ी गई उसकी मां व उसके प्रेमी को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

एडीजे क्रम-2 की पीठासीन अधिकारी सरिता धाकड़ ने मामले में सुनवाई करते हुए आरोपी मां टीना उर्फ पुष्पा व उसके प्रेमी प्रहलाद सहाय को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। साथ ही 30-30 हजार के अर्थदंड से दंडित किया। अपर लोक अभियोजक भारत सिंह आसावत ने बताया कि 16 दिसंबर 2020 को परिवादी सुमित यादव ने बूढ़ादीत थाने में रिपोर्ट दी। परिवादी ने रिपोर्ट में कहा कि 11 नवम्बर 2020 को वह काम पर गया था, घर में उसकी पत्नी टीना उर्फ पुष्पा, चार वर्षीय पुत्री नंदनी व उसकी मां रह गई और उसकी मां सगुनाबाई नरेगा में काम के लिये चली गई तो उसकी पत्नी टीना उर्फ पुष्पा उसकी बेटी नंदनी को लेकर बिना बताये घर से कहीं चली गई, काफी तलाश करने पर भी मां और बेटी को कोई पता नहीं चल रहा। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर दोनों की तलाश की। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए वर्ष 2021 में टीना उर्फ पुष्पा को जयपुर से दस्तयाब किया। पुलिस जांच में सामने आया कि वर्ष 2020 में टीना उर्फ पुष्पा का फोन गलती से प्रहलाद सहाय को लग गया, लेकिन बाद में दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत होने लगी थी। जिसके बाद टीना अपनी मासूम बेटी नंदनी को लेकर प्रहलाद के कहने पर जयपुर पहुंच गई, जहां से प्रहलाद उसे अपने घर ले गया, बाद में टीना ने प्रहलाद से शादी करने की जानकारी अपने पिता को भी दी।

पुलिस जांच व अनुसंधान में सामने आया कि 9 दिसम्बर 2020 को जयपुर में उसकी बच्ची नंदनी घर की छत पर खेल रही थी और खेलते समय सीढ़ियों से गिर गई, बच्ची को अस्पताल में दिखाया तो डॉक्टर ने बच्ची के गंभीर चोट होने पर उसे बड़े अस्पताल में दिखाने को बोला। पुलिस जांच में सामने आया कि प्रेमी प्रहलाद सहाय बच्ची के इलाज में ज्यादा रूपये खर्च नहीं करना चाहता था और बच्ची की मां टीना ने प्रेमी प्रहलाद सहाय के कहने पर दोनों ने मिलकर शॉल से मासूम का मुंह दबाकर उसकी निर्मम हत्या कर दी और मासूम के शव को माधोगढ़ की पुलिया से पहले रोड के नीचे नाले में फेंक दिया। पुलिस को जांच के दौरान बालिका के मौजे, शॉल और कपाल की हड्डी के दो टुकड़े मिले थे, उनकी डीएनए जांच कराई गई, जिसमें सामने आया कि शव नंदिनी का है। पुलिस ने कार्यवाही कर टीना उर्फ पुष्पा व उसके प्रेमी प्रहलाद सहाय दोनों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामले में अनुसंधान कर आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया गया, मामले में 13 गवाहों के बयान 52 दस्तावेज पेश किये।

कोर्ट की टिप्पणी :- मासूम बच्ची की हत्या के मामले में न्यायालय ने कहा कि आरोपी महिला टीना उर्फ पुष्पा ने मातृत्व को शर्मशार किया है, एक मां द्वारा ही मासूम बच्ची को मारकर प्रेमी के साथ मिलकर शव फेंक दिया। जब बच्चा अपनी मां के पास सुरक्षित नहीं तो कहां सुरक्षित रहेंगे। इस तरह की महिलाएं मां के नाम पर कलंक व धब्बा है जो मां कहलाने के लायक नहीं है, इन्हे समाज में स्वतंत्र रहने का अधिकार नहीं है।

फिल्म प्रोड्यूसर अमित ज्याणी को धमकी मिली

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान के चर्चित काला हिरण शिकार मामले पर आधारित फिल्म काला हिरण को लेकर नया विवाद सामने आया है। फिल्म के प्रोड्यूसर अमित ज्याणी को पाकिस्तान नंबरों से जान से मारने की धमकी मिली है। अमित का आरोप है कि मुझे सलमान खान के इशारे पर धमकी दी गई है। इधर, इस पूरे मामले को लेकर अमित ज्याणी ने वीडियो भी जारी किया है।

उन्होंने बताया कि पिछले दो साल से मुझे गला काटने, जान से मारने, घर उड़ाने और पेट्रोल बम से उड़ाने की धमकी मिल रही है। 28 अक्टूबर 2025 को भी मुझे धमकी मिली थी। उदयपुर में भी मुझे बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसकी भी शिकायत मैंने की थी। उन्होंने बताया कि मैं गुरु जम्भेश्वर के दर्शन करने गया था। सलमान खान हमारे खिलाफ हाईकोर्ट में है। जैसे ही मैं जोधपुर पहुंचा तो शहजाद भट्टी ने मुझे कॉल किया और मैसेज करते हुए मुझे 'काला हिरण' प्रोजेक्ट को छोड़ने की बात कही। धमकी देते हुए कहा कि प्रोजेक्ट से हट जाओ, हमारे हाथ बहुत लंबे हैं। जब मैंने कहा कि मैं तुम्हें नहीं जानता, उसने मुझे अपनी पुरानी खबरों के लिंक भेजे। हथियारों के साथ फोटो भेजते हुए कहा कि ये हमारे घर पर रहते हैं।

अमित ने कहा कि मैंने बताया कि मैं किसी गैंग का हिस्सा नहीं हूं। सभी आतंकवादियों पर फिल्म बना रहे हैं। मैं बहारों फूल बरसाओ गाने नहीं लिख सकता हूं। कुछ-कुछ होता है, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे.. ऐसी फिल्म नहीं बना सकता। मेरा सब्जेक्ट ये ही है। मैं आतंकवादी और लॉरेंस बिश्नोई गैंग का मेंबर नहीं हूं। मैं भारत देश का नागरिक हूं। शहजाद भट्टी घोषित आतंकवादी है।

थानाधिकारी दिनेश लखावत ने बताया कि अमित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

अजमेर के एक व्यक्ति से 7.22 लाख की ठगी

अजमेर, (निसं)। अजमेर में सायबर ठगी का एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें ऑनलाइन धमकी और भय का माहौल बनाकर एक व्यक्ति से 7 लाख 22 हजार 350 रुपए की ठगी कर ली गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद सायबर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सायबर थाना प्रभारी प्रहलाद सहाय ने बताया कि पीड़ित लक्ष्मी नारायण ने शिकायत में बताया कि अज्ञात सायबर ठगों ने ऑनलाइन संपर्क कर उन्हें डराया-धमकाया और विभिन्न माध्यमों से उनके खाते से 7 लाख 22 हजार 350 रुपए की राशि ठग ली। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने राष्ट्रीय सायबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर सायबर पुलिस थाना एटीएस-एसओजी, जयपुर' में जीरो एफआईआर दर्ज की गई। प्रकरण राजस्थान क्षेत्राधिकार से संबंधित होने के कारण जीरो एफआईआर को आगे की कार्रवाई के लिए सायबर अपराध थाना, अजमेर भेज दिया गया। इसके बाद सायबर थाना अजमेर ने मुकदमा दर्ज कर लिया और आरोपियों की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए जांच शुरू कर दी है।

जोधपुर में उत्तराखंड के युवाओं की एसयूवी पलटी, एक की मौत

- अन्य साथी घायल, गाड़ी के सामने नील गाय आने से हुआ हादसा

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती झंवर स्थित चिरायों की ढाणी के पास एसयूवी पलटी खाने से एक युवक की मौत हो गई और उसके कुछ साथी घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि एसयूवी में सवार लोग उत्तराखंड के हैं और वे लोग नागाणा माताजी मंदिर के दर्शन कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान चिरायों की ढाणी के पास गाड़ी के सामने अचानक से नील गाय आ गई थी। नील गाय को बचाने के चक्कर में एसयूवी कार पलटी खा गई। मामले में झंवर पुलिस की तरफ से कार्रवाई की गई।

झंवर पुलिस ने बताया कि उत्तराखंड के उत्तरकाशी स्थित जोडियाला निवासी विशेष नौटियाल पुत्र राधाकृष्ण की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका चचेरा भाई 31 वर्षीय शुभम नौटियान पुत्र बुद्धिसागर अपने कुछ साथियों संग नागाणा मंदिर दर्शन के लिए गया था। वापसी में यह लोग झंवर के चिरायों की ढाणी से निकल रहे थे। तब उनकी गाड़ी के सामने अचानक से नील गाय आ गई और गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में उसका चचेरा भाई शुभम बुरी तरह घायल हो गया, जिसकी अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। झंवर पुलिस के अनुसार गाड़ी में सवार कुछ अन्य भी चोटिल हुए है। गाड़ी छह सात लोग सवार थे।

रिश्वत लेते तीन गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। एसीबी चौकी भरतपुर इकाई द्वारा शुक्रवार को महिला पर्यवेक्षक क्षमा दहिया, सुनीता मुद्गल आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, राजबाला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है।

एसीबी के महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी भरतपुर को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादिया द्वारा अपनी नौकरी में परेशान न करने व रिश्वत नहीं देने पर नौकरी से निकालने की धमकी देकर आरोपी 50 हजार रूपये रिश्वत की मांग कर परेशान कर रही है। जिस पर महिला एवं बाल विकास विभाग भरतपुर के सूरजपोल सैक्टर की महिला पर्यवेक्षक क्षमा दहिया, सुनीता मुद्गल आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कारे का नगला सैन्टर भरतपुर, राजबाला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता डी ब्लॉक रंजीत नगर भरतपुर को दस हजार रूपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है।

सांभर एसडीएम ने खातेदारों का 60 साल पुराना जमीन बंटवारे का विवाद सुलझाया

- सेवा शिविर में एसडीएम ने राजस्व रिकॉर्ड की जांच कर संबंधित खातेदारों को समझाया, इसके बाद वे सभी राजीनामा के लिए सहमत हो गए

सांभरझील, (निसं)। प्रदेश सरकार की ओर से चलाए जा रहे सेवा शिविर अनेक ग्रामीणों के लिए राहत भरा सिद्ध हो रहा है। शिविर में मौजूद सभी विभागों के अधिकारी ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर समाधान योग्य समस्याओं का मौके पर निस्तारण कर राहत देने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ग्रामीण सेवा शिविर प्रभारी जो कि उपखंड अधिकारी ऋषिराज कपिल है, इस मामले में पूरी तरह मॉनिटरिंग कर समस्याओं का निस्तारण करने में लगातार जुटे हुए हैं।

ग्रामीण सेवा शिविर में एसडीएम ऋषिराज कपिल ने खातेदारों से समझाइश कर मामले को निपटाया।

ऐसा ही है एक मामला जब उपखंड अधिकारी ऋषिराज कपिल के समक्ष ग्राम खेड़ीराम के खातेदारों ने रखा कि उनकी जमीन बंटवारे का मामला पिछले 60 साल से लंबित चल रहा है और इसी विवाद के कारण उनको वास्तविक हक नहीं मिल पा रहा है, वे काफी हैरान और परेशान हैं। खातेदारों की पीड़ा को सुनकर एसडीएम ऋषिराज कपिल ने तत्काल संबंधित पटवारी व गिरदावर को जो कि शिविर में ही मौजूद थे को बुलवाया और उनके राजस्व रिकॉर्ड की जांच कर संबंधित खातेदारों को एक जगह बैठाकर उन्हें समझाया इसके बाद वे सभी राजीनामा के लिए सहमत हो गए और इस प्रकार प्रशासन की पहल पर साठ साल पुराने विवाद का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। बताया गया कि प्रार्थी केशर, डालचंद व मंगला पुत्र अर्जुन गुर्जर ने शिविर में उपस्थित शिविर प्रभारी ऋषिराज कपिल व तहसीलदार सृष्टि जैन, महावीर सिंह अतिरिक्त विकास अधिकारी पंचायत समिति सांभरलेक के समक्ष उपस्थित होकर इस विवाद को रखा। शिविर में ही शिविर प्रभारी द्वारा सभी खातेदारों से आपसी समझाइश कर गिरदवार व हल्का पटवारी को निर्देशित कर बंटवारा सम्बन्धित सम्पूर्ण कार्यवाही संपन्न कर खातेदारों को राहत दी, जिससे शिविर में उपस्थिति ग्रामीणों में खुशी जाहिर की व मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। शिविर के दौरान 200 राजस्व और 67 पंचायतीराज के प्रकरण के अलावा अन्य विभागों के सैकड़ों प्रकरण निस्तारित किए गए।

कार्यालय नगर परिषद गंगापुर सिटी जिला सवाई माधोपुर (राजस्थान)

क्रमांक:– 1740–47 दिनांक:– 10.06.2026

ई–निविदा सूचना.... 2026–27

नगर परिषद गंगापुर सिटी की ओर से राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा सूचना निम्नलिखित बेवसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.gov.in पर से अपलोड एवं डाउनलोड की जा सकती है।

NIB No.- DLB2627A2919

राज.संवाद / सी / 26 / 5199

आयुक्त, नगर परिषद गंगापुर सिटी

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

जोधपुर 342304, राजस्थान, भारत

ई-निविदा 03/2026-27

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा Smart Class, Conference System & CCTV for CoA Baytu की खरीद के लिए ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई थी। विस्तृत विवरण एवं जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UBN NO. : JAU2627GLOB00052

राज.संवाद/सी/26/5252

नियंत्रक (वित्त)

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल

क्षेत्रीय कार्यालय, पता-IPIA ROAD NO.-06, KOTA कोटा (राज.), ई-मेल :rorpcb.kota@gmail.com

क्रमांक :- राप्रनिम/क्षे.का./कोटा/निविदा-623 दिनांक :- 16/06/2026

Notice Inviting Bid

Open Bid No. 01/2026-2027 for Man Power, Interested bidder applies upto 12:00 pm dated 25.06.2026 Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://environment.rajasthan.gov.in/rpcb, http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in of the state and notice board of this office.

UBN: PCB2627SLOB00032, NIB : PCB2627A0032

Raj.Samwad/C/26/5257

Regional Officer

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- जोविप्रा/2026-27/633 दिनांक :- 16/06/2026

ई-निविदा सूचना संख्या- मुख्यालय/13/2026-27

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदक जिनका पंजीयन नियमानुसार पुनरावलोकन (Review) किया हुआ हो, से निर्धारित प्रपत्र मे ई–प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। जो निम्नलिखित दिनांक अनुसार डाउनलोड तथा खोली जायेगी। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. :- JOD2627WSOB00122

राज.संवाद/सी/26/5240

अधिशाषी अभियंता

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड हिण्डौन

क्रमांक- 563-72 दिनांक-12.06.2026

निविदा सूचना संख्या-05/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदकों जो कि राज्य सरकार के एए, ए, बी, सी व डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदाओं से संबंधित विवरण वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in & www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB CODE: PWD2627A1090

UBN NO. 1. PWD2627WSRC04715, 2. PWD2627WSRC04716, 3. PWD2627WSRC04717

DIPR/C/10570/2026

अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड हिण्डौन

कार्यालय नगर परिषद् बाड़मेर (राज.)

E-mail : mbbarmerraj@gmail.com PH. NO. 02982-220098

क्रमांक : एफ–15 / विकास / 2026–27 / 2842 दिनांक : 15.06.2026

ई–निविदा सूचना संख्या – 09/2026–27

नगर परिषद् बाड़मेर की ओर से केन्द्र व राज्य सरकार के विभिन्न विभागों, उपक्रमों, संस्थानों में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान के नवीन नियमों के अन्तर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं मान्यता प्राप्त समकक्ष श्रेणी की फर्मो / ठेकेदारों से 02 निर्माण कार्य के लिये मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है। उक्त निर्माण कार्यो निविदा फार्म दिनांक 17.06.2026 से दिनांक 29.06.2026 तक ऑन लाईन प्राप्त की जाकर दिनांक 30.06.2026 को उपापन समिति के समक्ष खोली जायेगी। निविदा को इलेक्ट्रोनिक फॉरमेट में वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर जमा करानी होगी। उपरोक्त निविदा सूचना के संबंध में समस्त जानकारी / विवरण / शर्तें राज्य सरकार की वेबसाईट https://sppp.rajasthan.gov.in Or http://eproc.rajasthan.gov.in पर भी देखी जा सकती हैं।

NIB Code : DLB2627A3179

राज.संवाद / सी / 26 / 5204

आयुक्त, नगर परिषद, बाड़मेर

कार्यालय नगरपालिका फतहनगर सनवाड जिला उदयपुर (राज.)

क्रमांक :न.पा.फ.स. / 2026–27 / 101 दिनांक :– 16.06.2026

– ई निविदा सूचना –

सूचना संख्या 03/2026–27

नगरपालिका फतहनगर सनवाड़ क्षेत्र के 2 जॉनो के 25 वार्डों में घर–घर कचरा संग्रहण, परिवहन, निस्तारण, आई.ई.सी. व यूजर चार्जेज संग्रहण का कार्य करने के लिए 2 कार्य की कुल राशि 77.00 लाख रूपयें हेतु 1 वर्ष के लिए अनुबंध हेतु ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नगर पालिका फतहनगर सनवाड़ में उपयुक्त श्रेणी संवेदकों से निविदा दिनांक 18.06.2026 से 29.06.2026 तक ऑन लाईन आंमत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित निविदा प्रपत्र http://sppp.rajasthan.gov.in तथा http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है तथा निविदाओं को इस वेबसाइड पर भरी जानी है। निविदा के किसी भी भाग को अथवा निविदा को निरस्त करने का अधिकारी सक्षम प्राधिकारी नगरपालिका फतहनगर सनवाड़ को निहित होगा।

उक्त निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in तथा http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN NO- DLB2627SLRC07926, DLB2627SLRC07927

NIB CODE- DLB2627A3223

राज.संवाद / सी / 26 / 5192

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका फतहनगर सनवाड

Office of the Medical Superintendent

RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur

Address :Sector-11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Tonk Road, Jaipur -302033 (Raj.)

No. :- F. ( ) RUHS HMS/Store/2026-27/3483 Date :- 15/06/2026

Notice Inviting e-Bids

Single Stage Two envelope Online bids (e-bids) are invited upto 02.00 pm of 08-07-2026 for Supply and Installation of following Equipment/Items at Dept. of Obstetrics and Gynecology, RUHS Hospital, Jaipur

Sr. No.	Name of Equipment	Qty.	Total Est. Cost in Rs.
1.	4K Operating Laparoscopic Set	01	85,00,000.00
2.	Digital Video Colposcope	01	10,00,000.00
3.	Diagnostic Hysteroscopy Set with Hysteromat	01	10,00,000.00
4.	Laparoscopy Hand Instruments Set	As per List	6,00,000.00
5.	Laparoscopy Morcellator	01	3,00,000.00
6.	Cryo Cautery Apparatus	01	1,00,000.00
7.	Vacuum Extractor and Suction Machine	02	1,00,000.00

Details may be seen in the Bidding Documents at the Website sppp.raj.nic.in, or eproc.rajasthan.gov.in.

UBN : CMS2627GLOB00019

UBN : CMS2627GSOB00020-25

Raj.Samwad/C/26/5250

Medical Superintendent

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER PHED CITY CIRCLE AJMER

LOHA KHAN TEMPO STAND, AJMER

Telphone no. 145-2970165 Email: address: seajmer@gmail.com

S.No. : SE/Ajmer/City Circle/Ar.City 1/2026-27/2353-56 Date: 08.06.2026

NOTICE INVITING TENDER

(NIT No. 04/2026-27)

Online tenders are hereby invited on behalf of the Governor of Rajasthan for the following works from bidders meeting eligibility as per criteria mentioned in detailed tender document which can be seen and downloaded from website http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.rajasthan.gov.in. The tenders are tobe submitted online in electronic format on website http://eproc.rajasthan.gov.in as per schedule given below:

S. No.	Name of Work	Estimated Cost (Rs. in Lacs)	Bid Security @2% (Rs)	Last date of Submission of tender	Due date for opening
04/ 2026-27	Rate Contract for Removal of Leakage InAC/CI/DI/MS/uPVC/ HDPE Pipeline & inter Connections work in Ajmer City under city division I nad II Ajmer	120.00	2,40,000	22.06.2026	23.06.2026

The fender shall be received online and opened in the office of Superintending Engineer, PHED, City Circle Ajmer. The cost of each tender document is Rs. 2,000/- (Rs. Two Thousand only) by depositing through e-Challan at e-grass System, RISL processing charges of Rs. 2,000/- (Rs. Two Thousand only) for each NIT and Bid securityas mentioned abvoe shall be deposit through e-Challan at e-grass System as described in detailed NIT in tender Document an uploaded online on designated website as above. This tender notification and other details can also be seen in NIT exhibited on web site http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.nic.in from dated 08.06.2026 exhibited on web site http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.nic.in from dated 08.06.2026.

Nit No.	SPP ID NO.	UBN NO.
04/2026-27	PHE2627A0897	PHE2627WSOB01803

DIPR/C/10481/2026

(Ramchandra Rar), Superintending Engineer, PHED, City Circle Ajmer

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.JAIPUR

No.NIT/2026-27/3433-42 **अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 166/2026-27** Date:18.06.2026

निम्नलिखित कार्य के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है-

कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (रू.)
Construction of Major Bridge & Bypass at Sewla Village at Km. 58/100 to 59/700 on Bandh Baretha to Uchain via Kheriya Mod. (Sh-43) UBN: RRC2627WLOB00277	2089.39 Lakh

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट: http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://pwd.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

महाप्रबंधक

कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक करौली (राज.)

केशवपुरा पुलिया मण्डरायल रोड करौली, E-Mail :- adpcsamsakarauli@gmail.com

ई-निविदा सूचना संख्या-04/2026-27

कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा करौली के अधीन संचालित 14 पीएम श्री विद्यालयों (सूची संलग्न) में पूर्व प्राथमिक कक्षाएँ / बाल वाटिकाओ हेतु प्रति विद्यालय 01 एनटीटी / डिप्लोमा ट्रेंड व्यक्ति और 01 सफाईकर्मी की 10 माह की सेवाएँ हेतु (अनुमानित लागत 23.80 लाख रूपये) सेवा प्रदाता के माध्यम से ली जानी है। इस हेतु ई-निविदाएं दिनांक 15.06.2026 समय दोपहर 12.00 बजे से 24.06. 2026 सांय 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा में भाग लेने वाले संवेदकों को निविदा इलैक्ट्रोनिक फार्मेट में वेबसाइट https://eproc.rajasthan.gov.in पर जमा करवानी होगी। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण कार्यालय में कार्यालय समय एव www.eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. : RSE2627SLOB00470

राज.संवाद/सी/26/5264

अति० जिला परियोजना समन्वयक

नगर विकास न्यास, पाली

डाक बंगला परिसर, पाली, फोन नं. 02932-223222, ई मेल – uitpali@gmail.com

क्रमांक :- न्या.पा./विज्ञापन/2026/1488 दिनांक :- 15/06/2026

ई-निविदा सूचना संख्या - 25/2026-27

नगर विकास न्यास, पाली की ओर न्यास / राजकीय विभाग से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन–लाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा न्यास कार्यालय, पाली में कार्य दिवस के दौरान देखी जा सकती है।

यूबीएन नं. :– ITP2627WSOB00028

राज.संवाद/सी/26/5275

अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगर पालिका नदबई (भरतपुर) राज०

Mail Id :- nadbai.jaipur@yahoo.com Ph. No.: 05643-276696

क्रमांक :– न.पा.न. / निर्माण / 2026–27 / 1389 दिनांक : 16.06.2026

BID No. 09/2026-27

नगर पालिका क्षेत्र नदबई में निम्न कार्य करवाये जाने वास्ते राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों में रजिस्टर्ड संवेदकों / फर्म / संस्थाओं के माध्यम से ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जा रही हैं। निविदा प्रपत्र eproc.rajasthan.gov.in पर या SPPP पोर्टल से या किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर प्राप्त किये जा सकते हैं। कार्यों के यू.बी. एन. नम्बर निम्न प्रकार हैं :–

DLB2627GLOB07865, DLB2627GLOB07868

राज.संवाद / सी / 26 / 5180

अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका नदबई

'डॉक्टर और मंत्री कौन?': ए.सी.बी. से जवाब मांगने पहुंचे किरोड़ीलाल मीणा

उन्होंने बीज निगम के तत्कालीन स्वतंत्र निदेशक जुगल किशोर की गिरफ्तारी से जुड़े मामले में दर्ज एफ.आई.आर. को लेकर ए.सी.बी. की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने शुक्रवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय पहुंचकर बीज निगम के तत्कालीन स्वतंत्र निदेशक जुगल किशोर की गिरफ्तारी से जुड़े मामले में दर्ज एफआईआर को लेकर एसीबी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एफआईआर में 'डॉक्टर' और 'मंत्री' शब्दों का उल्लेख किया गया है, जिससे जनता में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। उन्होंने एसीबी से स्पष्ट करने की मांग की कि एफआईआर में उल्लेखित डॉक्टर और मंत्री कौन हैं, अन्यथा यदि वे दोषी हैं तो उन्हें गिरफ्तार किया जाए।

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा शुक्रवार शाम करीब सवा चार बजे एसीबी मुख्यालय पहुंचे। उस समय एसीबी महानिदेशक कार्यालय में मौजूद नहीं थे, जिसके कारण उन्हें कुछ समय इंतजार करना पड़ा। बाद में उन्होंने एसीबी डीजी को तीन लिखित पत्र सौंपे और अपनी आपत्तियां दर्ज कराई।

मीडिया से बातचीत में कृषि मंत्री ने आरोप लगाया कि एफआईआर दर्ज होने से पहले ही उसका मजमून लीक कर वायरल कर दिया गया। उन्होंने कहा कि चूंकि वे स्वयं डॉक्टर भी हैं और मंत्री भी, इसलिए इस प्रकार की जानकारी सार्वजनिक होने से उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा

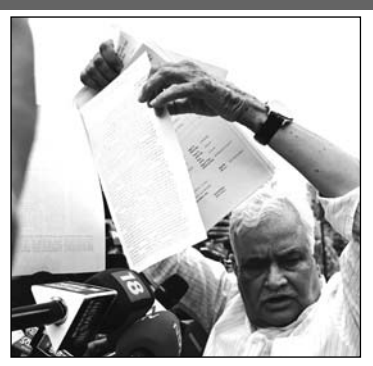

■ डॉ. किरोड़ी मीणा शुक्रवार शाम को एसीबी मुख्यालय पहुंचे तो महानिदेशक कार्यालय में मौजूद नहीं थे, जिसके कारण उन्हें कुछ समय इंतजार करना पड़ा। बाद में उन्होंने एसीबी डीजी को 3 लिखित पत्र सौंपे और अपनी आपत्ति दर्ज कराई।

कि यदि जांच में उनका कोई दोष सिद्ध होता है तो उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाए, लेकिन यदि उनका नाम केवल भ्रम या राजनीतिक कारणों से जोड़ा जा रहा है तो एसीबी को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

इस मामले को लेकर प्रदेश की राजनीति भी गरमा गई है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कथित 'नकली बीज घूस कांड' में मंत्री की भूमिका की जांच की मांग की है, जबकि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कृषि विभाग के जरिए धन संग्रह के आरोप लगाए हैं। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और कांग्रेस नेता हरीश चौधरी ने भी मंत्री पर सवाल उठाए हैं।

इन आरोपों पर पलटवार करते हुए किरोड़ी मीणा ने कहा कि यदि डोटासरा के पास कोई प्रमाण हैं तो सार्वजनिक करें, अन्यथा वे उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान डीओआईटी, जल जीवन मिशन (जेजेएम) और खाद्य विभाग से जुड़े भ्रष्टाचार के अनेक मामलों की शिकायतें उन्होंने एसीबी को दी थीं, लेकिन उन पर आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

कृषि मंत्री ने आरोप लगाया कि एसीबी किसी दबाव में काम कर रही है और जांच एजेंसी को राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियों को अपनी मर्यादा और लक्ष्मण रेखा का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने एसीबी अधिकारियों से निष्पक्षता के साथ कार्य करने की अपेक्षा जताई। डॉ. मीणा ने राजस्थान स्टेट वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन में कथित अनियमितताओं का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि निगम के अध्यक्ष की ओर से एसीबी को सात पत्र भेजे जा चुके हैं, लेकिन वर्ष 2024 से मामला केवल प्राथमिक जांच के स्तर पर लंबित है।

इसके अलावा उन्होंने करौली जिले की मंडरायल क्षेत्र की रामपुर पंचायत में कथित वित्तीय अनियमितताओं का मामला भी उठाया। उन्होंने दावा किया कि पंचायत में लगभग 28 करोड़ रुपये के कार्य स्वीकृत हुए थे, लेकिन शिकायतों के अनुसार करीब 26 करोड़ रुपये के खर्च में गड़बड़ी हुई और वास्तविक कार्य बहुत कम हुए। इसके बावजूद अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई।

एसीबी मुख्यालय से बाहर आने के बाद किरोड़ी मीणा ने कहा कि एसीबी डीजी ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि जांच अधिकारी जल्द ही स्पष्ट करेगा कि मामले में उल्लेखित 'डॉक्टर' और 'मंत्री' कौन हैं। उन्होंने पूरे प्रकरण को अपने खिलाफ रचा गया षड्यंत्र बताते हुए कहा कि इसकी जानकारी मुख्यमंत्री को भी दी जाएगी तथा मामले की जांच किसी सिटिंग जज से कराने की मांग की जाएगी। उन्होंने दोहराया कि यदि उनके खिलाफ कोई सबूत है तो कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए, लेकिन बिना तथ्यों के उनका नाम उछालकर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश नहीं होनी चाहिए।

प्रथम मदर सैंक्शन राशि के प्रभावी उपयोग पर चर्चा

जयपुर । प्रधानमंत्री-राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के डीपीआर एवं एएपी घटकों के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्राप्त प्रथम मदर सैंक्शन की राशि के समुचित उपयोग तथा अनुमोदित गतिविधियों के प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को पंत कृषि भवन, जयपुर स्थित कमेटी रूम में आयुक्त कृषि नरेश कुमार गोयल की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक हुई।

बैठक में कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं परियोजनाओं से जुड़े सभी योजना-परियोजना प्रभारियों, विभागीय अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए स्वीकृत परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना तथा प्राप्त केंद्रीय सहायता राशि का समयबद्ध एवं प्रभावी उपयोग किया जा कर योजनांतर्गत आगामी मदर सेक्शन के लिए भारत सरकार से निवेदन किया जाना हैं। बैठक में अनुमोदित राशि, प्राप्त आवंटन, व्यय की वर्तमान स्थिति तथा भौतिक उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। योजना में भारत सरकार से प्राप्त प्रथम मदर सेक्शन की कुल राशि 360.22 करोड़ रुपये में से 53 प्रतिशत 190.45 करोड़ का व्यय किया जा चुका है। आयुक्त कृषि ने सभी परियोजना प्रभारियों को निर्देशित किया कि उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का उपयोग निर्धारित समय-सीमा में करते हुए स्वीकृत लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित की जाए।

5000 रु. घूस लेते नगर निगम का पशुधन निरीक्षक गिरफ्तार

चिकन शॉप का लाइसेस जारी करने की एवज में मांगी थी रिश्वत

जयपुर (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने नगर निगम जयपुर में तैनात एक पशुधन निरीक्षक को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी की विशेष अनुसंधान इकाई (एसआईयू) ने शुक्रवार को पशु प्रबंधन शाखा के पशुधन निरीक्षक सुरेंद्र कुमावत को पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए ट्रैप किया। आरोपित ने एक चिकन शॉप का लाइसेंस जारी करने के बदले परिवादी से छह हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी।

आरोपी सुरेंद्र कुमावत

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता के अनुसार एसीबी की एसआईयू चौकी को शिकायत प्राप्त हुई थी कि परिवादी की चिकन शॉप का लाइसेंस जारी किए जाने के बाद भी लाइसेंस की एवज में अवैध रूप से 6 हजार रुपए की रिश्वत मांग कर उसे परेशान किया जा रहा है।

शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी मुख्यालय के उप महानिरीक्षक पुलिस डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महावीर सिंह के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई गई। जहां पुलिस निरीक्षक रघुवीर शरण और उनकी टीम ने शुक्रवार को जाल बिछाकर आरोपित पशुधन निरीक्षक सुरेंद्र कुमावत को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

एसीबी अधिकारियों के अनुसार आरोपित नगर निगम जयपुर की पशु प्रबंधन शाखा में पशुधन निरीक्षक के पद पर कार्यरत है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि उसने लाइसेंस जारी करने के बदले परिवादी से रिश्वत की मांग की थी। शिकायत की पुष्टि होने के बाद एसीबी ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के बाद आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। एसीबी ने उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है और मामले की विस्तृत जांच जारी है। जांच के दौरान आरोपित की आय, संपत्ति और अन्य मामलों की भी पड़ताल की जा रही है।

हीरो "सुपर स्प्लेंडर एक्सटीईसी 2.0" लॉन्च

जयपुर (कासं)। हीरो मोटोकॉर्प ने नई "सुपर स्प्लेंडर एक्सटीईसी 2.0" बाइक लॉन्च की है। इसमें शानदार टेक्नोलॉजी अपग्रेड्स, माइलेज में बड़ा सुधार और आज के प्रगतिशील राइडर्स की पसंद को ध्यान में रखकर बनाया गया एक बोल्ड और आधुनिक डिज़ाइन दिया गया है। वर्ष 1994 से भारत के करोड़ों राइडर्स को सफर का सहारा देने वाले स्प्लेंडर के भरोसेमंद नाम और विरासत पर बनी, नई सुपर स्प्लेंडर एक्सटीईसी 2.0 को उन राइडर्स के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो आधुनिक सुविधाओं और अगली पीढ़ी के टेक फीचर्स के साथ-साथ भरोसेमंद परफॉर्मेंस चाहते है।

लॉन्च के मौके पर हीरो मोटोकॉर्प के चीफ बिजनेस ऑफिसर, इंडिया बिजनेस यूनिट आशुतोष वर्मा ने कहा कि "भरोसेमंद परफॉर्मेंस, रोज़मर्रा की उपयोगिता और शानदार राइडिंग अनुभव के साथ, सुपर स्प्लेंडर 2.0 इस सेगमेंट में हीरो मोटोकॉर्प की बादशाहत को और मजबूत करेगी, साथ ही अपने ग्राहकों को बेहतरीन वैल्यू देने के हमारे वादे को भी पूरा करेगी।"

वर्मा का कहना है कि, इस बाइक में बेहतर परफॉर्मेंस और माइलेज के लिए 124.7 का सिंगल-सिलेंडर इंजन है, जो 7500 आरपीएम पर 10.7 बीएचपी की पावर और 6000 आरपीएम पर 10.6 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इस बाइक में 72 कि.मी. प्रति लीटर का माइलेज है, जो अपनी कैटेगरी में सबसे बेहतरीन है। साथ ही एडवांस्ड प्रोग्राम्ड फ्यूल इंजेक्शन (एपीएफआई) और आइडल स्टॉप-स्टार्ट सिस्टम है। बाइक में फ्रंट डिस्क ब्रेक दिया गया है, हैंडल-बार पर ही इंजन किल स्विच भी दिया है, जिससे रोज़ाना के ट्रैफ़िक में आसानी से और तुरंत इंजन को बंद किया जा सकता है।

स्मार्ट कनेक्टिविटी के लिए ब्लूटूथ व फुली डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर है, जिसमें इनकमिंग कॉल अलर्ट, एसएमएस नोटिफिकेशन, मिस्ड कॉल अलर्ट, कॉलर आईडी और फोन की बैटरी का स्टेटस दिखाई देगा। बाइक में रीयल टाइम माइलेज इंडिकेटर और लो-फ्यूल इंडिकेटर भी मिलता है, जो राइडर को हर समय पेट्रोल की खपत और माइलेज की सटीक जानकारी देता है।

इसमें 2 एम्पियर का यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट भी जोड़ा गया है, ताकि सफर के दौरान बातचीत या नेविगेशन के लिए आपका स्मार्टफोन हमेशा चार्ज रहे। यह बाइक ग्लॉसी ब्लैक, कैंडी ब्लेजिंग रेड, मैट एक्सिस ग्रे, मैट नेक्सस ब्लू और मैट चेस्टनट ब्राउन रंग में उपलब्ध होगी। नया वेरिएंट हीरो शोरूम पर 86,500 रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) की आकर्षक कीमत पर उपलब्ध रहेगा।

बीएसएनएल ने किफायती ब्रॉडबैंड प्लान लॉन्च किए

जयपुर। बीएसएनएल ने ग्रामीण क्षेत्रों के भारतनेट के उपभोक्ताओं के लिए एक नया और बहुत किफ़ायती एफटीटीएच ब्रॉडबैंड प्रमोशनल 'रुरल एन्ट्री प्लान-259 लाँच किया है। बीएसएनएल राजस्थान परिमण्डल के मुख्य महाप्रबंधक विक्रम मालवीय ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के भारतनेट के उपभोक्ताओं के लिए यह प्लान बहुत ही किफायती और लाभप्रद है। यह प्लान 259 रुपए प्रतिमाह के शुल्क में उपलब्ध है तथा इसे छमाही/वार्षिक भुगतान के रूप में भी लिया जा सकता है। यह प्लान ओटीटी प्लान्स के साथ उपलब्ध है। यह प्रमोशनल प्लान 90 दिनों के किए लागू किया गया है। इस प्लान में 700 जीबी इंटरनेट तक 25 एमबीपीएस की स्पीड मिलेगी, साथ ही पूरे भारत में अनलिमिटेड वॉइस काल्स एवं मोडेम इन्स्टालेशन फ्री रहेगी। इसी तरह "फाइबर बेसिक प्लान-499" लेने पर उपभोक्ता जिस कैलेन्डर माह में प्लान अथवा कनेक्शन लेगा, उस माह का किराया नहीं लिया जाएगा।

राजस्थान विधानसभा में सामूहिक योगाभ्यास

योग से स्वस्थ शरीर, सकारात्मक जीवन दृष्टि और संतुलित मन का निर्माण होता है : देवनानी

जयपुर । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में राजस्थान विधानसभा परिसर स्थित कर्तव्य द्वार पर शुक्रवार प्रात: 6 बजे सामूहिक योग कार्यक्रम "योगोत्सव" का आयोजन किया गया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में विधायकों, विधानसभा सचिवालय के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

राजस्थान विधानसभा के कर्तव्य द्वार पर विधायकों, अधिकारियों व कार्मिकों ने योगाभ्यास किया।

देवनानी ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाली भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। योग स्वस्थ शरीर, संतुलित मन एवं सकारात्मक जीवन दृष्टि प्रदान करता है। शारीरिक समन्वय, मानसिक एकाग्रता और आत्मविश्वास को बढ़ाता है। देवनानी ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग तनावमुक्त जीवन, रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि तथा स्वस्थ समाज के निर्माण का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सभी नागरिकों से योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आव्हान किया। सामूहिक योगाभ्यास की शुरुआत देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। कार्यक्रम में विधायक गोपाल शर्मा, गोपीचन्द मीणा, हरि सिंह रावत, शंकर सिंह रावत, ताराचन्द जैन, गीता बरवड और शोभा रानी कुशवाहा मौजूद थे। वैदिक मंगलाचरण एवं प्रार्थना के साथ सूक्ष्म व्यायाम जैसी शिथिलीकरण क्रियाएं कराई गई। योगाचार्य सत्यपाल सिंह और योगाचार्य मेघसिंह ने सामान्य योग प्रोटोकाल के अनुरूप योगासन, प्राणायम, ध्यान और शांतिपाठ कराया। ताडासन, वृक्षासन, अर्धचक्रासन, पादहस्तासन एवं त्रिकोणासन का अभ्यास खड़े होकर कराया गया। भद्रासन, वज्रासन, उष्ट्रासन, शशकासन, उत्तानमंडूकासन, वक्रासन और अर्ध-उष्ट्रासन का अभ्यास बैठकर कराया गया। उदर के बल लेट कर मकरासन, भुजंगासन, शलभासन, वहीं पीठ के बल लेट कर किए जाने वाले आसनों में सेतुबंधासन, उत्तानपादासन, अर्ध-हलासन, पवनमुक्तासन एवं शवासन का अभ्यास कराया गया। योगाभ्यास के दौरान प्रतिभागियों ने प्राणायाम एवं ध्यान की विभिन्न विधियों का भी अभ्यास किया, जिससे शारीरिक स्फूर्ति, मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन का अनुभव प्राप्त हुआ। उन्होंने इसे नियमित जीवन में अपनाने का आव्हान कियज्ञ।

अफीम, स्मैक और गांजे के साथ पांच आरोपी दबोचे

■ जालौर, ब्यावर और जयपुर में नशा तस्करों पर एएनटीएफ की कार्रवाई

जयपुर । प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने शुक्रवार को जालोर, ब्यावर और जयपुर में एक साथ चार बड़ी कार्रवाई कर नशा तस्करों के नेटवर्क पर करारा प्रहार किया। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में एएनटीएफ और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीमों ने अफीम, स्मैक, गांजा तथा नशे की कमाई से अर्जित नकदी बरामद कर पांच आरोपियों को दस्तयाब किया।

एएनटीएफ के महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि पहली कार्रवाई जालोर जिले के भीनमाल थाना क्षेत्र के जेरण गांव में की गई। सूचना के आधार पर जुठाराम देवासी (48) के मकान पर छापा मारकर रसोईघर में छिपाकर रखी गई 938 ग्राम अवैध निर्मित अफीम बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। दूसरी कार्रवाई ब्यावर सिटी थाना क्षेत्र में कंचन पेट्रोल पंप के पास की गई। यहां स्कूटी से स्मैक की सप्लाई करने पहुंचे पति-पत्नी को घेराबंदी कर पकड़ा गया। स्कूटी की डिग्गी से 24.88 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने सांसी बस्ती छावनी निवासी दीपक कुमार (45) और उसकी पत्नी लक्ष्मी देवी (43) को गिरफ्तार कर स्कूटी जब्त कर ली।

तीसरी कार्रवाई जयपुर ग्रामीण के शिवदासपुरा थाना क्षेत्र में पूर्णिमा कॉलेज के पीछे महात्मा गांधी पुलिया के पास झुग्गी-झोंपड़ियों में की गई। यहां पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रही टोंक निवासी शरबत देवी (55) को दस्तयाब किया गया। तलाशी में उसके कब्जे से 335 ग्राम गांजा, 0.71 ग्राम स्मैक तथा नशे की बिक्री से अर्जित 21 हजार 500 रुपए नकद बरामद हुए।

चौथी कार्रवाई जयपुर शहर के नारायण विहार थाना क्षेत्र की जयशंकर कॉलोनी में हुई। यहां संदिग्ध अवस्था में खड़ी महिला लाली देवी (32) पत्नी नेमीचंद सांसी को पकड़कर तलाशी ली गई। उसके बैग से 142 ग्राम गांजा और 2,000 रुपए नकद बरामद किए गए। आईजी विकास कुमार ने बताया कि सभी मामलों में संबंधित थाना पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने अभियान में शामिल एएनटीएफ, भीनमाल, ब्यावर सिटी, शिवदासपुरा और नारायण विहार थाना पुलिस की सराहना करते हुए घोषणा की कि कार्रवाई में शामिल अधिकारियों और जवानों को सम्मानित किया जाएगा।

यातायात नियम तोड़े तो घर पहुंचेगा ई-चालान

जयपुर में 15 प्रमुख स्थानों पर 47 कैमरों से हो रही है 24 घंटे निगरानी

जयपुर । राजधानी जयपुर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर अब अत्याधुनिक तकनीक के जरिए कड़ी नजर रखी जा रही है। शहर में सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के माध्यम से नियम तोड़ने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। मोटर यान अधिनियम-1988 एवं संशोधित मोटर वाहन अधिनियम-2019 के तहत उल्लंघनकर्ताओं के ऑनलाइन चालान काटे जा रहे हैं।

पुलिस उपायुक्त (यातायात) योगेश गोयल ने बताया कि शहर के 15 प्रमुख स्थानों पर लगाए गए 47 अत्याधुनिक कैमरों के जरिए यातायात नियमों की निगरानी की जा रही है। कैमरों से प्राप्त जानकारी के आधार पर ई-चालान पोर्टल के माध्यम से वाहन मालिकों के पंजीकृत पते पर ऑनलाइन चालान भेजे जा रहे हैं।

राजधानी जयपुर में ट्रैफिक नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों पर पुलिस द्वारा कंट्रोल रूम से नजर रखी जा रही है।

तेज रफ्तार वाहनों पर पुलिस की नजर

योगेश गोयल ने बताया कि आईटीएमएस के तहत पिंजरापोल गोशाला, नेहरू गार्डन, कॉमर्स कॉलेज, सरस पार्लर, पोदार कॉलेज और वैशाली नगर क्षेत्र में ओवरस्पीड वाहनों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। निर्धारित गति से अधिक रफ्तार से वाहन चलाने वालों के खिलाफ ऑनलाइन कार्रवाई की जा रही है।

रेड लाइट जंप करने वालों पर भी सख्ती

योगेश गोयल ने बताया कि गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहा, पांच बत्ती, यादगार, न्यू गेट और सांगानेरी गेट सहित प्रमुख चौराहों पर लगे कैमरों से रेड लाइट जंप करने वाले वाहन चालकों की पहचान कर ई-चालान जारी किए जा रहे हैं।

रात के समय सबसे ज्यादा अनदेखी

पुलिस उपायुक्त (यातायात) ने बताया कि आईटीएमएस कैमरों से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण में एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। यातायात पुलिस के अनुसार शहर में होने वाले कुल यातायात उल्लंघनों में 50 प्रतिशत से अधिक मामले रात 11 बजे से सुबह 5 बजे के बीच दर्ज किए जा रहे हैं। इसे देखते हुए पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि रात के समय भी यातायात नियमों का पूरी जिम्मेदारी के साथ पालन करें।

पैंडिंग चालान का तुरंत करें निस्तारण

यातायात पुलिस ने वाहन स्वामियों को लंबित चालानों की अनदेखी नहीं करने की सलाह दी है। वाहन चालक अपने बकाया चालान की जानकारी एवं भुगतान के लिए ई-चालान पोर्टल और वर्चुअल कोर्ट की सुविधा का उपयोग कर सकते हैं। शहर के प्रमुख चौराहों पर तैनात यातायात पुलिसकर्मियों के पास पीओएस मशीनों के माध्यम से भी चालान राशि का भुगतान किया जा सकता है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आईटीएमएस प्रणाली का उद्देश्य चालान काटना नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना और दुर्घटनाओं में कमी लाना है।

एपेक्स हॉस्पिटल में 5 लाख रु. के गहनों से भरा बैग चोरी

जयपुर। मालवीय नगर स्थित एपेक्स अस्पताल में चोरी की एक चौंकाने वाली वारदात सामने आई है। अस्पताल में इलाज करा रहे एक मरीज के परिजन को निशाना बनाते हुए शातिर बदमाश 5 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात से भरा बैग चोरी कर ले गए। पुलिस के अनुसार पीड़ित गोपीराम एक सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं। उन्होंने बताया कि 11 जून की रात उनकी पत्नी की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें तत्काल मालवीय नगर स्थित एपेक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें आईसीयू में शिफ्ट कर दिया। सुरक्षा कारणों से महिला के शरीर पर पहने हुए सभी सोने-चांदी के जेवरात उतरवाकर परिजनों को सौंप दिए। गोपीराम ने सभी जेवरात एक बैग में रख लिए और अपने पास सुरक्षित रखे। देर रात 12.30 बजे गोपीराम अस्पताल परिसर में बने गेस्ट हाउस में आराम करने चले गए। उन्होंने जेवरात से भरा बैग अपने पास ही रखा था। रात तीन बजे तीन संदिग्ध युवक गेस्ट हाउस में दाखिल हुए और गोपीराम के पास लेटकर बैग पार कर ले गए।

सार-समाचार

डॉ. श्वेता बनीं मिसेज़ राजस्थान-2026

जयपुर । फ्यूजन ग्रुप द्वारा आयोजित मिसेज़ राजस्थान 2026 के भव्य ग्रैंड फिनाले में डॉ. श्वेता कंसाना ने गोल्ड कैटेगरी का खिताब अपने नाम कर राजस्थान का गौरव बढ़ाया। यह प्रतिष्ठित ब्यूटी पेजेंट का 9वां सीज़न था, जिसका आयोजन फ्यूजन ग्रुप की निदेशक निमिषा मिश्रा एवं योगेश मिश्रा के नेतृत्व में जामडोली स्थित हेइवा हेवन रिज़ॉर्ट में किया गया। प्रतियोगिता में गोल्ड और सिल्वर दोनों श्रेणियों में विजेताओं का चयन किया गया। डॉ. श्वेता कंसाना पेशे से एक दंत चिकित्सक (डेंटिस्ट) हैं और पिछले 11 वर्षों से डॉ. ठक्कर्स जयपुर डेंटल हॉस्पिटल में एसोसिएट डेंटिस्ट के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं। अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों के साथ-साथ उन्होंने इस मंच पर आत्मविश्वास, प्रतिभा और व्यक्तित्व का शानदार प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

डॉ. निमिषा ने देवनानी को भेंट की पुस्तक

जयपुर । राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से विधानसभा परिसर में शिष्टाचार भेंट करके डॉ. निमिषा गौड़ ने अपनी पुस्तक "राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की छवि : भ्रम बनाम सत्य" भेंट की। इस अवसर पर हुई चर्चा के दौरान डॉ. निमिषा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे सेवा कार्यों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवकों ने राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता तथा राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि जम्मू-कश्मीर को भारत की अखंडता से निरंतर जोड़े रखने में संघ के स्वयंसेवकों की सेवा, समर्पण और बलिदान की भूमिका उल्लेखनीय रही है। देवनानी ने पठन-पाठन एवं लेखन की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि वर्तमान समय में युवा पीढ़ी को अध्ययन की आदत विकसित करने तथा पुस्तकों के माध्यम से ज्ञानार्जन के प्रति प्रेरित करने की आवश्यकता है। उन्होंने लेखन कार्य को समाज में सकारात्मक विचारों के प्रसार का प्रभावी माध्यम बताया।

जरूरतमंदों को 385 सहायक उपकरण बांटे

जयपुर । मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान एवं रैगर समाज पंचायत सेवा संस्था के तत्वावधान में केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय वयोश्री योजना एवं एडीप योजना के अंतर्गत शिव मंदिर धर्मशाला, रैगर मोहल्ला झोटवाड़ा में वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांगजनों को नि:शुल्क दैनिक जीवन सहायक उपकरण वितरित किए। मुख्य अतिथि समग्र क्षेत्रीय केंद्र जयपुर के निदेशक नीरज मधुकर ने बताया कि सरकार की इन योजनाओं का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाकर उनके जीवन को अधिक सुगम एवं सम्मानजनक बनाना है। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में वरिष्ठ होम्योपैथ आचार्य एवं मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि आयोजित शिविर में 77 लाभार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप 385 सहायक उपकरण वितरित किए गए। इनमें व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, वॉकर, छड़ियाँ, कमर के बेल्ट, कंधे के बेल्ट तथा अन्य दैनिक जीवन सहायक उपकरण शामिल थे। इस मौके पर ट्रस्ट के प्रबंध निदेशक कौशल सत्यार्थी, रैगर समाज पंचायत सेवा संस्था के अध्यक्ष कमलेश कुमार झिन्गीनिया, एल्मिको से कोमल, विशाल, मधु सुदन गुप्ता, जया चंद्र, राजेश बासोटीया, राकेश कुमार गुसाईवाल, राजेन्द्र तसीवाल, युवराज मुंडोतिया, दिनेश परेवा, अनिकेत बैरवा सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

पुलिस कमिश्नर की जनसुनवाई आज

जयपुर । आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल बीस जून (शनिवार) को दोपहर 11.30 से 01.30 बजे तक जामडोली पुलिस थाने पर जनसुनवाई करेंगे। इस दौरान आदर्श नगर सर्किल के जवाहर नगर, आदर्श नगर, ट्रांसपोर्ट नगर एवं जामडोली थानों के परिवादियों की जनसुनवाई की जावेगी। जनसुनवाई का उद्देश्य संबंधित क्षेत्र के परिवादियों की समस्याओं का तुरंत निस्तारण करते हुए आमजन को राहत पहुँचाना है। इस अवसर पर विशेष पुलिस कमिश्नर(ऑपरेशंस) ओमप्रकाश, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (अपराध) अजय सिंह, पुलिस उपायुक्त (पूर्व) रंजीता शर्मा, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पूर्व) आलोक सिंघल, सहायक पुलिस आयुक्त (आदर्श नगर) सहित संबंधित थाना प्रभारी एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

ARBiT
it happens here...

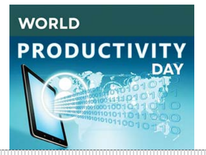

Working Productively

Every year, we mark a special day focused on improving how we work and live. World Productivity Day highlights ways to do tasks better and achieve more in less time! This day is not just about working harder but smarter. It encourages everyone to look at how they manage their tasks and find ways to enhance their efficiency. It also reminds us that by adopting smarter work strategies, we can improve our performance and overall well-being. It promotes innovation and sharing success stories that motivate others to aim higher in their daily activities. Ultimately, it asks us to reflect on our work habits and strive for continuous improvement.

राष्ट्रदूत
SATURDAY
20 June 2026
A-B

#MANGO SEASON

When the King of Fruits Arrives

When the mango enters the court, the contest is over. The other fruits may still be admired, but the crown belongs to one alone

Summer in India is synonymous with one thing above all else, the arrival of the mango. Markets overflow with golden and saffron-hued varieties, homes fill with their fragrance, and conversations inevitably turn to favourite cultivars and cherished childhood memories. Yet, long before mangoes became the stars of fruit stalls and social media posts, Sanskrit poets had already crowned them as the undisputed king of fruits.

Classical Sanskrit literature is filled with playful descriptions of nature, and poets often approached even the simplest subjects with remarkable wit and imagination. Rather than merely praising the sweetness of the mango, they imagined an entire kingdom of fruits thrown into turmoil by the arrival of their royal rival.

One delightful verse declares:

त्रपाश्यामं जम्बू
स्फुटितहृदयं दाडिमफलम् ।
सशूलं सन्धत्ते
हृदयमभिमानेन पनसम् ?
अभूदन्तस्तोयं
तरुशिरसिजं लाङ्गलिफलम् ।
शमायाते चूते
जगति फलराजे रसमये ?

A free rendering of the verse captures its playful spirit:

"When the juicy mango, the king of fruits, arrives upon the earth, the entire fruit kingdom is thrown into disarray. The jamun blushes with embarrassment and turns dark purple. The pomegranate's heart bursts open in astonishment. The proud jackfruit, unable to bear the mango's glory, feels as though thorns have pierced its heart. Even the coconut, known for its hard exterior, melts within and becomes filled with liquid. Before the mango's sweetness, all other fruits quietly accept defeat."

The genius of the poet lies in personification. Every fruit is transformed into a character with emotions, pride, jealousy, and vulnerability.

The jamun, with its deep purple colour, is imagined as blushing in embarrassment. Unable to compete with the mango's fame, it lowers its gaze and darkens with shame.

The pomegranate appears shocked beyond measure. Its tightly packed seeds are poetically described as a heart bursting open in amazement at the mango's arrival.

The jackfruit, large and imposing, is often regarded as one of the most substantial fruits of the Indian summer. Yet, even this giant cannot conceal its envy. The poet humorously suggests that thorns have pierced its heart, a clever reference to the fruit's rough, spiky exterior.

Perhaps, the most amusing image is that of the coconut. Revered for its tough shell and resilience, it seems outwardly fearless. But the poet reveals its secret: beneath that hard exterior lies water. In the presence of the mango, even the coconut loses its courage and melts within.

Such verses reveal the playful side of Sanskrit poetry. The poets were not merely scholars composing lofty philosophical treatises. They were keen observers of life, capable of finding humour and delight in everyday experiences. A basket of summer fruits becomes a royal court. A mango becomes a conquering emperor. The other fruits become rivals humbled by its supremacy.

The mango's exalted status in Indian culture is not difficult to understand. Its sweetness, fragrance, variety, and versatility have made it a beloved fruit for centuries. From ancient royal gardens to modern orchards, from devotional poetry to culinary traditions, the mango occupies a place unlike any other fruit.

Yet, what makes this Sanskrit verse memorable is not simply its praise of the mango. It is the poet's imaginative vision. Rather than declaring the mango superior, he stages a miniature drama in which every fruit reacts to the mango's arrival according to its own personality.

The result is a portrait of summer that remains fresh even today. As mango season returns each year, one can almost imagine the scene described by the poet: the jamun blushing, the pomegranate gasping, the jackfruit sulking, and the coconut quietly melting within, all acknowledging the inevitable truth that the king of fruits has arrived.

And when the mango enters the court, the contest is over. The other fruits may still be admired, but the crown belongs to one alone.

Decolonising the Ranks
Bandi Jackets For Men
No Bindi But Sindoor in For The Women

In Delhi Cantonment, Kirby Place (officers' accommodation) has been renamed Kenguruse Vihar, while Mall Road has been renamed Arun Khetrapal Marg. In Ambala Cantonment, Patterson Road Quarters is now known as Dhan Singh Thapa Enclave, and in Mathura Cantonment, New Horn Line has been renamed Abdul Hamid Lines. Similar changes have been implemented elsewhere, with Queen's Line Road in Jaipur Cantonment becoming Sundar Singh Marg, New Birdwood Line in Bareilly Cantonment being renamed Thimayya Colony, and Malcolm Lines in Mhow Cantonment renamed Piru Singh Lines. At the Indian Military Academy in Dehradun, Colins Block and Kingsway Block have been renamed Nubra Block and Kargil Block, respectively.

Kshema Jatuhkarna

The Indian Army has revamped its dress regulations to shed colonial-era traditions, authorising closed-neck bandi jackets in formal settings, removing ceremonial pouch belts, and making it optional for reviewing officers to carry swords on parade.

The rationale behind the changes is explicitly outlined in a chapter titled "Indigenisation and Alignment with National Ethos." The manual states, "In keeping with the nation's sentiments and evolving sovereign identity, a number of deliberate refinements have been incorporated in this edition of Army Uniforms Pamphlet."

The changes are outlined in a newly issued 174-page manual titled "Army Uniforms-2026." Officials aware of the matter stated that such a manual was last issued eight years ago. "In keeping with the nation's sentiments and evolving sovereign identity, a number of deliberate refinements have been incorporated. Collectively, these refinements represent a progressive review of residual colonial-era vestiges while preserving the dignity, functionality and enduring traditions of the Indian Army," the document stated in a section titled "Indigenisation and Alignment with National Ethos."

As part of the overhaul, the army has introduced a new winter dress called 3B for all ranks. It consists of an angola shirt with a battle jacket and beret.

Apart from uniforms, the regulations cover a wide range of appearance and grooming standards for personnel, from tattoos and body piercings to haircuts, moustaches, and the use of cosmetics.

Bandi Jacket Code

For the first time, the regulations authorise officers to wear bandi jackets as part of the formal dress code. This is in addition to the bandhgala, lounge suit, combination dress, or a full-sleeve shirt with a tie and formal trousers.

"A closed neck coat (bandi jacket) may be worn over a full sleeved shirt. The bandi jacket may be with or without the neck hook fastening (both patterns are authorised) and will be of solid, sober colour only. Matching formal trousers of sober design and formal closed footwear will be worn," the manual stated.

Women Dress Code

The regulations permit women officers to wear sober-coloured sarees, or kurta-salwar and ankle-length straight pants with a dupatta. They expressly bar sleeveless kurtas and casual lowers such as palazzo and cigarette pants.

The pouch belt has been removed from Mess Dress No. 5 and No. 6. Unique dress numbers are assigned to each uniform in the military for convenience and ease of reference. Such belts remain authorised for officers up to the rank of colonel in the armoured corps, mechanised infantry, regiment of artillery, rifle regiments, Maratha Light Infantry, Jammu and Kashmir Light Infantry, and Corps of Signals.

"Pouch belt will not be worn with Dress No. 5 and 6. However, it may be worn with ceremonial dresses during regimental/corps functions," the manual stated.

Occasions for wearing Dress No. 5 and No. 6 include state functions at Rashtrapati Bhavan or Raj Bhavan, and when dining-in or attending formal receptions at the residences of the Prime Minister, the three service chiefs, and army commanders. They are also worn at state functions in honour of visiting foreign heads of state.

In another major change, the manual narrows the occasions on which swords may be carried. Swords will now be carried only by parade commanders, contingent commanders and designated personnel during major ceremonial events such as Republic Day, Independence Day, Army Day parades and Guards of Honour.

The regulations also drop archaic terms like 'royal.'

Adjutant General Lt Gen VPS Kaushik stated in the manual's foreword that the edition "reflects a considered step towards aligning the army's dress regulations with contemporary Indian ethos through the progressive removal of residual colonial-era practices, accoutrements and terminology."

Earlier this year, the Indian Army undertook a major initiative to discontinue colonial-era legacies by renaming 246 roads, buildings and facilities across its establishments. This move is aimed at strengthening an institutional identity rooted in India's own history, ethos and military traditions, while honouring the nation's gallantry awardees, war heroes and distinguished military leaders. According to Indian Army officials, the exercise covered 124 roads, 77 colonies, 27 buildings and other military facilities, and 18 miscellaneous facilities, including parks, training areas, sports grounds, gates and helipads.

Officials said that the initiative also reflects an enduring national commitment to commemorate valour and sacrifice. Recent national efforts to honour the legacy of the nation's bravest include dedicated commemorations of Param Vir Chakra awardees, reinforcing the centrality of India's heroes in public and institutional memory. In various cantonments and military stations, the renaming of roads, facilities and colonies is being undertaken to honour Indian soldiers and commanders, including gallantry award recipients and eminent military personalities, officials said. As part of this process, several British-era road and locality names are being replaced with names that reflect Indian valour, sacrifice and leadership.

In Delhi Cantonment, Kirby Place (officers' accommodation) has been renamed Kenguruse Vihar, while Mall Road has been renamed Arun Khetrapal Marg. In Ambala Cantonment, Patterson Road Quarters is now known as Dhan Singh Thapa Enclave, and in Mathura Cantonment, New Horn Line has been renamed Abdul Hamid Lines. Similar changes have been implemented elsewhere, with Queen's Line Road in Jaipur Cantonment becoming Sundar Singh Marg, New Birdwood Line in Bareilly Cantonment being renamed Thimayya Colony, and Malcolm Lines in Mhow Cantonment renamed Piru Singh Lines. At the Indian Military Academy in Dehradun, Colins Block and Kingsway Block have been renamed Nubra Block and Kargil Block, respectively.

In Kolkata, Fort William has been renamed Vijay Durg, while the sports complex in Rangapahar Military Station has been renamed Laishram Jyotin Singh Sports Complex. At Zakhama Military Station, Spear Lake Marg has been renamed Hangpan Dada Marg. These names commemorate exemplary courage and service across multiple campaigns, alongside recognition of eminent military leadership, according to the Indian Army.

The military's indigenisation drive accelerated five years ago when Prime Minister Narendra Modi addressed the Combined Commanders' Conference at Kevadia, Gujarat. He directed the armed forces to erase colonial customs and adopt Indian ways in doctrines, procedures, and customs.

The Army Uniforms-2026 manual reminds soldiers that tattoos and body piercings are prohibited. Personnel cannot wear any type of bracelet in uniform, except for a single sacred thread on the wrist on the day of a pooja. No religious markings or symbols are allowed, with exceptions for Sikh soldiers.

Moustaches must not exceed 12 cm. All personnel are barred from using deodorants and perfumes while in uniform, though aftershave lotions are allowed.

Women personnel face strict cosmetic regulations. Lipstick, coloured nail polish, bindis, and nose pins are prohibited. Sindoor (vermillion) may be applied so that it is not visible when the beret or peak cap is worn.

rajeshsharma1049@gmail.com

#UNIFORM CODE

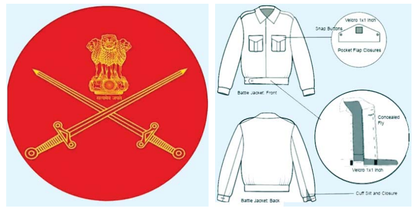

> Earlier this year, the Indian Army undertook a major initiative to discontinue colonial-era legacies by renaming 246 roads, buildings and facilities across its establishments. This move is aimed at strengthening an institutional identity rooted in India's own history, ethos and military traditions, while honouring the nation's gallantry awardees, war heroes and distinguished military leaders.

#MEGHADOOTA

Ashadha's First Day

"On the first day of Ashadha, he beheld a cloud embracing a mountain peak, beautiful as an elephant sporting against an embankment."

King looking at a cloud in a night sky. Meghadoota illustration. Guler School of Pahari painting.

The first day of Ashadha marks one of the most evocative moments in the Indian calendar. It signals the arrival of the monsoon, the season that transforms parched landscapes into realms of abundance and beauty. For generations of Indians, however, the day is remembered not merely as a meteorological event but as a literary and emotional landmark, immortalized by the great Sanskrit poet Kalidasa in his masterpiece, *Meghadoota* (The Cloud Messenger).

The poem opens with the celebrated phrase:

आषाढस्य प्रथमदिवसे मेघमाश्लिष्टसानुं
वप्रक्रीडापरिणतगजप्रेक्षणीयं ददर्श ।

"On the first day of Ashadha, he beheld a cloud embracing a mountain peak, beautiful as an elephant sporting against an embankment."

With these words, Kalidasa ushers us into a world where nature and human emotion become inseparable.

The protagonist of Meghadoota is a Yaksha, a celestial being often described as a nature spirit and an attendant of Kubera, the lord of wealth. The Yaksha has been cursed by his master and banished from his celestial city for one year. The opening verse introduces him with remarkable tenderness:

कश्चित् कान्ता विरहगुरुणा
स्वाधिकारात् प्रमत्तः
शापेनास्तंगमितमहिमा वर्षभोग्येण भर्तुः ।
यक्षश्चक्रे जनकतनयास्नानपुण्योदकेषु
स्निग्धच्छायातरुषु वसतिं रामगिर्याश्रमेषु ?

"A certain Yaksha, rendered careless in his duties by the heavy sorrow of separation from his beloved, was deprived of his glory by a curse from his lord. Condemned to a year's exile, he dwelt in the hermitages of Ramagiri, amid sacred waters associated with Sita, daughter of Janaka, and beneath the cool shade of trees."

Kalidasa locates the Yaksha at Ramagiri, generally identified with modern-day Ramtek in Maharashtra. The setting is serene: sacred pools, hermitages, and shady groves. Yet, the beauty of nature offers little solace. The Yaksha is consumed by longing for his wife, who remains far away in Alaka, the celestial city near Mount Kailasa. Months pass in loneliness. Then comes the first day of Ashadha.

Looking up, the Yaksha sees a rain cloud resting upon a mountain peak. Kalidasa compares the cloud to a playful elephant pressing against a hillside. To most people, it would be an ordinary sign of the monsoon. To the Yaksha, it is something much more. After months of isolation, the cloud appears like a visitor, a companion arriving from afar. The Yaksha knows, of course, that a cloud is merely a combination of smoke, lightning, water, and wind. Yet, intense longing changes the way human beings experience the world. A lover burdened by separation begins to converse with rivers, trees, birds, mountains, and clouds. The distinction between the living and the non-living becomes blurred by emotion.

This insight remains timeless. In the film *Cast Away*, a shipwrecked man stranded alone on an island for years begins talking to a volleyball, imagining it to be his friend. Solitude creates companionship where none exists. In much the same way, the Yaksha of Meghadoota, isolated in the forests of Ramagiri, imagines the cloud to be a conscious being capable of understanding human sorrow. He greets the cloud with affection and reverence. Then, he makes an extraordinary request: carry a message to my beloved.

This simple act of imagination becomes the foundation of one of the world's greatest poems. The cloud is transformed into a messenger, entrusted with conveying the Yaksha's words from Ramagiri in central India to the distant Himalayan abode of his wife near Mount Kailasa.

The journey that follows is far more than a geographical itinerary. As the cloud travels northward, Kalidasa unfolds a magnificent panorama of the Indian landscape. Rivers, mountains, forests, villages, cities, temples, and fertile plains pass before the reader's eyes. The poem becomes a literary map of India, painted with extraordinary sensitivity and detail.

The cloud crosses rivers swollen by rain, glides over mountain ranges, pauses above prosperous cities, and brings relief to farmers awaiting the monsoon. Every landscape is animated by emotion. Nature is not merely scenery; it participates in the drama of longing. The swelling rivers mirror overflowing feelings, while the lifegiving rains symbolize hope, renewal, and eventual reunion.

At its heart, Meghadoota is a poem about separation. Yet, it is equally a poem about imagination. The Yaksha's loneliness transforms a passing cloud into a friend, a traveler, and a messenger. Through this act of poetic vision, Kalidasa reveals a profound truth about human experience: when separated from those we love, we seek companionship everywhere, in the wind, in the rain, in the mountains, and in the clouds.

That is why the first day of Ashadha continues to resonate across centuries. The arrival of the monsoon is not only a climatic event; it is also a cultural memory. Each year, when dark rain clouds gather on the horizon, they evoke the image of the lonely Yaksha at Ramagiri gazing skyward. In that cloud, he saw not merely water and vapor, but a bearer of hope, capable of carrying the burden of his heart across the vast expanse of India.

THE WALL

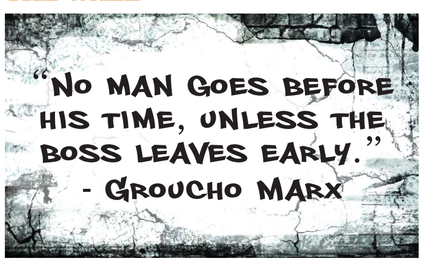

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

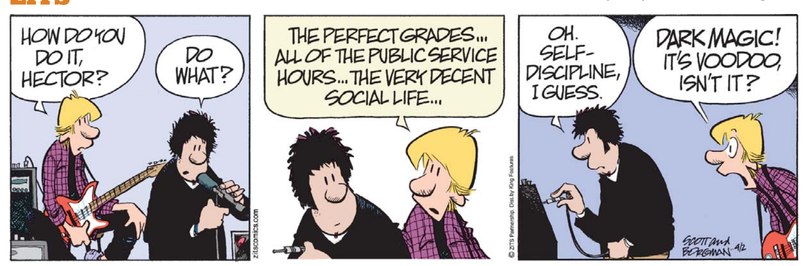

संक्षिप्त

खेत में घुसकर किसान पर हमला

निवाई, (निस)। बरोनी थाना क्षेत्र के मोटूका गांव में चार कारों में सवार होकर आए दबंगों ने खेत में काम कर रहे एक किसान पर हमला बोल दिया और लाठी-डंडों से जमकर मारपीट की। बरोनी थानाधिकारी नारायणलाल गुर्जर ने बताया कि किसान गोपीलाल निवासी मोटूका अपने खेत पर कार्य कर रहा था, तभी अचानक चार कारों में सवार होकर पहुंचे बदमाशों ने उस पर धावा बोल दिया और उसके साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीढ़ एकत्रित हो गई। ग्रामीणों ने घायल किसान को निवाई उप जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां उसका उपचार जारी है। घटना की सूचना पर बरोनी थाना पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। उन्होंने बताया कि मामला जमीनी विवाद से जुढ़ा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

राहुल गांधी का जन्मदिन मनाया

मनोहरपुर, (निस)। नगर कांग्रेस कमेटी मनोहरपुर की ओर से शुक्रवार को किशनगढ़ मोढ़ पर कांग्रेस नेता का जन्मदिन उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केक काटकर एक-दूसरे को मिठाई खिलाई तथा राहुल गांधी के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की। कार्यक्रम में नगर कांग्रेस अध्यक्ष अलादीन खान, सेवादल अध्यक्ष राकेश हलकारा, पूर्व सरपंच अर्जुन मोहनपुरिया, विक्रम धोलीवाल, महेश जढ़वाल, निसार खान, ताराचंद बेनीवाल, रामस्वरूप बेनीवाल, बालूराम यादव, बलराम जाट सहित बढ़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने तथा जनहित के मुद्दों पर मिलकर कार्य करने का संकल्प भी लिया।

जुआ खेल रहे 4 जने गिरफ्तार

निवाई। बरोनी थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर ताश-पती पर जुआ खेल रहे 4 जनों को गिरफ्तार किया है। बरोनी थानाधिकारी नारायणलाल गुर्जर ने बताया कि पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशों के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव व डीवाईएसपी रामअवतार के सुपरविजन में गठित टीम ने सार्वजनिक स्थान पर ताश-पती पर जुआ खेलने वालों पर कार्रवाई करते हुए गांव सोहेला में सार्वजनिक तालाब की पाल पर ताश-पती पर जुआ खेलते हुए आरोपी लालाराम बैरवा निवासी बोरखंडी, राजेश गुर्जर, ललित जांगिढ़ व तुलसीराम गुर्जर तीनों निवासी सोहेला को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों के कब्जे से 9 हजार 640 रूपए की जुआ राशि जब्त की है।

शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण

फुलेरा, (निस)। फुलेरा में आयोजित शहरी सेवा शिविर का शुक्रवार को उपखण्ड अधिकारी, सांभरलेक ऋषिराज कपिल ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने शिविर में उपस्थित नागरिकों से संवाद कर विभिन्न विभागों द्वारा दी जा रही सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान उपखण्ड अधिकारी ने मौके पर ही 5 जन्म प्रमाण पत्र लाभार्थियों को वितरित किए। वहीं अधिशाषी अधिकारी शिवराज कृष्णा ने सोहनलाल को पट्टा प्रदान किया। शिविर में विभिन्न जनसेवा कार्यों के तहत कुल 13 जन्म प्रमाण पत्र, 3 पट्टे, 2 एनओसी, 4 जॉब कार्ड, 4 नामांतरण तथा 2 निर्माण आज्ञाएं जारी की गईं।

आरोपी गिरफ्तार

फुलेरा, (निस)। पुलिस थाना फुलेरा ने मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले का सफल खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के पास से ट्रेनों में यात्रियों से चोरी किए गए दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। आरोपी रामप्रसाद आदिवासी कोल निवासी मेहर (मध्यप्रदेश) को गिरफ्तार किया।

कार्यकारिणी का विस्तार

लालसोट, (निस)। सर्व समाज महिला विकास समिति लालसोट तहसील की कार्यकारिणी का विस्तार शुक्रवार को जिला अध्यक्ष उर्मिला जोशी एवं समिति की तहसील संरक्षक मीनू बाई (बुआजी) की सहमति तथा दौसा जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष नम्रता शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया।

बम्बोरा शिविर में बिजली-पानी की समस्या पर लोगों का फूटा गुस्सा

किशनगढ़बास, (निस)। ग्राम बम्बोरा के अटल सेवा केंद्र पर शुक्रवार को लगे ग्रामीण सेवा शिविर में पूर्व विधायक रामहेत यादव और एसडीएम सत्यवीर सिंह यादव के सामने गांव के लोगों का बिजली-पानी की समस्या पर गुस्सा फूट पढ़ा। महिलाओं की पानी की और गांव के गिरधारी लाल की बिजली समस्या पर पूर्व विधायक रामहेत यादव ने पानी बिजली विभाग के अधिकारियों की क्लास ली और जेईएन को 2 दिन में आपूर्ति सुचारू करने के सख्त निर्देश दिए।

शुक्रवार को ग्राम बम्बोरा के अटल सेवा केंद्र पर राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में पहुंचे भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य एवं पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने ग्रामीणों की जन समस्याएं सुनकर मौके पर ही अधिकारियों से निस्तारण करवाया।

शिविर में पूर्व विधायक रामहेत यादव ने पानी की शिकायत पर पेयजल अभियंता को सख्त निर्देश दिए।

शिविर में गांव के गिरधारी लाल ने बताया कि लाइट की समस्या से लोग परेशान हैं। इस पर पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने मौके पर मौजूद जेईएन को फटकार लगाते हुए समस्या का तुरंत समाधान करने को कहा तथा 2 दिन में लाइट सुचारू रूप से चलाने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार गांव की महिलाओं ने बताया कि जाटव बस्ती सहित पूरे गांव में पीने के पानी की भारी समस्या है। गर्मी में लोग प्यासे मर रहे हैं। इस पर

- एसडीएम और पूर्व विधायक ने 2 दिन में लाइट सुधारने के दिए निर्देश, अभियंता को लगाई फटकार

पूर्व विधायक ने मौके से ही सहायक अभियंता शक्ति सिंह से बात की और पानी की समस्या दूर करने को कहा।

सहायक अभियंता ने पूर्व विधायक रामहेत यादव को बताया कि एक बोरिंग में पानी की मोटर फंस गई थी जिसे कल निकाल लिया गया है। शीघ्र ही बोरिंग से पानी चालू कर दिया जाएगा। साथ ही गांव में जेजेएम मिशन के तहत भी कार्य चल रहा है। टंकी में पानी का रिसाव हो गया था, जिसे ठीक कर योजना के अंतर्गत भी पानी उपलब्ध कराया जाएगा

शिविर में पूर्व विधायक ने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन करवाने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग से आयुष्मान कार्ड पंजीकरण, वितरण और टीबी के मरीजों की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों की निजी समस्याएं भी सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी सतवीर यादव, तहसीलदार अभिषेक यादव, भाजपा मण्डल अध्यक्ष मनोज मित्तल, जिला उपाध्यक्ष राजेश बटवाडा, महामंत्री जेपी यादव, मण्डल उपाध्यक्ष तेजसिंह सैनी, प्रकाश प्रजापत, एमपीएस रामस्वरूप मेघवाल, सुरेन्द्र सिंह लम्बू, गिरधारी लाल, सतपाल चौधरी, रतनलाल पंजाबी सहित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली

कोटपूतली, (निस)। ग्राम गोपालपुरा स्थित श्री सीताराम मंदिर में श्री नारायण दास सेवा समिति एवं ग्रामीणों के सहयोग से ग्रीष्मकाल पंचग्ना तपस्या संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य शुभारंभ हुआ। यह धार्मिक आयोजन श्री श्री 1008 श्री रघुवंश दास जी महाराज व मंदिर के पुजारी श्री रविन्द्र दास जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित किया जा रहा है। कथा के प्रथम दिन शुक्रवार को गोपालपुरा और आसपास के क्षेत्रों से आई सैकड़ों महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर मंगल कलश धारण कर भव्य कलश यात्रा निकाली। गाजे-बाजे और ठाकुर जी के जयकारों के साथ इस कलश यात्रा ने पूरे नगर का भ्रमण किया, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय और दिव्य हो उठा। कलश यात्रा के पहुँचने के बाद विधिवत रूप से कथा ज्ञान यज्ञ की शुरुआत की गई।यह कथा यज्ञ 19 जून से शुरू होकर आगामी 25 जून तक निरंतर जारी रहेगा।

अलवर के 16 वार्डों में सीवर लाइन का काम दो साल से अधुरा

अलवर, (निस)। अलवर शहर के 16 वार्डों में अमृत-2 योजना के तहत डाली जा रही सीवर लाइन जनता के लिए बड़ी मुसीबत बन गई है। दो साल बीतने के बाद भी काम आधा-अधूरा है और एक भी घर को कनेक्शन नहीं मिला है। हर तरफ खुदी पड़ी सड़कें अब हादसों को न्योता दे रही हैं।

- एक भी घर को कनेक्शन नहीं मिला, हर तरफ खुदी पड़ी सड़कें हादसों को न्योता दे रही हैं
- अमृत-2 योजना के तहत सरकार ने गुजरात की एक एजेंसी को 138 करोड़ रुपए का काम दिया था, डेढ़ साल में पूरा काम होना था
- सीवर लाइन डालने में देरी हो रही है, इसके लिए एजेंसी को चेताया गया है, अब आगे लापरवाही पर एक्शन लेंगे - आयुक्त, नगर निगम

अलवर शहर के 16 वार्डों में सीवर लाइन आधी-अधूरी डाली गई है। कई एरिया छोड़ दिए गए। इन वार्डों की सड़कें बार-बार तोड़ी जा रही हैं, लेकिन कनेक्शन एक भी घर में नहीं दिया गया। ऐसे में जनता को गंदगी से राहत नहीं मिल रही है।नगर निगम को इसकी मॉनिटरिंग करनी थी, लेकिन इस पर काम नहीं हो रहा है। शहर के वार्ड नंबर 4, 10, 11, 20 समेत 16 वार्डों को सीवर लाइन से जोड़ना था। अमृत-2 योजना के तहत सरकार ने गुजरात की एक एजेंसी को 138 करोड़ रुपए का काम दे दिया। डेढ़ साल में पूरा काम होना था, लेकिन दो साल हो गए। शहर के इन वार्डों की सड़कें खोद दी गई, जिनमें आए दिन वाहन चालक गिरकर चोटिल हो रहे हैं। नगर निगम भुगतान पर जोर दे रहा है, लेकिन काम की गति कितनी धीमी है, इससे कोई मतलब नहीं है। जनता परेशान है। आए दिन शिकायतें हो रही है। वार्ड नंबर चार से सीवर लाइन डालने का काम सबसे पहले शुरू हुआ, लेकिन यहां कई गलियां छोड़ दी गईं।

निवर्तमान पार्षद ज्योति जाटव का कहना है कि कभी चैंबर के लिए रोड तोड़ रहे हैं, तो कभी डीसी लगाने के लिए। एक भी घर में कनेक्शन नहीं किया गया, जबकि कई बार अधिकारियों से भी कहा गया। जनता परेशान है। सड़कों के गड्ढे जानलेवा हैं। वार्ड नंबर 10 में सीवर लाइन डाल दी गई।

निवर्तमान पार्षद महेश नायक का कहना है कि एक भी घर में कनेक्शन नहीं किया गया। दो साल से काम चल रहा है, पता नहीं कब पूरा होगा। नगर निगम की सीवर लाइन पंचवर्षीय योजना हो गई, जो पांच साल में ही पूरी होगी।

वार्ड 11 के निवर्तमान पार्षद देवेंद्र रसगनिया का कहना है कि उनके वार्ड में अभी तक सीवर लाइन पहुंची ही नहीं। जनता इंतजार कर रही है। एजेंसी पर एक्शन निगम को लेना चाहिए, लेकिन उस पर मेहरबानी की जा रही है।

सोहन सिंह नरूका, आयुक्त, नगर निगम का कहना है कि सीवर लाइन डालने में देरी हो रही है। इसके लिए एजेंसी को चेताया गया है। अब आगे लापरवाही पर एक्शन लेंगे।

डीग रेलवे स्टेशन पर सुविधाओं की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा

डीग, (निस)। भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष गिरीश शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उत्तर मध्य रेलवे आगरा मंडल के नाम डीग रेलवे स्टेशन प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर स्टेशन पर आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की।

ज्ञापन में शर्मा ने बताया कि अमृत भारत योजना में शामिल होने के बावजूद डीग रेलवे स्टेशन अभी भी

- अमृत योजना में शामिल होने के बावजूद नहीं जल रहीं स्ट्रीट लाइटें, दो साल से बंद पढ़ा शौचालय और रिजर्वेशन काउंटर खोलने की उठाई मांग

कई मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। डीग लिंक रोड से रेलवे स्टेशन तक लगी स्ट्रीट लाइटें लंबे समय से बंद पढ़ी हैं। जबकि रात साढ़े 9 बजे और तढ़के करीब 1 बजे ट्रेनों का आवागमन होता है, जिनमें बढ़ी संख्या में महिला यात्री भी सफर करती हैं। अंधेरा होने से यात्रियों की सुरक्षा को लेकर हमेशा खतरा बना रहता है।

कार्यकर्ताओं ने उत्तर मध्य रेलवे आगरा मंडल के नाम डीग रेलवे स्टेशन प्रभारी को ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने बताया कि करीब दो वर्ष पूर्व लाखों रुपये की लागत से स्टेशन परिसर में शौचालय का निर्माण कराया गया था, लेकिन निर्माण के बाद से ही वह बंद पढ़ा है और आज तक आम यात्रियों के लिए शुरू नहीं किया गया। इसके अलावा जिला मुख्यालय होने के बावजूद डीग रेलवे स्टेशन पर आरक्षण काउंटर नहीं होने से यात्रियों को टिकट आरक्षण के लिए गोवर्धन, मथुरा अथवा अलवर जाना पढ़ता है, जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पढ़ रहा है।

भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही रिजर्वेशन काउंटर सहित अन्य सुविधाएं शुरू नहीं की गईं तो पुन: आंदोलन और अनशन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस दौरान विजय अरोढ़ा, रौनक, टोनी, विवेक, रोहित और सौरव सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मनोहरपुर सहित आसपास में पांच माह में 56 लोगो को कुत्तों ने काटा

मनोहरपुर, (निसं)। कस्बे सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले पांच माह में आवारा कुत्तों के काटने से करीब 56 लोग घायल हो चुके हैं, जिनका उपचार राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया। शुक्रवार को एक बार फिर आवारा कुत्ते ने तीन लोगों को काट लिया। जिनको उपचार के लिए राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया। आसपास के क्षेत्र में इन दिनों आवारा कुत्तों का आतंक हो रहा है। कुत्ते मौका मिलते ही लोगों को अपना शिकार बना लेते हैं। आवारा कुत्ते ने प्रतापपुरा-बिशनगढ़ तिराहे पर तीन लोगों पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। कुत्ते ने यश यादव , दिनेश सैनी तथा कमली देवी को काटकर गंभीर घायल कर दिया। जिनको उपचार के लिए राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनोहरपुर, शाहपुरा भेजा गया। जहां घायलों का उपचार जारी हैं। समाजसेवी महेश जड़वाल ने मामले कि सूचना नगरपालिका को दी। जिसके बाद पालिका कर्मचारियों की टीम मौके पर पहुंची ओर मामले की जानकारी कर कुत्ते को पकड़वाया। वहीं आवारा कुत्ते ने तीन लोग को अपना शिकार बनाने के बाद एक लावारिस गाय को भी काटकर

- प्रतापपुर बिशनगढ़ तिराहा पर आवारा श्वानों तीन जनों को काटा

घायल कर दिया। कुत्ते के तीन लोगों को काटने की घटना के बाद से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है ग्रामीण महेश जड़वाल, नरेश कुमार, गोपाल सैनी, बनवारी यादव, कानाराम यादव, बलराम जाट, रामेश्वर यादव, रोहतास सैनी एवं विकास यादव सहित अन्य ग्रामीणों ने नगर पालिका से आवारा कुत्तों को पकड़ने की मांग की है।

राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कुत्तों के काटने के संदर्भ में आने वाले मरीजों को ए आर वी डोज एंटी रेबीज़ लगाई जाती हैं। यहां चिकित्सालय में एंटी सीरम लगाने की व्यवस्था नहीं है जिसके लिए मरीज को शाहपुरा रेफर किया जाता है। क्योंकि चिकित्सालय में फिजिशियन नहीं है। नगर पालिका ने करीब 1 साल पूर्व कुत्तों को पड़कर उनकी नसबंदी करने और उनके एंटी रेबीज दवा लगाने के लिए 8 लाख का टेंडर छोड़ा था जिसके बाद कस्बे की शिव कॉलोनी में स्थित विद्यालय में करीब 150 कुत्तों को पकड़कर उनकी नसबंदी कर रेबीज के टीके लगाए गए थे।

'योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं'

कोटपूतली, (निस)। जिला प्रशासन एवं आयुर्वेद विभाग, कोटपूतली-बहरोड़ के संयुक्त तत्वावधान में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का जिला स्तरीय समारोह राजकीय पाना देवी कन्या महाविद्यालय, कोटपूतली के प्रांगण में प्रात: 6 बजे से 8 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम में जिले के नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी कर योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आव्हान किया गया है।

योग दिवस समारोह के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं आमजन में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण एवं आयुर्वेद विभाग के सहायक निदेशक डॉ. मुकेश कुमार आर्य ने ई-रिक्शा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ई-रिक्शा नगर क्षेत्र में भ्रमण कर नागरिकों को 21 जून को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय योग दिवस समारोह में सहभागिता के लिए प्रेरित करेगा तथा योग के स्वास्थ्य लाभों की जानकारी देगा।

एडीएम ओमप्रकाश सहारण ने ई-रिक्शा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि योग स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का महत्वपूर्ण आधार है। नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक शांति एवं भावनात्मक संतुलन को भी बढ़ावा मिलता है।

उन्होंने आमजन से अपील की कि वे योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं तथा योग दिवस समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लें।

- कोटपूतली-बहरोड़ में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय समारोह 21 जून को राजकीय पाना देवी कन्या महाविद्यालय में आयोजित

आयुर्वेद विभाग द्वारा जिला स्तरीय योग दिवस समारोह को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। जिलेभर में योग के महत्व एवं इसके लाभों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने सभी विभागों, संस्थाओं एवं आम नागरिकों से कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता करने का आग्रह किया है।

नीलम पत्थर के लालच में भगवान लक्ष्मीनारायणजी की मूर्ति तोड़ी

जयपुर। आमेर क्षेत्र के साईवाड़ गांव स्थित प्राचीन ठाकुर लक्ष्मीनारायण जी मंदिर से अष्टधातु की बहुमूल्य मूर्ति चोरी होने के मामले का पुलिस ने गांव के ही एक युवक को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक विधि से संघर्षरत बालक को निरुद्ध किया गया है। आरोपियों ने मूर्ति के भीतर कीमती नीलम पत्थर या अन्य बहुमूल्य रत्न होने के लालच में उसे चोरी कर खंडित कर दिया और उसके टुकड़ों को ज्वार के खेत में दबा दिया था।पुलिस के अनुसार 5 जून 2026 की रात गांव में बिजली गुल होने का फायदा उठाकर आरोपियों ने मंदिर से भगवान लक्ष्मीनारायण की करीब दो फीट ऊंची अष्टधातु की मूर्ति चुरा ली। जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी गणेश शर्मा ने खुद को संदेह से दूर रखने के लिए बेहद शातिर तरीका अपनाया।मामले में साईवाड़ गांव स्थित प्राचीन मंदिर के पुजारी रामजीलाल शर्मा ने 5 जून को आमेर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले में गणेश शर्मा निवासी जमवारामगढ को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा एक विधि से संघर्षरत बालक को भी निरुद्ध किया।

सार-समाचार

प्रशिक्षण शिविर का समापन

देवली, (निस)। 21 जून को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाए जाने के लिए उपखंड स्तरीय तैयारिया जोर शोर से शुरू हो गई है। योग दिवस के नोडल अधिकारी डॉ पी एल जांगिड़ ने जानकारी में बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का दौर लगातार जारी है। इसी के चलते शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ है। तो वही उक्त प्रशिक्षण शिविर में उपखंड की प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर योगाभ्यास कराने वाले योग शिक्षकों को प्रोटोकॉल के अनुसार प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।, इस प्रशिक्षण में शारीरिक शिक्षकों और आयुर्वेद विभाग के योग शिक्षकों ने भाग लिया है। जानकारी के अनुसार ब्लॉक नोडल अधिकारी डॉ. पीएल जांगिड़ ने सभी योग शिक्षकों को अपने पंचायत मुख्यालय पर आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों को सफल बनाए जाने के लिए प्रोटोकॉल के अनुसार अनुशासित,व्यवस्थित और उचित प्रबंधन बनाए रखने के निर्देश जारी किये है। तो वही इस मौके पर नोडल अधिकारी जांगिड़ ने उपस्थित प्रतिभागियों से अपने जीवन में योग को अपनाने और समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने की बात भी कही है। डॉ जांगिड़ ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सहायक नोडल अधिकारी डॉ. हजारीलाल बैरवा, हीरालाल और मनोज कुमार इत्यादि उपस्थित रहे है।

योग दिवस पोस्टर का विमोचन

टोंक, (निस)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर विनोद कुमार मीना ने शुक्रवार को टोंक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर एडीएम ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है। उन्होंने आमजन से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में अधिकाधिक भागीदारी निभाने का आह्वान किया। आयुर्वेद विभाग के उप निदेशक रामसहाय बैरवा ने बताया कि रविवार, 21 जून को जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम पुलिस परेड ग्राउण्ड टोंक में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों तथा आमजन की सहभागिता रहेगी। उन्होंने कहा कि योग दिवस के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

मनोहरपुर की इंदिरा कॉलोनी में जेसीबी ने साफ किया जाम नाला

मनोहरपुर, (निस)। कस्बे की इंदिरा कॉलोनी में स्थित गंदे पानी की निकासी के मुख्य नाले की शुक्रवार को करीब 20 वर्षों बाद सफाई करवाई गई। लंबे समय से जाम पढ़े नाले की सफाई के लिए लगभग 7 घंटे तक जेसीबी मशीन चलाकर उसमें जमा कचरा, गाद और झाढ़ियां हटाई गईं, जिससे क्षेत्रवासियों को बढ़ी राहत मिली है। जानकारी के अनुसार इंदिरा कॉलोनी में करीब एक किलोमीटर लंबा बरसाती नाला है, जिसमें वर्षों से गंदा पानी, कचरा और मलबा जमा होने के कारण पानी की निकासी पूरी तरह बाधित हो गई थी। ग्रामीणों की मांग पर नगर पालिका के सफाई ठेकेदार कृष्ण कुमार सोमजाट मौके पर पहुंचे और जेसीबी मशीन की सहायता से नाले की व्यापक सफाई करवाई। सफाई अभियान के दौरान बढ़ी मात्रा में कचरा और गाद बाहर निकाली गई। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि नाले की करीब 7 घंटे तक सफाई कर पानी निकासी की व्यवस्था को सुचारू बनाया गया है। साथ ही नाले को धूलेश्वर नाले से जोड़कर स्थायी निकासी व्यवस्था विकसित की जाएगी, जिससे भविष्य में जलभराव की समस्या से राहत मिल सकेगी। क्षेत्रवासियों ने वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होने पर नगर पालिका प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए नाले के स्थान पर पक्की नाली निर्माण की मांग भी उठाई है।

युवाओं का संवाद कार्यक्रम आयोजित

कोटपूतली, (निस)। कस्बे के डाबला रोढ़ स्थित महात्मा बुद्ध संस्थान द्वारा संचालित स्वयंसिद्धा आश्रम में शुक्रवार को वृद्धजनों के साथ युवाओं का संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निर्देशानुसार चल रहे इस अभियान के चौथे दिन युवाओं ने सेवा और संवाद की मिसाल पेश की। आश्रम परिसर में इलाईट फाउण्डेशन से जुढ़े युवा योगेन्द्र शर्मा, प्रदीप कसाना, दिनेश गुर्जर, दीपक सैनी और नितेश कुमार पहुंचे। युवाओं ने सबसे पहले पूरे आश्रम परिसर की साफ-सफाई में हाथ बंटाया। इसके बाद उन्होंने वहां रह रहे बुजुर्गों के साथ बैठकर लंबी चर्चा की और उनकी समस्याओं तथा स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। युवाओं ने बुजुर्गों को भरोसा दिलाया कि समाज हमेशा उनके साथ खढ़ा है। इस दौरान आश्रम के मैनेजर कानाराम, योगा शिक्षक ताराचन्द सैनी, चंचल, नर्सिंगकर्मी मुकेश कुमार, सुरेन्द्र कुमार, राजकुमार, राधेश्याम और आश्रम के सभी आवासी सदस्य उपस्थित रहे। संस्थान के सचिव ने बताया कि इस तरह के आयोजनों से युवा पीढ़ी में बुजुर्गों के प्रति सम्मान और सेवा की भावना मजबूत होती है।

ज्ञापन सौंपा

टोंक, (निस)। गत दिनों सआदत अस्पताल में दम तोड़ने वाले ज्वाली गांव के शिवजीराम यादव के मामले को लेकर यादव सामाजिक संगठनो ने शुक्रवार को शहर में रैली निकालकर धरना प्रदर्शन करते हुए प्रमुख मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट और एसपी ऑफिस पहुंचकर ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में बताया कि ज्वाली निवासी शिवजी लाल यादव की तबीयत खराब होने के बाद उसके बेटे महेंद्र यादव ने शिवजी लाल को सआदत अस्पताल भर्ती कराने के लिए ले जा रहे थे, तभी पुलिस लाइन के पास यातायात पुलिसकर्मियों ने उन्हे रोककर चालान काटने के लिए एक घंटा तक परेशान किया। इस दौरान शिवजीलाल का बेटा गिड़गिड़ाता रहा कि उसके पापा के सीने में जोरदार दर्द है, उन्हें जाने दो, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उनकी नहीं सुनी। इसके चलते शिवजीराम की तबियत ज्यादा बिगड़ती है, गाड़ी छुड़ाने में करीब एक घंटा का समय लग गया। इसके बाद महेंद्र अपने पिता को अस्पताल ले गया, जहां उसने करीब आधा घंटा में ही दम तोड़ दिया।

पुलिस पर मारपीट व अभद्रता का आरोप

टोंक, (निस)। देवली में रेगर समाज विकास समिति ने शुक्रवार को उपखंड अधिकारी रूबी अंसार को राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए दूनी में पुलिस द्वारा एक व्यक्ति के साथ कथित मारपीट मामले में उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया कि गत 14 जून को दूनी के रेगर मोहल्ला निवासी भागचंद रेगर के साथ पुलिस ने अमानवीय व्यवहार किया। पीड़ित के अनुसार, दो पक्षों के बीच हुए झगड़े के दौरान घर के बाहर खड़े भागचंद को दूनी थानाधिकारी व अन्य पुलिसकर्मी द्वारा बिना पूछताछ के गिरफ्तार करना बताया। रेगर समाज समिति ने आरोप लगाया कि तीनों पुलिसकर्मी ऑन-ड्यूटी शराब के नशे में थे, उन्होंने थाना परिसर में पीड़ित को लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा, जिससे उसकी पसलियां और रीढ़ की हड्डी टूट गईं, इसके साथ ही, पीड़ित से खाली कागजों पर जबरन हस्ताक्षर कराने का भी गंभीर आरोप है। घटना के बाद ग्रामीणों ने थाना परिसर के बाहर धरना देकर न्याय की मांग की थी।

प्रधानमंत्री ने 15 लाख युवाओं को 2400 करोड़ रु. प्रोत्साहन राशि हस्तांतरित की

उन्होंने कहा कि ''भारत के लिए दुनिया दरवाजे खोल रही है, 40 देश के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हुआ''

जयपुर(कासं)।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने "पीएम विकसित भारत रोजगार योजना" के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि युवा, भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं और देश का हुनर, कौशल एवं संभावनाएं असीम हैं। युवाओं की क्षमता को अवसरों में बदलने के लिए यह योजना मील का पत्थर साबित हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में देशभर के 15 लाख युवाओं को लाभान्वित करते हुए 2400 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को दी जा रही यह प्रोत्साहन राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि उनके परिश्रम और प्रतिभा का सम्मान है। सरकार युवाओं और उद्योग जगत के सामूहिक प्रयासों से विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पीएम-वीबीआरवाई आज न केवल पहली नौकरी पाने वाले युवाओं को सशक्त बना रही है, बल्कि उद्योगों को भी रोजगार सृजन के लिए प्रोत्साहित कर रही है।प्रधानमंत्री ने कहा कि योजना के माध्यम से अब तक 70 लाख से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं तथा 20 लाख से अधिक नवनियुक्त युवा अपनी नियुक्ति के छह माह पूर्ण कर चुके हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश में 2 लाख से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप सक्रिय हैं और वैश्विक स्तर पर भारत के लिए नए अवसर खुल रहे हैं। 40 देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से 'मेक इन इंडिया' उत्पादों को नए बाजार उपलब्ध हो रहे हैं, जिससे रोजगार और आर्थिक विकास को गति मिल रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेते हुए निजी क्षेत्र में नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व से आज देश बदल रहा है और एक नए भारत का निर्माण हो रहा है। सरकार एक ओर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही है तो दूसरी ओर उद्योगों और कारोबार को प्रोत्साहन देकर आर्थिक विकास को गति दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल में देश के युवाओं के लिए रिकॉर्ड 17 करोड रोजगार का निर्माण किया है, वर्ष 2004 से 2014 तक केवल 2.92 करोड़ रोजगार के अवसरों का ही सृजन हुआ था। साथ ही जहां वर्ष 2014 से पहले देश में केवल 19 प्रतिशत लोगों (लगभग 25 करोड़) को सामाजिक सुरक्षा मिलती थी, वहीं आज देश के 64.3 प्रतिशत यानी करीब 94 करोड लोग सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आ चुके हैं।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेते हुए निजी क्षेत्र में नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रोजगार सृजन, कौशल विकास और युवा सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।कार्यक्रम में सांसद राव राजेंद्र सिंह, विधायक कालीचरण सर्राफ, संबंधित विभागों के अधिकारी, निजी नियोक्ता एवं नवनियुक्त कार्मिक उपस्थित रहे।

- **युवाओं के हुनर, कौशल और सामर्थ्य से साकार होगा विकसित भारत का सपना : नरेन्द्र मोदी**
- **'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना से मिला सामाजिक सुरक्षा का कवच, 70 लाख से अधिक रोजगार सृजित'**

40 पुलिस निरीक्षकों के तबादले

जयपुर। राजस्थान पुलिस मुख्यालय ने शुक्रवार को महकमे में एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 40 पुलिस निरीक्षकों (सीआई) के तबादले और पदस्थापन के आदेश जारी किए हैं। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (कार्मिक) बीजू जॉर्ज जोसफ द्वारा जारी इस आधिकारिक सूची में सबसे ज्यादा गाज जयपुर पुलिस कमिश्नरेट पर गिरी है, जहाँ बड़े स्तर पर बदलाव देखने को मिले हैं।

इस फेरबदल की सबसे खास बात यह रही कि स्थानांतरित किए गए अधिकांश पुलिस अधिकारियों को फील्ड पोस्टिंग से हटाकर विशेष इकाइयों और विभिन्न रेंजों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। माना जा रहा है कि यह कदम कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

जयपुर कमिश्नरेट से हटाकर कई सीआई को अजमेर, उदयपुर, कोटा रेंज, बीकानेर, जोधपुर कमिश्नरेट, सीआईडी (सीबी), एटीएस-एसओजी (एटीएस-एसओजी) और जीआरपी में भेजा गया है। कई अनुभवी अधिकारियों को सामान्य पुलिस थानों की कमान से मुक्त कर सीआईडी (अपराध शाखा) और अन्य तकनीकी व विशेष विंग्स में तैनात किया गया है। अरविंद सिंह शेखावत को बीकानेर रेंज से हटा कर जयपुर कमिनश्रेट में लगा गया है। सतपाल सिंह को जयपुर कमिनश्रेट से कोटा रेंज का पदभार सौपा गया है। सतीश चंद को जयपुर कमिश्नरेट से अजमेर रेंज में नियुक्त किया गया है। साथ इन्हे अपनी नई जिम्मेदारी संभालने के निर्देश दिए गए हैं।

जयसिंहपुरा खोर में दो अवैध पटाखा गोदामों पर पुलिस की छापेमारी

- **पुलिस ने मौके से 3710 किलो से ज्यादा विस्फोटक सामग्री जब्त की**

जयपुर। राजधानी जयपुर में अवैध पटाखों और विस्फोटक सामग्री के कारोबार के खिलाफ जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने कार्रवाई करते हुए जयसिंहपुरा खोर थाना क्षेत्र में संचालित दो अवैध पटाखा गोदामों पर छापेमारी की। इस संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने 26 विभिन्न ब्रांड के 560 कार्टून अवैध विस्फोटक सामग्री और बारूद जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बरामद विस्फोटक सामग्री का कुल वजन 3710 किलोग्राम से अधिक बताया गया है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजीव नैन ने बताया कि सीएसटी को मित्तल कॉलेज रोड स्थित दुकान संख्या-18 भारती पटाखा गोदाम में अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री रखे होने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस टीम ने छापा मारकर भारी मात्रा में पटाखे और बारूद जब्त किया।

जहां मौके से दीपक खंडेलवाल (38) निवासी कांजी नगर आगरा रोड जामडोली को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से 18 विभिन्न ब्रांड के 495 कार्टून विस्फोटक सामग्री, जिनका कुल वजन 1631.950 किलोग्राम है, तथा 3 से 4 किलोग्राम खुला बारूद बरामद किया।इस संबंध में जयसिंहपुरा खोर थाने में मामला दर्ज किया गया है। इसी कार्रवाई के दौरान पुलिस ने रूपा की नांगल नायला रोड स्थित ड्रीम पैराडाइज फार्म हाउस परिसर में बने एक स्टोर पर भी दबिश दी। यहां पूर्णिमा पटाखा गोदाम के समीप अवैध रूप से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी हुई मिली। पुलिस ने मौके से राजू शर्मा (45) निवासी रूपा की नांगल जयसिंहपुरा खोर को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 8 ब्रांड के 65 कार्टून अवैध विस्फोटक सामग्री बरामद की गई, जिनका कुल वजन 2078 किलोग्राम बताया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार रिहायशी और गैर-अधिकृत क्षेत्रों में इतनी बड़ी मात्रा में बारूद एवं विस्फोटक सामग्री का भंडारण किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता था। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि दोनों स्थानों पर बिना आवश्यक सुरक्षा मानकों और अनुमति के विस्फोटक सामग्री संग्रहित की जा रही थी।पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है कि इतनी बड़ी मात्रा में पटाखे और विस्फोटक सामग्री कहां से लाई गई थी तथा इसे किन क्षेत्रों में सप्लाई किया जाना था। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

रीको की प्रत्यक्ष आवंटन योजना के 11वें चरण में 400 से अधिक आवेदन

जयपुर। राजस्थान में उद्यिमयों-निवेशकों को पारदर्शी एवं सरल आवंटन प्रक्रिया से औद्योगिक भूखण्ड उपलब्ध कराने के लिए रीको द्वारा संचालित प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 को भरपूर समर्थन मिल रहा है। योजना के 11वें चरण में निवेशकों ने 265 औद्योगिक भूखण्डों के लिए 440 ऑनलाइन आवेदन किए हैं, जो राजस्थान में औद्योगिक निवेश करने के लिये निवेशकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

रीको द्वारा इस चरण में निवेशकों को राज्य के 105 औद्योगिक क्षेत्रों में 5000 से अधिक औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक भूखण्ड उपलब्ध कराए गए थे। इन भूखण्डों का कुल क्षेत्रफल लगभग 260 एकड़ तथा अनुमानित मूल्य करीब 300 करोड़ रुपये है। इस 11वें चरण के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की लॉटरी 22 जून 2026 को निकाली जाएगी। इनमें अजमेर के आईजीपी आईटी पार्क माकड़वाली के लिए 21, अलवर के औद्योगिक क्षेत्र आईजीपी रूंध सोखरी के लिए 82, बालोतरा के बोरावास कलावा प्रथम के लिए 12, बोरानाडा के बोरानाडा विस्तार औद्योगिक क्षेत्र के लिए 27 एवं औद्योगिक क्षेत्र कांकाणी के लिए 19, झुंझुनूं के औद्योगिक क्षेत्र मलसीसर के लिए 12 तथा जयपुर के श्रीराम जानकी औद्योगिक क्षेत्र, कुंजबिहारीपुरा के लिए 13 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

रीको के प्रबंध निदेशक सुरेश कुमार ओला ने बताया कि राज्य सरकार का उद्देश्य राजस्थान को निवेश और उद्योग के लिए सर्वाधिक अनुकूल क्षेत्र के रूप में विकसित करना है। निवेशकों के साथ किए गए एमओयू शीघ्र धरातल पर उतरें, नए उद्योग स्थापित हों तथा राज्य में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित हों, इसके लिए रीको प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। प्रत्यक्ष आवंटन योजना इस दिशा में एक प्रभावी एवं परिणामकारी पहल साबित हो रही है।

10 लाख की नकबजनी करने वाला नौकर ही निकला मास्टरमाइंड

जौहरी बाजार स्थित कुर्ती की दुकान मे हुई वारदात का खुलासा

- **पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की रकम में से 7.90 लाख रुपए बरामद**
- **वारदात का पर्दाफाश करने के लिए पुलस ने 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। परकोटा क्षेत्र के जौहरी बाजार स्थित एक कुर्ती दुकान में हुई दस लाख रुपए की सनसनीखेज नकबजनी का माणकचौक थाना पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया। इस मामले में सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ कि चोरी की वारदात को अंजाम देने वाला कोई बाहरी बदमाश नहीं,बल्कि दुकान में कार्यरत 21 वर्षीय नौकर ही निकला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई रकम में से 7 लाख 90 हजार रुपए बरामद कर लिए हैं। चोरी के बाद दुकान की ऊंचाई से छलांग लगाने के कारण आरोपी के दोनों पैर फ्रैक्चर हो गए थे, लेकिन इसके बावजूद वह नकदी लेकर मौके से फरार हो गया था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि परकोटा क्षेत्र के जौहरी बाजार स्थित एक कुर्ती दुकान में हुई दस लाख रुपए की सनसनीखेज नकबजनी का माणकचौक थाना पुलिस ने खुलासा करते हुए सचिन प्रजापत (21) निवासी कोलवा जिला दौसा को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को परिवादी की दुकान पर काम करता था। उसे दुकान के व्यापारिक लेन-देन और नकदी रखने के स्थान की पूरी जानकारी थी।पुलिस जांच में सामने आया कि 17 जून को दुकान में व्यापारिक लेन-देन के दौरान बडी राशि गल्ले में रखी गई थी। रकम देखकर आरोपी के मन में लालच आ गया। उसने मालिक से घर जाने की बात कही, लेकिन चुपचाप अपनी चप्पलें उठाकर दुकान के अंदर ही एक सुरक्षित स्थान पर छिप गया।

रात करीब 8.45 बजे दुकान मालिक के दुकान बंद कर घर जाने के बाद आरोपी अपनी छिपने की जगह से बाहर निकला। उसने दुकान की तलाशी ली और गल्ला तोड़कर उसमें रखे करीब 10 लाख रुपए निकाल लिए।

वारदात के बाद दुकान से बाहर निकलने के लिए आरोपी ने दुकान में रखी साड़ियों को आपस में बांधकर एक लंबी रस्सी बनाई। उसने पीछे की खिड़की खोली और रस्सी के सहारे नीचे उतरने का प्रयास किया, लेकिन रस्सी जमीन तक नहीं पहुंच सकी।

पुलिस के अनुसार काफी ऊंचाई होने के बावजूद आरोपी ने नीचे छलांग लगा दी, जिससे उसके दोनों पैर फ्रैक्चर हो गए। गंभीर चोट लगने के बावजूद वह चोरी की रकम लेकर वहां से फरार होने में सफल रहा। टीम में थानाधिकारी राकेश ख्यालिया, सहायक उपनिरीक्षक सोहनलाल, हेड कांस्टेबल हरदयाल सिंह, कांस्टेबल गिरधर सिंह तथा कांस्टेबल छीतरमल शामिल रहे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की रकम में से 7.90 लाख रुपए बरामद कर लिए। पुलिस अब आरोपी से शेष राशि के संबंध में पूछताछ कर रही है तथा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि चोरी की बची हुई रकम कहां खर्च या छिपाई गई है।

गौरतलब है कि परिवादी प्रदीप मुलराजानी (46) निवासी आदर्श नगर, जयपुर ने बताया कि उनकी फर्म एम/एस पीताम्बर अटायर एलएलपी रतनश्री हाउस, रामलालजी का रास्ता, जौहरी बाजार में संचालित है, जहां फैब्रिक कुर्ती का व्यवसाय किया जाता है। उन्होंने 17 जून की रात करीब 8.45 बजे दुकान बंद की थी।

परियोजनाओं की स्वीकृति से लेकर कार्यादेश तक सभी प्रक्रियाओं को स्ट्रीम लाइन करें- भजनलाल

राज उन्नति की बैठक में खाटू श्याम जी मंदिर को भव्य स्वरूप प्रदान करने के निर्देश दिए

जयपुर, 19 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पानी, बिजली, चिकित्सा, सड़क सहित, जनसुविधाओं से जुड़े किसी भी काम में प्रशासनिक शिथिलता के कारण देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में ''राज उन्नति'' की छठी बैठक में कहा कि आमजन को

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीगंगानगर जिले में एक ही भूमि के दो पट्टे जारी किए जाने पर व जन सुविधा की आरक्षित भूमि पर व्यवसायिक पट्टा देने के प्रकरण में यूआईटी सचिव सहित 6 कार्मिकों को निलंबित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित राज उन्नति की छठी बैठक में अधिकारियों दिशा-निर्देश दिए।

योजनाओं और विकास परियोजनाओं का निरन्तर लाभ मिलना चाहिए। निविदा प्रक्रिया में देरी या किसी भी अन्य कारण से इनमें रूकावट आई तो अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने सांगानेर में सीईटीपी के पम्पिंग स्टेशन और पाइप-लाइन के काम में देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकारी मौके पर जाकर मुआयना करें और शीघ्रता से काम पूरा करवाएं। उन्होंने कहा कि देखने में आया है कि बडी परियोजनाओं में स्वीकृतियां, भूमि अधिग्रहण, निविदा प्रक्रिया और कार्यादेश जारी करने में लम्बा समय लगता है। उन्होंने मुख्य सचिव को इन प्रक्रियाओं को स्ट्रीमलाइन कर परियोजनाओं में लगने वाले समय को कम करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने श्रीगंगानगर जिले में एक ही भूमि के दो पट्टे जारी किए जाने पर, तथा जनसुविधा हेतु आरक्षित भूमि पर व्यावसायिक पट्टे जारी किए जाने के प्रकरण में यूआईटी सचिव सहित, इस प्रकरण में संलिप्त आधा दर्जन से अधिक कार्मिकों को निलंबित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की जिलेवार रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने 7 विभागों की 8 परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इन परियोजनाओं को मिशन मोड पर पूर्ण जिम्मेदारी से तय समय सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग और आरएसआरडीसी के अधिकारी निर्धारित ब्लू प्रिंट के अनुसार कार्य करते हुए खाटूश्याम जी मंदिर को भव्य स्वरूप प्रदान करें।

उन्होंने सचिवालय में स्थानाभाव को देखते हुए, जयपुर के लालकोठी क्षेत्र में प्रस्तावित कर्मयोगी भवन स्थापना की कार्ययोजना की समीक्षा की तथा आरएसआरडीसी को निर्माण कार्य शीघ्र प्रारम्भ करने के निर्देश दिए।

इस दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज उन्नति की पूर्व बैठकों में मुख्यमंत्री के निर्देशों की अनुपालना की प्रगति की जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि हर माह होने वाली राज उन्नति की बैठक में मुख्यमंत्री वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीसी के माध्यम से सीधे संवाद कर प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा करते हैं तथा समस्या का वास्तविक समय में समाधान किया जाता है।

पार्टी की सदस्यता छोड़ने पर संसद की सदस्यता भी चली जाती है- अभिषेक बनर्जी

नई दिल्ली, 19 जून। तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से संसद भवन में मुलाकात की। मुलाकात में उन्होंने अध्यक्ष से अनुरोध किया कि तृणमूल से अलग होने की बात कहने वाले धड़े को मान्यता नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान स्पष्ट कहता है कि पार्टी की सदस्यता छोड़ने

- तृणमूल नेता ने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर अलग होने वाले धड़े को मान्यता नहीं देने का अनुरोध किया

पर संसद की भी सदस्यता चली जाती है।

अभिषेक बनर्जी को इससे पहले 15 जून को लोकसभा अध्यक्ष से मिलना था। लेकिन कोलकाता में ईडी के समन के कारण मुलाकात संभव नहीं हो पाई। लोकसभा अध्यक्ष ने उन्हें आज 5 बजे मिलने का समय दिया था। मुलाकात के दौरान अभिषेक के साथ कल्याण बनर्जी, सौगत राय, महुआ मोइत्रा और डेरेक ओ ब्रायन भी थे।

लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में अभिषेक बनर्जी ने बताया कि उन्होंने पार्टी से अलग होने की बात कहने वाले धड़े को मान्यता नहीं दिए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने इसके पक्ष में दो तर्क रखे। उन्होंने कहा कि पार्टी के अलग समूह बनाने वाले सदस्यों में से कुछ ने दूसरी पार्टी जॉइन की है। ऐसे में वे तृणमूल कांग्रेस के सदस्य नहीं रहे।

नीट री-एग्ज़ाम अभ्यर्थियों के लिए एनटीए ने एडवायज़री जारी की

एडवायज़री में ड्रैस कोड के अलावा कौन सी वस्तुएं ले जा सकते हैं, कौन सी नहीं, यह भी बताया गया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जून। नैशनल टैस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने नीट यूजी 2026 के 21 जून को होने वाले री-एग्जाम में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए एक एडवाइज़री जारी की है, जिसमें परीक्षा केन्द्रों पर पालन किए जाने वाले ड्रेस कोड, अनुमति प्राप्त वस्तुएं और सुरक्षा प्रोटोकॉल की जानकारी दी गई है। एजेंसी ने उम्मीदवारों से अपील की है कि वे परीक्षा के सुचारु और सुरक्षित संचालन के लिए सभी निर्देशों का पालन करें।

परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए निम्न दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं- पानी की पारदर्शी बोतल परीक्षा हॉल के अंदर ले जाने की अनुमति है। उम्मीदवार अपना एडमिट कार्ड बारिश में भीगने या किसी अन्य नुकसान से बचाने के लिए पारदर्शी प्लास्टिक पाउच में ले जा सकते हैं। उम्मीदवार आस्था से जुड़े वस्त्र या प्रतीक पहन सकते हैं, जैसे धार्मिक प्रतीक, कलावा, पगड़ी, हिजाब आदि। लेकिन, इसके लिए उन्हें समय से पहले परीक्षा केन्द्र पर रिपोर्ट करना होगा, ताकि उचित जांच (फ्रिस्किंग) की जा सके। बेहतर होगा कि हल्के कपड़े पहनें, लेकिन आवश्यकता होने पर उम्मीदवार फुल स्लीव कपड़े या ऊनी वस्त्र पहन सकते हैं, लेकिन उनकी अतिरिक्त सुरक्षा जाँच होगी। इसी प्रकार, चप्पल और कम हील वाले जूते पहनना बेहतर है। लेकिन हाई हील जूते भी पहने जा सकते हैं, किन्तु इन उम्मीदवारों की अतिरिक्त जांच हो सकती है।

- दिशा-निर्देशों के अनुसार, पारदर्शी पानी की बोतल ले जा सकते हैं, एडमिट कार्ड को प्लास्टिक के पाउच में रख सकते हैं, पर किसी भी प्रकार के इलैक्ट्रोनिक उपकरण, मोबाइल फोन, इयर फोन, स्मार्ट वॉच, बड़े बैल्ट बकल, धातु के आभूषणों आदि पर रोक है।
- इसके अलावा अभ्यर्थी चाहे तो धार्मिक चिन्ह कलावा, पगड़ी, हिजाब आदि पहन सकता है, पर इसके लिए उन्हें निर्धारित समय से पहले आना होगा ताकि उनकी तलाशी प्रक्रिया हो सके।
- हाई हील के जूते-चप्पल भी पहने जा सकते हैं और पूरी बाजू के वस्त्र या गर्म कपड़ों की भी अनुमति है, पर इनकी भी विशेष तलाशी होगी।

एनटीए ने परीक्षा हॉल में इन वस्तुओं को ले जाने पर रोक लगाई है: मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, ईयरफोन, किसी भी प्रकार के संचार उपकरण, धातु की वस्तुएं, बड़े बेल्ट बकल, भारी आभूषण तथा अन्य ऐसी वस्तुएं, जो सुरक्षा जांच में बाधा डाल सकती हैं परीक्षण एजेंसी ने कहा है कि परीक्षा हॉल में प्रवेश से पहले, सभी उम्मीदवारों की अनिवार्य रूप से तलाशी (फ्रिस्किंग) ली जाएगी। उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे निर्धारित रिपोर्टिंग समय पर अपने परीक्षा केन्द्र पहुंचें, ताकि सुरक्षा जांच समय पर पूरी हो सके और अंतिम समय की परेशानी से बचा जा सके।

राहुल अब मुस्कुराकर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)?

तमिलनाडु में कांग्रेस को एक नया सहयोगी मिल गया है और कई दशकों बाद कांग्रेस राज्य की सत्ता का हिस्सा बनी है।

मुलायम सिंह यादव अब इस दुनिया में नहीं हैं और अखिलेश यादव राहुल गांधी के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं, क्योंकि उन्हें कांग्रेस के मुस्लिम, दलित और कमजोर वर्गों के वोटों की आवश्यकता है।

लालू यादव भी अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम चरण में हैं और उनके पुत्र तेजस्वी यादव ने राहुल गांधी को नेता के रूप में स्वीकार कर लिया है।

पिछले एक वर्ष में हुए इन बदलावों ने विपक्ष के बीच राहुल गांधी की स्थिति और छवि को मजबूत करने का काम किया है।

शिक्षा क्षेत्र, नीट, सीबीएसई, बेरोजगारी और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर मोदी सरकार के खिलाफ राहुल गांधी के हालिया हमलों को नई पीढ़ी, यानी जनरेशन-ज़ैड का समर्थन मिल रहा है। यह वही युवा वर्ग है, जो उभरते हुए भारत का प्रतिनिधित्व करता है लेकिन वर्तमान परिस्थितियों से नाराज़ तथा निराश है।

कांग्रेस के अधिक से अधिक कार्यकर्ता और नेता राहुल गांधी को भारत का अगला प्रधानमंत्री बनने की शुभकामनाएं दे रहे हैं और अब वे इसे मुस्कुराकर स्वीकार कर रहे हैं।

उन्होंने 2004 में राजनीति में प्रवेश किया, लोकसभा चुनाव लड़ा और सांसद बने। तब से अब तक उनकी राजनीतिक यात्रा लंबी, कठिन और उतार-चढ़ाव से भरी रही है, जिसमें उपलब्धियों से अधिक असफलताएं रही हैं। लेकिन आज उनके 56वें जन्मदिन के समारोह में वे जिस आत्मविश्वास और दृढ़ता से भरे दिखाई दिए, उससे स्पष्ट था कि पार्टी के भीतर और बाहर, दोनों जगह वे अब अपनी स्थिति को लेकर पहले से कहीं अधिक आश्वस्त हैं।

संभव है कि वे अगले एक-दो दिन में विदेश यात्रा पर चले जाएं, लेकिन पिछले वर्ष से वे अपना जन्मदिन कांग्रेस पार्टी के साथ ही मना रहे हैं।

अमेरिका-ईरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसमें 18 लोगों की मृत्यु हुई। ईरान ने लेबनान में हिंसा और हमलों को रोकने की शर्त के उल्लंघन की ओर इशारा किया, जिसे समझौते को अंतिम रूप देने के लिए आवश्यक माना गया था।

इसके बाद, ईरान जिनेवा वार्ताओं से अलग हो गया, वार्ता में शामिल होने के लिए उपराष्ट्रपति वेंस शुक्रवार को स्विट्ज़रलैंड जाने वाले थे। ईरान के हटने के बाद वेंस को अपना स्विट्ज़रलैंड दौरा रद्द करना पड़ा और स्थिति फिर से पहले जैसी अनिश्चित हो गई है।

इज़रायल और हिज़्बुल्लाह, दोनों ही ईरान और अमेरिका के बीच की वार्ता प्रक्रिया से स्वयं को बाहर महसूस कर रहे थे, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच समझौता लगभग अंतिम चरण में था। इज़रायल का मानना था कि उसे शामिल नहीं किया गया, जबकि हिज़्बुल्लाह को लगा कि उसका समर्थक रहा ईरान उसके हितों को नज़रअंदाज़ कर समझौता कर रहा है।

वार्ता के बाधित होने से विश्व और कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं और लोगों की खुशहाली पर गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं। युद्ध और तनाव के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ से तेल की आपूर्ति रुक गई थी, जिससे तेल की कीमतें बढ़कर लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच गई थीं।

भारत भी ईरान संकट से गंभीर रूप से प्रभावित हुआ, क्योंकि तेल और खासकर एलएनजी (ससोई गैस) की आपूर्ति लगभग बंद हो गई थी। युद्ध शुरू होने के बाद रसोई गैस की कीमतें तेजी से बढ़ीं, जिससे भारतीय परिवारों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया।

आज एक टैंकर भारत पहुँचा है, जो स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ के रास्ते तेल लेकर आया है। शुक्रवार को 25 जहाज़ इस जलमार्ग से गुज़रे, जो पहले की तुलना में बड़ा सुधार है, जब लगभग कोई आवाजाही संभव नहीं थी। ईरान ने कहा है कि वह इस जलमार्ग से गुजरने वाले जहाज़ों को मुफ्त समुद्री सेवाएँ प्रदान करेगा।

अमेरिका-ईरान समझौते के अनुसार, समुद्री मार्ग पूरी तरह से खोला जाना था और ईरान बिना किसी शुल्क के जहाज़ों को गुजरने देगा। यह वही व्यवस्था थी जो युद्ध शुरू होने से पहले थी।

चौदह बिंदुओं वाले इस समझौते में ईरान की परमाणु कार्यक्रम ने आगे न बढ़ाने की प्रतिबद्धता, नुकसान की भरपाई और ईरानी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए 300 अरब डॉलर का पुनर्निर्माण कोष, और अमेरिका द्वारा सभी प्रतिबंध हटाने का प्रावधान शामिल था।

यह समझौता ईरान को कई रियायतें देता है, जिसमें सभी प्रतिबंधों का हटना और वैश्विक बाजारों तक पहुंच बहाल होना शामिल है। लेकिन अब हिज़्बुल्लाह की कार्रवाई के कारण ईरान इन लाभों को खोने की स्थिति में है।

दूसरी ओर, इज़रायली सरकार पर दक्षिणपंथी समूहों का भारी दबाव है, जो इज़रायली सैनिकों की मौत के लिए हिज़्बुल्लाह को कठोर सज़ा देने की मांग कर रहे हैं।

दोनों पक्षों का रुख सख्त होने के कारण, शांति प्रक्रिया के बाधित होने की आशंका और बढ़ गई है।

कॉकरोच जनता पार्टी का जंतर-मंतर पर प्रदर्शन आज

नई दिल्ली, 19 जून। नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और उससे जुड़े विवादों के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक खुला पत्र लिखकर छात्र आत्महत्याओं के मामलों में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। पार्टी ने 20 जून से दिल्ली के जंतर-मंतर पर

- पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने प्रधानमंत्री को छात्र आत्महत्याओं पर खुला पत्र लिखा।

प्रदर्शन का ऐलान किया है।

प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में अभिजीत दीपके ने दावा किया है कि हाल के दिनों में परीक्षा संबंधी तनाव और कथित पेपर लीक की घटनाओं के कारण कई छात्रों ने आत्महत्या की है। उन्होंने मांग की कि ऐसे छात्रों के परिवारों को केंद्र सरकार की ओर से एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए।

पत्र में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की जवाबदेही तय करने की मांग भी उठाई गई है। कॉकरोच जनता पार्टी के अनुसार, कल यानी 20 जून से जंतर-मंतर पर छात्र और समर्थक एकत्र होंगे।

पार्टी का कहना है कि देशभर से छात्र इस आंदोलन में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंच रहे हैं।

कांग्रेस के साथ विलय का सवाल ही नहीं- उद्धव ठाकरे

मुंबई, 19 जून। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपनी पार्टी के 60वें स्थापना दिवस पर विरोधियों को करारा जवाब दिया है। मुंबई में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में उन्होंने कांग्रेस के साथ पार्टी के विलय की खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया। उद्धव ठाकरे ने दो टूक शब्दों में कहा कि जब हमने 30 साल के गठबंधन के बाद भी भाजपा के साथ अपनी पार्टी का विलय नहीं किया, तो फिर कांग्रेस के साथ विलय करने का सवाल ही पैदा नहीं होता।

अपनी पार्टी के छह लोकसभा सांसदों की बगावत के बीच शिवसेना-

- उद्धव ठाकरे ने स्थापना दिवस पर कहा कि अगर पार्टी को मुझ पर विश्वास नहीं है तो पद छोड़ दूंगा।

यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को भावुक होते हुए कहा कि चुनौतियों और हमलों के बावजूद मेरा संकल्प कमजोर नहीं पड़ा है, लेकिन अगर पार्टी को मुझ पर भरोसा नहीं है, तो मैं अपना पद छोड़ने को तैयार हूं। उन्होंने कहा, मैं किसी भी योग्य व्यक्ति को शिवसेना का अध्यक्ष बनाने के लिए तैयार हूं। मैं संघर्ष से पीछे हटने वाला नहीं हूं, लेकिन जिस दिन आपको लगे कि मैं इस जिम्मेदारी के लिये सही आदमी नहीं हूं, उसी दिन यह पद छोड़ दूंगा।

उद्धव ठाकरे ने भाजपा और कांग्रेस की राजनीति की तुलना करते हुए एक बेहद महत्वपूर्ण बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के साथ हमारे हमेशा से तीखे राजनीतिक मतभेद रहे हैं। विचारों की यह लड़ाई जगजाहिर है। लेकिन कांग्रेस ने कभी भी शिवसेना को जड़ से खत्म करने की कोशिश नहीं की। इसके विपरीत, भाजपा आज शिवसेना का नामोनिशान मिटाने पर तुली हुई है।

राष्ट्रीय सुरक्षा की हर समस्या ताकत से हल नहीं होती- उपराष्ट्रपति वैंस

अमेरिका-ईरान समझौते पर इज़रायल की आलोचनाओं पर अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने तीखी प्रतिक्रिया दी

वॉशिंगटन, 19 जून। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इज़रायल और ईरान के बीच 108 दिनों तक चले युद्ध के बाद अमेरिका-ईरान परमाणु समझौता वार्ता को लेकर इज़रायल की आलोचनाओं पर अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने गुरुवार को प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि हर राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी समस्या को ताकत का इस्तेमाल कर हल नहीं किया जा सकता।

तुर्किए की सरकारी संवाद समिति अनाडोलू एजेंसी के अनुसार, एक इंटरव्यू में अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि इज़रायल में इस समझौते को लेकर जो घबराहट और विरोध देखने को मिल रहा है, वह काफी हद तक अविश्वास और गलतफहमियों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने लंबे समय से इज़रायल का विश्वसनीय साझेदार होने का प्रमाण दिया है और यह मानना कि वॉशिंगटन ने कोई खराब समझौता किया है, तथ्यों से मेल नहीं खाता।

जेडी वैंस ने कहा कि इज़रायल की राजनीतिक व्यवस्था और जनता का एक बड़ा वर्ग इस समझौते को लेकर बेहद

- तुर्किये की सरकारी संवाद एजेंसी को इन्टरव्यू में जेडी वैंस ने कहा कि इज़रायल में इस समझौते पर घबराहट और विरोध काफी हद तक अविश्वास व गलतफहमियों पर आधारित है।

संवेदनशील है। उन्होंने विशेष रूप से इज़राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर और वित्त मंत्री बेज़लेल स्मोट्रिच का उल्लेख करते हुए कहा कि जो नेता इस समझौते की आलोचना कर रहे हैं, उन्हें यह भी बताना चाहिए कि उनके पास वैकल्पिक समाधान क्या है।

उन्होंने कहा, ''आप 90 लाख लोगों का देश हैं। आप अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी हर समस्या को केवल लोगों को मारकर या ताकत का इस्तेमाल कर हल नहीं कर सकते।''

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने दावा किया कि यह समझौता न केवल इज़रायल बल्कि पूरे मध्य पूर्व क्षेत्र और दुनिया के लिए लाभदायक साबित हो सकता है। उनके अनुसार, इस प्रक्रिया ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को काफी हद तक कमजोर किया है और तेहरान को ऐसी रियायतें देने की स्थिति में पहुंचाया है, जो कुछ महीने पहले तक असंभव लगती थीं।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस का बयान ऐसे समय में आया है जब इज़रायल और ईरान के बीच तनाव बना हुआ है और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंताएं जारी हैं।

स्टालिन ने भी राहुल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिखा: ''भारत के विचार, हमारे संविधान और संघवाद की रक्षा के लिए हमारा साझा संकल्प हमें मार्गदर्शन देता रहेगा-यह हमारे लोकतंत्र की आत्मा की लड़ाई है, और हम इसे साथ मिलकर तब तक लड़ते रहेंगे, जब तक जीत नहीं मिलती।''

यह उत्तर राहुल गांधी की ओर से उस अलग हुए सहयोगी के लिए एक संधि संदेश (ऑलिव ब्रान्च) माना जा रहा है, खासकर उस स्थिति में, जब कांग्रेस ने तमिलनाडु चुनावों के बाद टीवीके के साथ जाने का निर्णय ले लिया है।

कांग्रेस के इस कदम से नाराज डीएमके ने पार्टी से संबंध तोड़ लिए हैं और इंडिया गठबंधन से भी दूरी बना ली है। पार्टी ने इस महीने की शुरुआत में हुई इंडिया ब्लॉक की बैठक में भी भाग नहीं लिया और लोकसभा अध्यक्ष को यह पत्र भी लिखा है कि उसे सदन में नई बैठक व्यवस्था चाहिये, क्योंकि वह कांग्रेस सांसदों के साथ बैठना नहीं चाहती।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के नए मित्र जोसेफ विजय ने भी राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं और उन्हें ''भाई'' कहा। इससे स्टालिन द्वारा 2025 में राहुल के जन्मदिन पर दी गई शुभकामना याद आ गई।

विजय ने लिखा: ''आप, जो हमारे महान राष्ट्र भारत के विकास, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए अपनी आवाज उठाते रहते हैं, मैं आपको अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु, आपके सभी प्रयासों में सफलता और सार्वजनिक जीवन में उत्कृष्ट सेवा की कामना करता हूँ।''

राहुल गांधी ने विजय को जवाब देते हुए लिखा: हम संविधान और हमारे लोकतंत्र को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता में एकजुट हैं-और साथ मिलकर हम तमिलनाडु के लोगों के कल्याण, गरिमा और आकांक्षाओं के लिए काम करते रहेंगे।

जहाँ स्टालिन और विजय के पोस्ट कांग्रेस के साथ उनके बदलते संबंधों को दिखाते हैं, वहीं राहुल गांधी के जवाब भी एक अलग कहानी कहते हैं।

विजय को उन्होंने तमिलनाडु स्तर पर काम जारी रखने का आश्वासन दिया, जबकि स्टालिन को उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भारत के विचार की रक्षा के साझा संकल्प का संदेश दिया।

यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या डीएमके राहुल गांधी के ''एकता'' के आ ान को राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार करेगी। डीएमके के पास लोकसभा में 22 सांसद हैं और वह विपक्षी राजनीति में एक महत्वपूर्ण शक्ति है। खासकर तृणमूल और यूबीटी सेना के विघटन के बाद, कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लिए डीएमके के समर्थन के बिना प्रमुख भाजपा विधेयकों को रोकना कठिन होगा।

आने वाले सप्ताह यह बताएंगे कि स्टालिन भाजपा की विपक्षी दलों को विभाजित करने के कुत्सित खेल को कैसे देखते हैं और क्या वे मोदी-शाह के साथ मिलकर अल्पकालिक राजनीतिक लाभ लेने के बजाय, दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाते हैं।

शासन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को पहली बार जमानती वारंट जारी करते हुए 12 जून को तलब किया था, लेकिन कार्यालय बंद होने की वजह से वारंट की तामील नहीं हो सकी। ऐसे में अगली सुनवाई पर बेंच ने फिर से आईएएस को जमानती वारंट जारी करते हुए 1 जुलाई को तलब किया है।

पिछली सुनवाई पर बेंच ने कहा कि हमने विभाग के शासन सचिव अंबरीश कुमार को सम्मन जारी करते हुए 8 जून को बेंच के समक्ष उपस्थित होने के निर्देश दिए थे। सम्मन की तामील होने के बावजूद, शासन सचिव उपस्थित नहीं हुए और न ही अनुपस्थिति का कोई कारण बताया गया। यह न्यायिक आदेशों की अवहेलना है। ऐसे में शासन सचिव को जमानती वारंट जारी किए जाते हैं।

'राम मंदिर के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा के लिए नुकसानदेह दिख रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि पार्टी के अपने नेताओं ने भी इस मुद्दे को उठाया है। विवाद तब और बढ़ गया, जब समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक पवन पांडेय ने दावा किया कि कम से कम 7 करोड़ रुपये की दान राशि का गबन किया गया है। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने अदालतों से इन आरोपों पर संज्ञान लेने की अपील की है, जबकि भाजपा के कुछ नेताओं ने भी इस विवाद को और हवादी है।

भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने हाल ही में दावा किया कि उन्हें दान राशि के कथित दुरुपयोग की जानकारी है, लेकिन उन्होंने सार्वजनिक रूप से इसका विवरण देने से इनकार कर दिया। भाजपा के वरिष्ठ नेता रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर ट्रस्ट के वित्तीय मामलों में अधिक पारदर्शिता की मांग की है।

उन्होंने दान, खर्च, संपत्तियों, बैंक खातों और भूमि लेन-देन का विवरण सार्वजनिक रूप से जारी करने की मांग करते हुए कहा कि मंदिर में दान देने वाले श्रद्धालुओं को यह जानने का अधिकार है कि उनकी भेंट का उपयोग कैसे किया जा रहा है।

इस बीच, नृपेन्द्र मिश्रा ने नकदी, सिक्कों और कीमती धातुओं सहित विभिन्न प्रकार के दानों के प्रबंधन में गंभीर कमियों की ओर ध्यान दिलाया है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रबंधन व्यवस्था के दो मूल आधार, ईमानदारी और निगरानी होते हैं, लेकिन इस मामले में दोनों स्तरों पर विफलता दिखाई दी है। पूर्व नौकरशाह ने कहा कि इस पूरे मामले से उन्हें बहुत दुख हुआ है, विशेषकर इसलिए क्योंकि यह विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब राम मंदिर प्रोजेक्ट अपने अंतिम चरण में पहुँच चुका है।

जहाँ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का कहना है कि धन के गायब होने का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है, वहीं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इसी महीने उत्तर प्रदेश सरकार से विस्तृत और निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इसके बाद, उत्तर प्रदेश सरकार ने 13 जून को तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया।

वरिष्ठ अध्यापक परीक्षा में बैठने वाला डमी परीक्षार्थी गिरफ्तार

आरोपी राजकीय महाविद्यालय रानीवाड़ा में लैब असिस्टैंट है और मूल प्रत्याशी की जगह परीक्षा में बैठा था

जयपुर, 19 जून। स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) द्वितीय श्रेणी प्रतियोगी परीक्षा-2022 में डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा पास कराने के मामले में कार्रवाई करते हुए, एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी महेन्द्र कुमार मूल अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा में बैठा था। चौंकाने वाली बात यह है कि महेन्द्र कुमार स्वयं सरकारी कर्मचारी है और जालौर जिले के राजकीय महाविद्यालय रानीवाड़ा में लैब असिस्टेंट के पद पर कार्यरत था।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 में डमी अभ्यर्थी बैठाने के मामले की जांच के दौरान, महेन्द्र कुमार (30), निवासी खिरोड़ी, जिला जालौर, की भूमिका सामने आई। आरोपी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की जा रही है तथा पूरे गिरोह के अन्य सदस्यों के

- एसओजी के अनुसार, मध्यस्थ रामहंस मीना के जरिए सत्य प्रकाश मीना और महेन्द्र कुमार के बीच 6 लाख रूपए में डमी के रूप मे परीक्षा देने का सौदा हुआ। महेन्द्र कुमार ने सत्य प्रकाश के स्थान पर सामान्य ज्ञान और शैक्षिक मनोविज्ञान की परीक्षा दी।

संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

जांच में सामने आया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) द्वारा आयोजित वरिष्ठ अध्यापक (विज्ञान) भर्ती परीक्षा में मूल अभ्यर्थी सत्य प्रकाश मीना (32), निवासी मोहनपुरा जिला गंगापुर सिटी, ने स्वयं परीक्षा नहीं दी थीं। उसने परीक्षा पास करने के लिए डमी परीक्षार्थियों की मदद ली थी।

एसओजी के अनुसार, मध्यस्थ रामहंस मीना के जरिए सत्य प्रकाश मीना और महेन्द्र कुमार के बीच छह लाख रुपए में सौदा तय हुआ था। इसके तहत, 29 जनवरी 2023 को भरतपुर स्थित श्री अग्रसेन महिला विद्यापीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल परीक्षा केन्द्र पर महेन्द्र कुमार ने सत्यप्रकाश मीना के स्थान पर सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान विषय की परीक्षा दी थी।

एसओजी जांच में यह भी सामने आया कि डमी अभ्यर्थियों की मदद से परीक्षा उत्तीर्ण कर सत्यप्रकाश मीना का वरिष्ठ अध्यापक (विज्ञान विषय) पद पर चयन हो गया था। लेकिन आरपीएससी में शिकायत पहुंचने के कारण उसका नियुक्ति पत्र जारी नहीं हो सका। एसओजी इस मामले में मुख्य अभ्यर्थी सत्य प्रकाश मीना को 28 दिसंबर 2023 को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

प्रदर्शन में निरंतरता को लेकर सवाल उठते हैं, क्योंकि मेरे मामले में पिछले चयन चक्र के मुकाबले अलग-अलग पैमाने और बातों को ध्यान में रखा गया। अगर वही नियम लागू होने थे जो पिछले एशियन गेम्स के चयन में लागू हुए थे।
- मनिका बत्रा

भारतीय टेनिस खिलाड़ी, मुख्य टीम में शामिल नहीं किये जाने

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ नीरज चोपड़ा

भारत के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने भारतीय खेलों को डोपिंग मुक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए भारतीय ओलंपिक संघ के साथ मिलकर एक विशेष जागरूकता अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान का उद्देश्य खिलाड़ियों को प्रदर्शन बढ़ाने वाली प्रतिबंधित दवाओं के खतरों के प्रति जागरूक करना और स्वच्छ खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रघुराम अय्यर ने बताया कि भारतीय ओलंपिक संघ और नीरज चोपड़ा फाउंडेशन के बीच क्लीन स्पोर्ट्स अभियान के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... पुरुषों के लिए पहला फुटबॉल फीफा विश्व कप 1930 में आयोजित किया गया था जबकि महिला टूर्नामेंट 1991 में शुरू हुआ था।

FIFA WORLD CUP 2026

आज के मैच

स्कॉटलैंड बनाम मोरक्को
सुबह 3.30 बजे

ब्रॉजील बनाम हैती
सुबह 6.00 बजे

तुर्की बनाम पैराग्वे
सुबह 8.30 बजे

नीदरलैंड बनाम स्वीडन
सुबह 10.30 बजे

नॉकआउट चरण में पहुंचने वाला पहला देश बना मेक्सिको

दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराया

नई दिल्ली, 19 जून। फीफा विश्व कप 2026 में मेजबान मेक्सिको ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया और नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली। मुकाबले का एकमात्र और निर्णायक गोल लुइस रोमो ने दूसरे हाफ में किया। यह गोल दक्षिण कोरिया के गोलकीपर किम स्युंग-ग्यु की बड़ी गलती के बाद आया। दूसरे हाफ के पांचवें मिनट में मेक्सिको ने बढ़त बनाई, जब एक क्रॉस को पकड़ने के प्रयास में किम अपने ही साथी खिलाड़ी से टकरा गए और गेंद उनके हाथ से छूट गई। मौके का फायदा उठाते हुए रोमो ने बिना किसी गलती के गेंद को खाली गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। गोल खाने के बाद दक्षिण कोरिया ने वापसी की कोशिश की। हालांकि किम ने बाद में शानदार बचाव करते हुए राउल जिमेनेज को दूसरा गोल करने से रोक दिया।

मुकाबले के अंतिम क्षणों में दक्षिण कोरिया को बराबरी का मौका मिला, लेकिन मेक्सिको के गोलकीपर राउल रांजेल ने यांग ह्युन-जुन के प्रयास को शानदार तरीके से रोककर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ मेक्सिको छह अंकों के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर रहा और अगले दौर में पहुंच गया। अब मेक्सिको अगले मुकाबले में बुधवार को एस्तादियो अज़्टेका में चेकिया का सामना करेगा। वहीं दक्षिण कोरिया, जिसके तीन अंक हैं, अपने अगले मुकाबले में मॉन्टेरी में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा।

स्विट्ज़रलैंड ने बोस्निया को 4-1 से हराया

इंगलवुड, 19 जून। फीफा विश्व कप 2026 में स्विट्ज़रलैंड ने शानदार वापसी करते हुए शुक्रवार तड़के बोस्निया-हर्जेगोविना को 4-1 से हराकर ग्रुप बी में मजबूत स्थिति बना ली। मुकाबले का निर्णायक मोड़ दूसरे हाफ में आया, जब विकल्प खिलाड़ी योहान मंजांबी ने विश्व कप का अपना पहला गोल दागा और इसके बाद स्विट्ज़रलैंड ने लगातार आक्रामक खेल दिखाते हुए बड़ी जीत दर्ज की। पहले हाफ में स्विट्ज़रलैंड ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन बोस्निया की सधी हुई रक्षापंक्ति के सामने उसे सफलता नहीं मिली। दूसरे हाफ में स्विट्ज़रलैंड ने दबाव बढ़ाया और 74वें मिनट में मंजांबी ने शानदार वॉली के जरिए टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद बोस्निया की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब तारिक मुहरेमोविच को खतरनाक टैकल के कारण लाल कार्ड दिखाया गया और टीम 10 खिलाड़ियों तक सीमित हो गई। संख्यात्मक बढ़त का फायदा उठाते हुए स्विट्ज़रलैंड ने 84वें मिनट में रूबेन वर्गास के गोल से स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद 90वें मिनट में वर्गास के पास पर मंजांबी ने अपना दूसरा गोल दागा। मैच के इंजरी टाइम में कप्तान ग्रेनिट झाका ने पेनाल्टी को गोल में बदलते हुए स्कोर 4-1 कर दिया। बोस्निया की ओर से एकमात्र गोल एर्मिन माहमिक ने इंजरी टाइम में किया। हालांकि हार के बावजूद बोस्निया की टीम अब भी नॉकआउट चरण में पहुंचने की दौड़ से बाहर नहीं हुई है।

खोया पाया

मेरे प्लाट संख्या 420 जेडीए स्कीम बिन्दायका, जयपुर का मूल पट्टा (लीज डीड) कहीं गुम हो गये है कृपया मिलने पर सूचित करें। 8000343305

भैरव गृह नि.सं. समिति की योजना गजोदरपुरा देव वाटिका स्थित कालवाड रोड में अवासीय भूखण्ड प्लाट नं. 41 व 42 सोसायटी द्वारा मूल पट्टे सोसायटी रसीद गुम हो गए है। मिलने पर सूचना करें। कान्ता देवी- 6378478311

मेरे भूखण्ड सं. 60 हथरोई गृह निर्माण सहकारी समिति की योजना चौधरी नगर जयपुर की समिति से जारी मूल सोसाइटी रसीद कहीं गुम हो गयी है मिलने पर सूचित करें-राम किशोर पारीक मो. 7728897575

नाम परिवर्तन

मेरे आर्मी रिकार्ड नं.17002386H NK (TECH GCE) संतोष शर्मा निवासी सी-52 संस्कार विहार, मीनावाला, पांच्यावाला, वैशाली नगर, जयपुर (राज.) मैंने अपनी माताजी का नाम पार्वती देवी शर्मा Parwati Devi Sharma) से बदलकर पार्वती शर्मा Parvati Sharma (D.O.B. 01.01.1965) कर दिया है। Vide affidavit दिनांक 18.06.2025 नोटेरी पब्लिक जयपुर (राज.)

I, Prem Wati is legally wedded spouse of JC-91581N Sub Late Kalyan Singh resident of A-18 Fateh Colony, Khatipura Road, Jhotwara, Jaipur that I want to change my name in my husband service record from PREM WATI TO PREM VATI CHOUHAN vide affidavit dated 12 June 2026 before Sub Divisional Magistrate Jaipur City North.

मनोज दासोत उपाध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर, 19 जून। आज भीलवाड़ा में संपन्न हुए राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन के चुनाव में जयपुर बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव मनोज दासोत राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन के उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए। उन्हें पुन: राजस्थान बैडमिंटन के उपाध्यक्ष बनने पर जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष अनिल मेहता व कोषाध्यक्ष अतुल गुप्ता ने बधाई दी।

आरोही और शौर्य भार्गव ने अंडर-17 डिस्ट्रिक्ट चैम्पियनशिप जीती

जयपुर, 19 जून। अंडर-17 ज़िला चयन टूर्नामेंट में आरोही शर्मा और शौर्य भार्गव नए विजेता बनकर उभरे। टूर्नामेंट की शुरुआत में 5वीं वरीयता प्राप्त आरोही और शौर्य ने क्रमश: लड़कियों के वर्ग में कैवल्य गोयनका और गहना अजमेरा को तथा लड़कों के वर्ग में गौरांश शर्मा, गर्वित शर्मा और नील मिधा को हराकर खिताब अपने नाम किया। प्रेसिडेंट श्रीमती आशा भार्गव, सेक्रेटरी जयेंद्र चतुर्वेदी और ट्रेज़रर मधु मेहता ने विजेताओं, उनके माता-पिता और कोचों को बधाई दी। और आने वाली प्रतिभागियों में जयपुर जिले के खिलाड़ी द्वार उत्कृष्ट प्रदर्शन की आशा की।

शास्त्री एकेडमी की जीत में वरूण व जश्न रमना चमके

जयपुर, 19 जून। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित चतुर्थ डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज हुकम सिंह क्रिकेट ग्राउण्ड हातोज में खेले गये सेमी फाईनल मैच में वरूण 48 रन नाबाद (25 गेंद 2 चौके, 4 छक्के) जश्न रमाना 43 रन की शानदार पारियों की बदौलत शास्त्री क्रिकेट एकेडमी ने अन्तिम गेंद पर चोका लगाकर कृष्णा क्रिकेट एकेडमी को 4 विकेट से हराकर रोमांचक जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया।

रॉयल क्लब के अंशु और ब्रदर्स यूनाइटेड के नुकूल और जीशान की हैट्रिक से मैच जीते

जयपुर, 19 जून। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में पूर्णिमा यूनिवर्सिटी जयपुर के फुटबॉल मैदान पर आज 4 मैच खेले गए संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि पहले मुकाबले में रॉयल फुटबॉल क्लब ने एएसएल फुटबॉल क्लब को 5-1 से पराजित किया। रॉयल फुटबॉल क्लब कि तरफ से तीन गोल अंशु ने 30,56,60 मिनट में किए व दो गोल अमन ने 2,39 मिनट में किए तथा एएसएल फुटबॉल क्लब कि तरफ से एक गोल राजेंद्र ने 32, मिनट में किया दूसरा मुकाबला - जयपुर बॉयज फुटबॉल एकेडमी व रेड स्टोन फुटबाल क्लब के बीच खेला गया जिसमें 1-1 की बराबरी पर रहा।

राजस्थान आवासन मण्डल वृत- प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक: 1432 जाहिर आम सूचना दिनांक 15.06.2026
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 31/443 (MIG-A), (एरिया 90.00 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री रामअवतार विजय पुत्र श्री मालीराम विजय को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 3906 दिनांक 03.11.1992 को जारी किया गया। डॉ. विष्णु दयाल माथुर पुत्र श्री शम्भुदयाल माथुर के पक्ष में उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 2308 दिनांक 10.03.2005 के द्वारा किया गया। डॉ विष्णु दयाल माथुर के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 19.03.2005 को उप पंजीयक सांगानेर, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। डॉ. विष्णु दयाल माथुर की मृत्यु दिनांक 18.10.2023 को हो जाने के कारण पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर इनके पुत्र श्री योगेश माथुर पुत्र स्व. डॉ विष्णु दयाल माथुर द्वारा उक्त आवास को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अत: उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/ पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति स्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं हैं, श्री योगेश माथुर पुत्र स्व. डॉ. विष्णु दयाल माथुर का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
संपदा प्रबंधक, वृत प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलान मोहम्मद असलम पुत्र अब्दुल गफ्फार नि. म.नं. 3669, पुराना तबेला, चौ. रामचन्द्र जी, रामगंज बाजार, जयपुर का पुत्र मोहम्मद अबूबकर मेरे मुवक्किल के कहे में नहीं है और नशे का आदि है और मेरे मुवक्किल व परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मोहम्मद अबूबकर छोटी-छोटी बातों को लेकर गाली गलोच व झगडा करता है इसलिए मेरे मुवक्किल ने अपने पुत्र को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से एवं अपने परिवार से बेदखल कर उक्त पुत्र से सभी संबंध समाप्त कर दिये है, जो कोई व्यक्ति मेरे मुवक्किल के उक्त पुत्र से किसी भी तरह का संव्यवहार अथवा लेन-देन करेगा उसका जिम्मेदार वह स्वयं होगा, कृपया सूचित रहें।
(जावेद खान) एडवोकेट, मो. 9024364110

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल सिराजुद्दीन पुत्र स्व. श्री निजामुद्दीन, निवासी सी-735, भट्टा बस्ती, शास्त्री नगर, जयपुर-302016 (राज.) स्वयं के पिताजी निजामुद्दीन पुत्र नजीर मोहम्मद जिनके नाम से आवासीय प्लाट नं. सी- 734, संजय नगर, भट्टा बस्ती (क.ब.), जयपुर (राज.) है जो कि निर्मित अवस्था में है जिसे मेरे मुवक्किल तथा मेरे मुवक्किल के भाई मैराजुद्दीन पुत्र निजामुद्दीन एवं मेरे मुवक्किल के भाई मैराजुद्दीन की पत्नि मुन्नी एवं मेरे मुवक्किल के पिताजी निजामुद्दीन पुत्र नजीर मोहम्मद ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एचडीएफसी लिमिटेड) से ऋण लिया हुआ था जिसका ऋण खाता संख्या 618177773 व 618764553 है तथा उक्त वर्णित सम्पत्ति के समस्त असल दस्तावेज एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एचडीएफसी लिमिटेड) में रहन (MORTGAGE) कर रखे है। मेरे मुवक्किल के पिताजी निजामुद्दीन पुत्र नजीर मोहम्मद का दिनांक 16.10.2018 को स्वर्गवास हो चुका है तथा मेरे मुवक्किल की दादीजी श्रीमती नूह निशा पत्नी नजीर मोहम्मद का स्वर्गवास मेरे मुवक्किल के पिताजी के जीवनकाल में कई वर्षो पूर्व हो गया था तथा मेरे मुवक्किल की माताजी श्रीमती जैतून पत्नी निजामुद्दीन का भी दिनांक 07.12.2010 को स्वर्गवास हो चुका है तथा मेरे मुवक्किल की बहिन नसीम बानो पुत्री निजामुद्दीन जो कि मानसिक रूप से विक्षिप्त थी तथा जिसका तलाक हो चुका था एवं जिसका दिनांक 21.03.2020 को स्वर्गवास हो चुका है, जिसकी एकमात्र पुत्री शहनाज बेगम पुत्री मोहसीन कुरेशी है, जो कि मेरे मुवक्किल के साथ रहती थी तथा जिसका विवाह मेरे मुवक्किल ने किया गया था, मेरे मुवक्किल के पिताजी निजामुद्दीन पुत्र नजीर मोहम्मद के प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारी एवं वारिसान में मेरे मुवक्किल स्वयं, मेरे मुवक्किल के दो भाई क्रमश: (1) मैराजुद्दीन व (2) रियाजुद्दीन पुत्रान नजीर मोहम्मद, मेरे मुवक्किल की बहिन श्रीमती मेमुना बानो तथा मेरे मुवक्किल की मृतक बहिन नसीम बानो की पुत्री शहनाज बेगम एकमात्र कानूनी उत्तराधिकारी है। इनके अलावा स्वर्गीय निजामुद्दीन पुत्र नजीर मोहम्मद का अन्य कोई कानूनी व नजदीकी उत्तराधिकारी नहीं है।, चूंकि मेरे मुवक्किल तथा मेरे मुवक्किल के भाई मैराजुद्दीन एवं उसी पत्नि मुन्नी एवं मेरे मुवक्किल के पिताजी निजामुद्दीन पुत्र नजीर मोहम्मद के द्वारा लिए गए समस्त ऋण की अदायगी एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) को की जा चुकी है इसलिए मेरा मुवक्किल स्वयं के पिताजी निजामुद्दीन पुत्र नजीर मोहम्मद के स्वामित्व की उक्त अचल सम्पत्ति के समस्त मूल दस्तावेज एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) सी - 25, भगवान दास रोड़, सेन्ट जेवियर स्कूल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर- 302001 (राज.) से प्राप्त करना चाहता है, इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति अथवा बैंक इत्यादि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति या आक्षेप हो तो मय सबूत सात दिन की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें, अवधि समाप्ति के पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा मेरी मुवक्किल के विरुद्ध शून्य व बेअसर मानी जावेगी।
(श्याम सुन्दर चावला) एडवोकेट, 6/48, मालवीय नगर, जयपुर-302017, मो.9829218044

MUNICIPAL CORPORATION JAIPUR
(Pandit Deendayal Uppadhyay Bhawan Lalkothi Tonk Jaipur 302015)
No. F-6()DCR-FIRST (J.S)/RO.LIC/N.N.J/2026/1091 Date: 19-06-2026

PUBLIC NOTICE

The licensee M/s/ Indus Tower Limited Jaipur (Particulars of Licensee) has submitted application in this office for granting permission for erection/ installation of telecom tower aboveground telegraph infrastructure on the land or building or location mentioned below :-

Sr. No.	Site ID	Address
1	IN 3583644	Gangapole Gate Ke Pass Badanpura Police Road, Opp. Parkota Wale Veer Hanuman Mandir, Ward No.26, Jaipur
2	IN 3558897	On Divider Opposite HDFC Bank, Govind Nagar East Amer Road, Ward No.87, Jaipur Zone Hawa Mahal
3	IN 3506442	Row, Behind Civil Lines Metro Station Reserve Parking, Bunkar Seva Kendra Jaipur Zone Civil Line Ward No.48

Therefore, it is hereby informed to all concerned that if, any body has any objection or suggestion on granting permission for installation or establishment of above mentioned telecom infrastructure on the land/location above, he may submit objection or suggestion along with supporting documents before the undersigned during office hours on any working day within 7 days of the publication of this notice.

In absence of any objection/ suggestion within above stipulated time it any be deemed that nobody has objection/suggestion and matter will be disposed off accordingly.

Deputy Commissioner (Revenue-I)
Municipal Corporation, Jaipur

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी स्थान सांभर लेक
सूरजमल वगै. विरुद्ध तहसीलदार वगै.
वाद/प्रार्थना पत्र-अ.धा. 131-136 LR Act
प्रार्थना-पत्र संख्या-104/2026
नाम हनुमान सहाय पुत्र औंकार लाल जाति बलाई पता निवासी ग्राम नरोत्तमपुरा पो. जयसिंहपुरा तह. भांकरोटा जि. जयपुर (राज.) 303006
ऊक्त प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि-
अत: आपको चतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 29 माह 06 सन् 2026 को 10.00 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लोडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज ता. 19 माह 06 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर अदालत
आज्ञा से-रीडर
उपखण्ड अधिकारी
सांभर लेक

फॉर्म-ए
सार्वजनिक घोषणा
(भारतीय दिवाला एवं शोधन अक्षमता बोर्ड (कॉर्पोरेट व्यक्तियों हेतु दिवाला समाधान प्रक्रिया) विनियमावली, 2016 के विनियम 6 के अधीन)
अक्ष ऑप्टिफाइबर लिमिटेड के लेनदार के ध्यानार्थ हेतु

प्रासंगिक विवरण		
1.	कॉर्पोरेट देनदार का नाम	अक्ष ऑप्टिफाइबर लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट देनदार के गठन की तिथि	19-03-1986
3.	प्राधिकरण जिसके अधीन कॉर्पोरेट देनदार गठित/ पंजीकृत है	आरओसी जयपुर
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या / कॉर्पोरेट देनदार की सीमित देयता पहचान सं.	L24305RJ1986PLC016132
5.	कॉर्पोरेट देनदार के पंजीकरण कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई) का पता	एफ-1080, फेज-III, आर.आई.आई.सी.ओ. औद्योगिक क्षेत्र, भिवाड़ी, राजस्थान, भारत, 301019
6.	कॉर्पोरेट देनदार के सम्बन्ध में दिवाला आरम्भ तिथि	19.06.2026
7.	दिवाला समाधान प्रक्रिया समापन होने की अनुमानित तारीख	16.12.2026
8.	अंतरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के रूप में कार्य करने वाले दिवालियापन पेशेवर का नाम और पंजीकरण संख्या	प्रवीण कुमार सिंघल IBBI/IPA-001/IP-P00514/2017-2018/10915
9.	अंतरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल का पता और ईमेल पता जो बोर्ड के पास पंजीकृत हो	ई-24ए, द्वितीय तल, जवाहर पार्क, लक्ष्मी नगर, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110092 ईमेल आईडी: casinghalpk@gmail.com
10.	अंतरिम समाधान पेशेवर के साथ पत्राचार के लिए उपयोग किए जाने वाला पता और ई-मेल	512ए, पंचम तल, इंद्रप्रस्थ बिल्डिंग, बाराखंभा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली - 110001 ईमेल आई.डी.: ip.cirp.aol@gmail.com
11.	दावा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	03-07-2026
12.	धारा 21 के उपधारा (6ए) के खंड (बी) के तहत अंतरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल द्वारा लेनदारों की श्रेणियां, यदि कोई, सुनिश्चित की गई हो	लागू नहीं
13.	किसी श्रेणी में लेनदारों के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए इन्सॉल्वेंसी प्रोफेशनल के नाम (प्रत्येक श्रेणी के लिए तीन नाम)	लागू नहीं
14.	(क) प्रासंगिक फार्म और (ख) अधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण यहां उपलब्ध है	(क) प्रासंगिक प्रपत्र यहां उपलब्ध हैं: https://ibbi.gov.in//en/home/downloads (ख) लागू नहीं

एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि माननीय राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण, जयपुर पीठ द्वारा दिनांक 19.06.2026 को सी.पी. संख्या आई.बी.-45/7/जेपीआर/2023 में, मैसर्स शान्तनु इन्वेस्टमेंट्स प्रा. लि. बनाम मैसर्स अक्ष ऑप्टिफाइबर लिमिटेड के मामले में, मैसर्स अक्ष ऑप्टिफाइबर लिमिटेड के विरुद्ध कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के प्रारम्भ का आदेश पारित किया गया है।
अक्ष ऑप्टिफाइबर लिमिटेड के लेनदारों को इसके द्वारा आवाह किया जाता है कि प्रविष्टि नं. 10 के सामने उल्लिखित पते पर अंतरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल को 03.07.2026 तक या उससे पहले सबूत के साथ अपने दावें प्रस्तुत करे।
वित्तीय लेनदार अपने दावे प्रमाण के साथ केवल इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्रस्तुत करेंगे। अन्य सभी लेनदार व्यक्तिगत रूप से, डाक द्वारा या इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से सबूत के साथ दावे प्रस्तुत कर सकते हैं।
वर्ग से संबंधित कोई वित्तीय लेनदार, उस वर्ग के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में अपनी पसंद का संकेत प्रपत्र सी.ए. में देगा।
दावे के झूठे या भ्रामक सबूत जमा करने से जुर्माना लगाया जाएगा।
प्रवीण कुमार सिंघल
अंतरिम समाधान पेशेवर
पंजी सं. IBBI/IPA-001/IP-P00514/2017-2018/10915
एएफए वैध: 30-जून -27 तक
दिनांक: 20/06/2026
स्थान: नई दिल्ली
कृते अक्ष ऑप्टिफाइबर लिमिटेड (सीआईआरपी के तहत)

कार्यालय नगरपालिका टोडारायसिंह (टोंक) राज.
E-Mail- nptodaraisingh@gmail.com Ph.- 01433-294303
क्रमांक : नपाटो/भूमि/2026-27/1198 दिनांक : 15.06.2026
-: आपत्ति आमन्त्रण सूचना :-
एतद्द्वारा हितबद्ध, व्यक्ति विशेष, आम खास को सूचित किया जाता है कि पालिका क्षेत्र में अधोलिखित व्यक्तियों द्वारा 69A, स्टेट ग्रान्ट एक्ट, नामान्तरण आदि के पट्टे हेतु आवेदन प्रस्तुत कर पट्टा चाह गया है। इस संबंध में किसी भी व्यक्ति को निम्नांकित बाबत् आपत्ति हो तो आपत्ति आमंत्रण सूचना जारी होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर मियाद विधिमान्य दस्तावेजों सहित लिखित में आपत्ति कार्य दिवस के दौरान कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करावें। बाद म्याद गुजरने आपत्ति मान्य नहीं होगीं।

क्र.स.	नाम प्रार्थी	मौहल्ला	भूखण्ड नाप	प्रयोजन
1	श्री रघुनाथ दास पुत्र रघुवीर दास वैष्णव	सांवलाजी की गली	112.00 वगर्गज	69A/ स्टेट ग्रान्ट
2	श्री शकर लाल माली पुत्र हीरालाल माली	खाल का ढावा	519.33 वगर्गज	69A/ स्टेट ग्रान्ट
3	श्रीमती लादी देवी पत्नी लादू माली	खाल का ढावा	634.66 वगर्गज	69A/ स्टेट ग्रान्ट
4	श्री मुकेश माली पुत्र लादूलाल अजमेरा	खाल का ढावा	93.75 वगर्गज	69A/ स्टेट ग्रान्ट
5	श्री कालुराम माली पुत्र लादूलाल अजमेरा	खाल का ढावा	93.75 वगर्गज	69A/ स्टेट ग्रान्ट
6	श्री छोटूलाल माली पुत्र हीरालाल माली	खाल का ढावा	233.33 वगर्गज	69A/ स्टेट ग्रान्ट ग्रान्ट
7	श्री विनोद, रवि पुत्र सुरज्ञान	पुरानी हरिजन बस्ती	206.88 वगर्गज	69A/ स्टेट ग्रान्ट
8	अब्दुल सत्तार पुत्र पीर मोहम्मद	देशवाली मोहल्ला	262.11 वगर्गज	69A/ स्टेट ग्रान्ट
9	श्री यज्ञकान्त पुत्र सोहनलाल पाण्डे	लाठी जी का मोहल्ला	283.63 वगर्गज	69A/ स्टेट ग्रान्ट
10	अब्दुल हमीद पुत्र मोहम्मद इस्माईल	इमाम चौक	104.33 वगर्गज	69A/ स्टेट ग्रान्ट
11	श्री जुगल किशौर पुत्र तुलसीराम	सांवलाजी की गली	73.74 वगर्गज	69A/ स्टेट ग्रान्ट
12	श्रीमती सोदरा देवी पत्नी रामलाल नागर	धाकड कॉलोनी	202.22 वगर्गज	नामान्तरण
13	श्री रामप्रसाद पुत्र रामदेव माली	मालियान मन्दिर के पास	37.91 वगर्गज	69A/ स्टेट ग्रान्ट

राज.संवाद/सी/26/5247 अधिशासी अधिकारी

NOTICE TO SHOW CAUSE
[Appendix H, Form No. 4]
In the High Court of Judicature for Rajasthan, Bench at Jaipur
S.B. CIVIL WRIT PETITION NO. 1129/2026
RAKESH SINGHAL Vs M/S J.K. & SONS
To, Respondent No.
1. M/s J.K. & Sons through Rajendra Kumar Johri, R/o House No. 1545-47, Chaura Rasta, Jaipur (Raj.)
Where as the above named Petitioner Mr. RAKESH SINGHAL ...has made an application to this court that...
You are hereby warned to appear in the court in person or by a pleader duly instructed on the 30 Day of July 2026 at 10.30 AM..o'clock in the forenoon, to show cause against the application failing wherein, the said application will be heard and determined ex-party.
Ginen under may hand and seal of this court on the 19 Day of June 2026
प्रशासनिक अधिकारी
राजस्थान मुख्य न्यायाधीश, जयपुर

सार्वजनिक सूचना नगर निगम जयपुर
(पं. दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15) (राजस्व-द्वितीय प्रकोष्ठ)
क्रमांक : एफ-6 () उपा.राज.-द्वितीय (सा.प्र.)/ननिज/2026/308 दिनांक: 18.06.2026
मूल भूखण्ड संख्या 130, लेबर कॉलोनी, बनीपार्क, जयपुर का अर्बन इम्प्रूवमेंट बोर्ड, जयपुर द्वारा श्रीमती जी. लारेन्स के नाम से क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज भूमि का आवंटन किया गया था। दिनांक 24.06.1960 को अर्बन इम्प्रूवमेंट बोर्ड, जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या 130, लेबर कॉलोनी, जयपुर क्षेत्रफल 266.6 वर्गगज श्रीमती जी. लारेन्स पत्नी श्री एस. लारेन्स के नाम से पट्टा जारी किया गया। दिनांक 28.03.1979 को श्रीमती विक्टोरिया लारेन्स पत्नी स्व. श्री के. लारेन्स स्वयं एवं जरिये संरक्षक 1. श्री गिव्यन हवर्ड लारेन्स 2. श्री ए.डी. लारेन्स पुत्रियान् स्व. एस. लारेन्स 3. श्रीमती मैरीयन त्यागराज पत्नी श्री जी.डी. त्यागराज 4. श्रीमती ऐसा बेला लारेन्स पुत्री श्री के. लारेन्स 5. श्रीमती रीना कामनी पुत्री श्री के. लारेन्स 6. श्री डेनी वैसली लारेन्स पुत्र स्व. श्री के. लारेन्स के द्वारा भूखण्ड सख्या 130, इन्द्रा कॉलोनी (लेबर कॉलोनी), जयपुर क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज श्रीमती कौशल पत्नी श्री देवकी नन्दन को बेचान किया गया। दिनांक 21.10.1980 को नगर विकास न्यास, जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या 130, लेबर कॉलोनी, जयपुर श्रीमती कौशल पत्नी श्री देवकीनन्दन के नाम से नाम हस्तान्तरण पत्र जारी किया गया। दिनांक 28.10.2014 को श्रीमती कौशल कुमारी (कौशल्या शांडिल्य) पत्नी स्व. श्री देवकी नन्दन (शांडिल्य) द्वारा भूखण्ड संख्या 130, इन्द्रा कॉलोनी (लेबर कॉलोनी), जयपुर क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज श्री रविन्द्र शांडिल्य पुत्र स्व. श्री देवकी नन्दन (शांडिल्य) के पक्ष में पंजिकृत गिफ्ट डीड का निष्पादन किया गया। दिनांक 04.12.2017 को श्री रविन्द्र शांडिल्य पुत्र स्व. श्री देवकी नन्दन शांडिल्य द्वारा भूखण्ड संख्या 130, इन्द्रा कॉलोनी (लेबर कॉलोनी), जयपुर का आधा पश्चिमी भाग क्षेत्रफल 133.33 वर्गगज अर्थात 111.47 वर्गमीटर श्रीमती कीर्ति संगतानी पत्नी श्री अशोक संगतानी को बेचान किया गया। दिनांक 04.12.2017 को श्री रविन्द्र शांडिल्य पुत्र स्व. श्री देवकी नन्दन शांडिल्य द्वारा भूखण्ड संख्या 130, इन्द्रा कॉलोनी (लेबर कॉलोनी), जयपुर का आधा पूर्वी भाग क्षेत्रफल 133.33 वर्गगज श्रीमती रीतू शर्मा पत्नी श्री मुकेश शर्मा को बेचान किया गया। दिनांक 03.11.2025 को श्रीमती कीर्ति संगतानी पत्नी श्री अशोक संगतानी द्वारा भूखण्ड संख्या 130, इन्द्रा कॉलोनी (लेबर कॉलोनी), जयपुर का आधा पश्चिमी पश्चिमी भाग क्षेत्रफल 133.33 वर्गगज श्रीमती रीतू शर्मा पत्नी श्री मुकेश शर्मा को बेचान किया गया। आवेदिका द्वारा प्रस्तुत रजिस्टर्ड विक्रय पत्र, नाम हस्तान्तरण पत्र, रजिस्टर्ड गिफ्ट डीड, अण्डरटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का नगर निगम, जयपुर द्वारा श्रीमती रीतू शर्मा पत्नी श्री मुकेश शर्मा के पक्ष में क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज का नाम हस्तान्तरण जारी किया जाना है। इस नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने बाबत् किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, राजस्व द्वितीय) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी। उपायुक्त (राजस्व-द्वितीय) नगर निगम, जयपुर

कार्यालय नगर पालिका मण्डल कालाडेरा (जयपुर)
क्रमांक/न.पा.का./2026-27/430 दिनांक-19.06.2026
शहरी सेवा शिविर अभियान-2026 कार्यक्रम
श्रीमान निदेशक एवं विशिष्ठ सचिव महोदय, स्वायत्त शासन विभाग, राज. जयपुर के पत्रांक भूमि एफ.7 (ड)(श से शि)/डीएलबी/2026/2814 दिनांक 10.06.2026 की पालना में दिनांक 12.06.2026 से कैम्प समय प्रातः 9.30 से सायं 6.00 बजे तक पालिका द्वारा उपरोक्त कार्यो के सफल निष्पादन के लिये निम्नानुसार वार्डवाईज कैम्पों का आयोजन किया जा रहा है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है-

क्र. सं.	दिनांक	वार्ड संख्या	शिविर स्थान	प्रभारी व सहप्रभारी
1	20.06.2026	1 से 20	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	श्री अर्जुन लाल गुर्जर स्टोर शाखा प्रभारी
2	22.06.2026	6	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	
3	23.06.2026	7	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	
4	24.06.2026	8	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	
5	25.06.2026	9	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	
6	27.06.2026	1 से 20	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	
8	29.06.2026	10	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	
9	30.06.2026	11	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	
10	01.07.2026	12	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	
11	02.07.2026	13	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	
12	03.07.2026	14	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	
13	04.07.2026	1 से 20	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	
14	06.07.2026	15	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	
15	07.07.2026	16	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	
16	08.07.2026	17	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	
17	09.07.2026	18	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	
18	10.07.2026	19	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	
19	11.07.2026	1 से 20	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	
20	13.07.2026	20	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	
21	14.07.2026	1 से 10	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	
22	15.07.2026	11 से 20	कार्यालय नगर पालिका कालाडेरा	

नोट- उपरोक्त वार्डो के कैम्पों की निर्धारित दिनांक के अतिरिक्त अन्य वार्डो की पत्रावलियां/ आवेदन भी जमा किये जायेंगे।
(सूर्य कान्त शर्मा)
अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका कालाडेरा

स्वच्छ फुलेरा-स्वस्थ फुलेरा
कार्यालय नगर पालिका मण्डल, फुलेरा जिला जयपुर
fulera.jaipur@yahoo.com Ph. 01425-284024
क्रमांक-न.पा.फु./2026-27/906 दिनांक-19.06.2026
शहरी सेवा शिविर-2026 कार्यक्रम
राज्य सरकार द्वारा दिनांक 12.06.2026 से 15.07.2026 तक "शहरी सेवा अभियान-2026" का आयोजन किया जा रहा है। उक्त आदेश की पालना में नगर पालिका फुलेरा द्वारा शिविर का आयोजन सामुदायिक भवन नगर पालिका फुलेरा में किये जायेंगे। उक्त कैम्पों के नोडल अधिकारी श्री कृष्ण कुमार यादव सहायक लेखाधिकारी प्रथम एवं सहायक नोडल अधिकारी श्री अजय कुमार चौधरी कनिष्ठ अभियन्ता नगर पालिका फुलेरा होंगे।
शिविर का समय 9.30 से 06.00 बजे तक
जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य दिनांक एवं वार्डवाईज का विवरण निम्नानुसार है-

क्र.सं.	दिनांक	वार्ड संख्या	शिविर में किए जाने वाले कार्य
1	12.06.2026	01 व 25	साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट रिपेयर व नई लाइट लगाना, टूटे फेरोकवर व क्रॉस सही कराना, ब्लैक स्पॉट सही करवाना, पेच वर्क, सार्वजनिक पार्कों की साफ-सफाई, सार्वजनिक शौचालयों की साफ-सफाई व रिपेयर, सीवरेज कनेक्शन व रिपेयर, कार्यालय में पेंडिंग पत्रावलियों का निस्तारण, विभिन्न प्रकार के पट्टे (स्टेट ग्राण्ट, कच्ची बस्ती 69ए कृषि भूमि), भू-उपयोग परिवर्तन, खाचां भूमि, नामान्तरण, भवन निर्माण मंजूरी, ट्रेड लाइसेंस, फायर एनओसी, स्ट्रट वेण्डर रजि. उप-विभाजन-एकीकरण, लीज मुक्ति प्रमाण पत्र, जन्म-मृत्यु विवाह पंजीयन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, मुख्यमंत्री स्व. निधि योजना/ प्रधानमंत्री स्व. निधि योजना के तहत आवेदन, प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत आवेदन।
2	15.06.2026	02 व 03	
3	18.06.2026	04 व 05	
4	19.06.2026	06 व 07	
5	22.06.2026	08 व 09	
6	23.06.2026	10 व 11	
7	24.06.2026	12 व 13	
8	25.06.2026	14 व 15	
9	29.06.2026	16 व 17	
10	30.06.2026	18 व 19	
11	01.07.2026	20 व 21	
12	02.07.2026	22 व 23	
13	03.07.2026	24 व 25	
14	06.07.2026	01 व 05	दिनांक 12.06.2026 से 03.07.2026 तक प्राप्त पत्रावलियों का फोलोअप कैम्प
15	07.07.2026	06 व 10	
16	08.07.2026	11 व 15	
17	09.07.2026	16 व 20	
18	10.07.2026	21 व 25	
19	13.07.2026	फॉलोअप कैम्प	समस्त वार्ड
20	14.07.2026		
21	15.07.2026		
22	1306.2026	वार्ड नं. 01 से 05 तक की पेन्डिंग पत्रावलियों का फोलोअप कैम्प	
23	20.06.2026	वार्ड नं. 06 से 10 तक की पेन्डिंग पत्रावलियों का फोलोअप कैम्प	
24	27.06.2026	वार्ड नं. 11 से 15 तक की पेन्डिंग पत्रावलियों का फोलोअप कैम्प	
25	04.07.2026	वार्ड नं. 16 से 20 तक की पेन्डिंग पत्रावलियों का फोलोअप कैम्प	
26	15.07.2026	वार्ड नं. 21 से 25 तक की पेन्डिंग पत्रावलियों का फोलोअप कैम्प	

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका मण्डल, फुलेरा

नम्बर मिलाइए 8890333139
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर
क्रमांक : नियमन/2026/46 दिनांक : 19.06.2026
सार्वजनिक विज्ञप्ति
आवेदकों श्री नितिन सिंघल पुत्र श्री आर्य भूषण सिंघल एवं श्रीमती शालिनी सिंघल पत्नी श्री नितिन सिंघल निवासी – 51, आनन्द विहार राकेश मार्ग नेहरू नगर, गाजियाबाद (उ.प्र.) द्वारा योजना सूर्या सिटी भरतपुर के आवासीय भूखण्ड संख्या 21 क्षेत्रफल 355.55 वर्गगज के नाम हस्तान्तरण हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया है।
प्राधिकरण द्वारा उक्त भूखण्ड का पट्टा दिनांक 18.09.2009 को श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री सूरजभान के पक्ष में जारी किया गया है, जोकि उपपंजीयक कार्यालय में दिनांक 04.12.2009 को पुस्तक सं. 01 जिल्द संख्या 677 में पृष्ठ सं. 45 क्रम संख्या 2009008165 पर पंजीबद्ध है। तत्पश्चात भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण क्रमांक 1431–32 दिनांक 14.02.2014 को श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री सूरजभान से मैसर्स सूर्या बिल्डर्स एण्ड डवलपर्स के पक्ष में कर दिया गया। उक्त भूखण्ड श्री चन्द्रप्रकाश तिवारी पुत्र श्री गिर्राज प्रसाद मैसर्स सूर्या बिल्डर्स एण्ड डवलपर्स से जरिये रजिस्टर्ड वयनामा दिनांक 20.11.2017 जो कि उप पंजीयक कार्यालय भरतपुर में पुस्तक सं. 01 जिल्द सं.1059 में पृष्ठ सं. 137 क्रम संख्या 201703098106595 पर पंजीबद्ध है, क्रय किया है। तत्पश्चात भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण क्रमांक 4305–06 दिनांक 11.09.2018 को मैसर्स सूर्या बिल्डर्स एण्ड डवलपर्स से श्री चन्द्रप्रकाश तिवारी पुत्र श्री गिर्राज प्रसाद के पक्ष में कर दिया गया। आवेदकों द्वारा भूखण्ड उक्त श्री चन्द्रप्रकाश तिवारी पुत्र श्री गिर्राज प्रसाद तिवारी से जरिये रजिस्टर्ड वयनामा दिनांक 12.06.2025 जो कि उप पंजीयक कार्यालय भरतपुर में पुस्तक सं. 01 जिल्द सं. 1405 में पृष्ठ सं. 170 क्रम सं. 202503098104610 पर पंजीबद्ध है, से क्रय किया है। अतः आवेदकों श्री नितिन सिंघल पुत्र श्री आर्य भूषण सिंघल एवं श्रीमती शालिनी सिंघल पत्नी नितिन सिंघल के पक्ष में उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण किये जाने में किसी व्यक्ति या संस्था आदि को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। गुजरने म्याद कोई आपत्ति मान्य नहीं होंगी।
उपायुक्त (पूर्वी जोन) भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY *Conditions apply

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II. New Delhi-110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. #Based on the testing report of Govt. certified agency. Actual mileage may vary as per riding conditions. ^As per internal testing under standard conditions and may vary as per road & riding conditions. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice. *Ex-showroom price of Super Splendor Xtec2.0 applicable in Rajasthan. T&C Apply.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलर: जयपुर: सूर्या हीरो, सीकर रोड़, लेन नं. 8, वीकेआईए, 9289922901, सुप्रीम हीरो, गोविन्द मार्ग, राजापार्क, 9289922197, आकड़ हीरो, अजमेर रोड, 9289922192, शुभम हीरो, सहकार मार्ग, 9289922207, कोटपूतली: चौधरी हीरो, 9289922797, एसोशिएट डीलर: मानसरोवर: आर.एल. मोटर्स, 9579258884, जगतपुरा: टीनिटी मोटर्स, 8003088062, करबला (जयपुर): सुपर मोटर्स, 8824088678, सिरसी रोड़ मीनावाला: रजत स्पीड जोन, 9261499995, बगरू: लाम्बा मोटर्स, 97728 81888, भांकरोटा: हरितवाल ऑटोमोबाइल्स, 9314013185, चाकसू: नाकोडा ऑटोमोबाइल, 9950560918, बस्सी: वरधानी ऑटोमोबाइल्स, 9414312552, सरफि ऑटोमोबाइल्स, 9414751333, दूदू: श्री गणेश ऑटोमोबाइल्स, 9352727667, शाहपुरा: सत्यम मोटर्स, 8104361919, हरमाड़ा: बी.एल. ऑटोमोबाईल्स, 9314050594, फुलेरा: अग्रवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414818930, जमवा रामगढ़: उदय ऑटोमोबाइल्स, 9828090676, जोबनेर: केशव ऑटोमोबाईल्स, 8769505565, पावटा: पंकज मोटर्स, 96104 26700, कानोता: के.पी. ऑटोमोबाइल्स, 9414228404, मनोहरपुर: श्री कृष्णा मोटर्स, 8560000816, 9414643816, अचरोल: हैप्पी ऑटोमोबाइल, 9829321200, 7073888288 आंतेला: सैनी ऑटोमोबाइल्स, 7790999997, जयपुर: हार्दिक मोटर, 9828085118, रेनवाल मांजी: सालासर मोटर्स, 9001094391, मेढ़: किरण मोटर्स, 9314039090, झोटवाड़ा: प्राइम मोटर्स, 9358048181, वाटिका: बालाजी मोटर्स, 8875558222, 9549997999, तुंगा: जय बालाजी मोटर्स, 8094528008, 9549652279, कोटखावादा: श्री राम मोटर्स, 9414866716, विराटनगर: बागड़ा मोटर्स, 9928776482, वैशाली नगर: सिद्धिक मोटर्स, 9610444469, कुकस: आदित्य मोटर्स, 9829494009, दौलतपुरा: त्रिवेणी मोटर्स 6377644292, प्रताप नगर: आनंद मोटर्स 9773343232, सांगानेर: मुहाना मोटर्स, 9351591591, रायसर: श्री बालाजी मोटर्स, 9414493720.